THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 77 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ.3 2081 रविवार, 9 जून-2024

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

प्रफुल्ल पटेल को 180 करोड़ की संपत्ति वापस मिली

मुंबई, 8 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में अजित गुट के नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के राज्यसभा सांसद प्रफुल्ल पटेल को मनी लॉन्ड्रिंग केस में बड़ी राहत मिली है। मुंबई के अपीलेट ट्रिब्यूनल ने इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें प्रफुल्ल के मुंबई स्थित 180 करोड़ की संपत्तियों को जब्त करने की मांग की गई थी। ईडी का आरोप था कि ये संपत्तियां दाऊद इब्राहिम के करीबी और ड्रग माफिया इकबाल मिर्ची की विधवा हाजरा इकबाल मेमन से अवैध लेनदेन के जरिए हासिल की गई थीं। 1993 के मुंबई सीरियल ब्लास्ट मामले के आरोपी मिर्ची की 2013 में मौत हो गई थी। हालांकि, कोर्ट ने पटेल के खिलाफ ईडी की कार्रवाई को अवैध बताया और कहा कि ये संपत्तियां मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल नहीं थीं।

राहुल को लोकसभा में विपक्ष का नेता बनाए जाने की मांग

सोनिया गांधी कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष चुनी गईं

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। सोनिया गांधी को कांग्रेस संसदीय दल का अध्यक्ष चुन लिया गया है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संसद के सेंट्रल हॉल में पार्टी नेताओं की बैठक में सोनिया के नाम का प्रस्ताव रखा। गौरव गोगोई और तारिक अनवर ने इसका समर्थन किया। इससे पहले कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक हुई। इसमें कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने का भी प्रस्ताव रखा गया है। सूत्रों के मुताबिक सीडब्ल्यूसी बैठक में यह संकेत भी मिला है कि राहुल वायनाड सीट छोड़कर रायबरेली सीट अपने

पास रखेंगे। कांग्रेस महिला मोर्चा की अध्यक्ष अलका लांबा ने कहा, 'भ्रष्टाचार के आरोप में केजरीवाल समेत बड़े नेताओं के जेल में होने और स्वाति मालीवाल से मारपीट की वजह से कांग्रेस पार्टी को गठबंधन से नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि पंजाब में हमने आप के साथ गठबंधन नहीं किया, इसका हमें सीधा फायदा हुआ है। सीडब्ल्यूसी की मीटिंग दिल्ली के अशोका होटल में करीब 3 घंटे चली। राहुल गांधी को लोकसभा में विपक्ष का नेता बनाने के लिए पार्टी सांसदों ने एक प्रस्ताव भी पारित किया। इस पर राहुल ने कहा, 'मुझे सोचने का वक्त दीजिए।' यह पद पिछले 10 साल से खाली है।

10 साल से नेता प्रतिपक्ष का पद खाली

लोकसभा में पिछले 10 साल से नेता प्रतिपक्ष का पद खाली है। 2014 में कांग्रेस को 44 सीटें और 2019 में 52 सीटें मिली थीं। भाजपा के बाद सबसे ज्यादा सीटें कांग्रेस को मिली थीं। फिर भी कांग्रेस को नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी नहीं मिली थी। दरअसल, नेता प्रतिपक्ष के पद के लिए किसी भी पार्टी के पास लोकसभा की कुल सीटों का 10 प्रतिशत सीटें होना चाहिए।

'वीके पांडियन मेरे उत्तराधिकारी नहीं'

ओडिशा, 8 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के नतीजों के साथ ओडिशा में विधानसभा चुनाव के नतीजे भी जारी हुए। ओडिशा की 147 विधानसभा सीटों में से भाजपा ने 78 सीटों पर जीत हासिल की। वहीं, बीजू जनता दल (बीजद) को 51 सीटों पर जीत मिली। विधानसभा चुनाव के नतीजों के साथ ही ओडिशा में बीजद के 24 साल का शासन भी खत्म हो गया। अब भाजपा राज्य में अपनी सरकार बनाएगी। हालांकि, बीजद की हार के बाद ही नवीन पटनायक ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। सीएम पद से इस्तीफा देने के बाद अब ऐसी अफवाहें उड़ रही थीं कि पटनायक अब पार्टी की कमान बीजद नेता वीके पांडियन को सौंपने वाले हैं।

ममता बोलीं-प्रधानमंत्री के शपथ ग्रहण का न्योता नहीं मिला

जाने का इरादा भी नहीं एनडीए को लिया आड़े हाथ

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के परिणाम सामने आने के बाद देश के सियासी गलियारों में बड़े बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। सियासत के ऐसे ही अहम घटनाक्रम में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह के लिए न्योता नहीं मिला है। ममता ने कहा कि वे राष्ट्रपति भवन में आयोजित इस समारोह में जाने का इरादा भी नहीं रखतीं। मीडिया से बात करते हुए ममता ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को आड़े हाथ लिया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष चुनी गईं। वहीं पार्टी सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय को लोकसभा में पार्टी का नेता, डॉ. काकोली घोष दस्तीदार को लोकसभा का उपनेता, जबकि कल्याण बनर्जी को मुख्य सचेतक चुना गया। टीएमसी ने जानकारी देते हुए बताया कि सांसद डेरेक ओ'ब्रायन को राज्यसभा में पार्टी का नेता चुना गया, सागरिका घोष को उपनेता और नदीमुल हक को मुख्य सचेतक चुना गया।

ग्रेस मार्क्स पाने वाले अभ्यर्थियों के रिजल्ट की फिर से होगी जांच, समिति गठित : एनटीए डीजी

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। नीट 2024 के रिजल्ट में कथित तौर पर अनियमितता को लेकर जारी सियासत के बीच एनटीए के डीजी सुबोध कुमार सिंह का बयान सामने आया है। उन्होंने छात्रों को आश्वस्त करते हुए कहा कि ग्रेस मार्क्स पाने वाले अभ्यर्थियों के परिणाम की दोबारा जांच के लिए समिति गठित कर दी गई है और उनकी सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 5 मई को नीट की परीक्षा हुई थी और 4 जून को परीक्षा का रिजल्ट आया। कुछ अभ्यर्थियों ने रिजल्ट को लेकर सवाल उठाए थे। उन अभ्यर्थियों के सवालों को हल कर दिया गया है। ये देश की सबसे बड़ी परीक्षा थी। नीट परीक्षा में ग्रेस मार्क पाने वाले 1500 से ज्यादा अभ्यर्थियों के परिणाम को एक बार फिर से जांच करने के लिए समिति का गठन किया गया है। ये समिति परीक्षार्थियों की शिकायतों पर विश्लेषण करेगी और समाधान करने की पूरी कोशिश करेगी। उच्च शिक्षा सचिव के. संजय मूर्ति ने कहा कि इस पूरे मामले पर हमारी समिति ने बैठक की और केंद्रों और सीसीटीवी के सभी विवरणों का अवलोकन किया।

'हमें 24 घंटे, 365 दिन लोगों के बीच रहना होगा'

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार आज कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक हुई। बैठक में कांग्रेस चुनाव नतीजों की समीक्षा की गई, साथ ही भविष्य की रणनीति पर भी मंथन हुआ। बैठक करीब साढ़े 11 बजे शुरू हुई। इसमें पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा सहित पार्टी के कई अन्य शीर्ष नेता शामिल हुए। बैठक में खरगे ने इस बात पर जोर दिया कि सत्ता में हो या नहीं, हमें निरंतर काम करते रहना है। उन्होंने कहा कि 24 घंटे, 365 दिन लोगों के बीच रहना होगा।

सीएम केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार को फिर नहीं मिली जमानत

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। विभव कुमार को जमानत देने से इनकार कर दिया। आम आदमी पार्टी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को दूसरी बार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी विभव कुमार को जमानत देने से इनकार कर दिया। बिभव कुमार को मई में आप की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। तीस हजारी कोर्ट की विशेष न्यायाधीश एकता गौबा मान ने उन्हें जमानत देने से इनकार किया। उन्होंने कहा, इस तथ्य पर विचार करते हुए कि बिभव कुमार पर माननीय मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास पर राजनीतिक दल की एक महिला सदस्य के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप है, जहां न केवल उनके राजनीतिक दल के निर्वाचित सदस्य माननीय मुख्यमंत्री से मिल सकते हैं बल्कि यहां तक कि आम जनता भी अपनी शिकायतों के संबंध में माननीय मुख्यमंत्री से मिल सकती है। इससे आम जनता के मन में अपने नेता से मिलने के लिए डर और घबराहट पैदा होती है।

नीतीश कुमार को इंडिया ब्लॉक से पीएम का ऑफर

पटना, 8 जून (एजेंसियां)। पीएम मोदी कल यानी रविवार को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने वाले हैं। इससे पहले जदयू ने बड़ा दावा किया है। जेडीयू के महासचिव केसी त्यागी ने कहा है कि इंडिया ब्लॉक की तरफ से नीतीश कुमार को पीएम पद का ऑफर दिया गया था। उन्होंने एक निजी चैनल को दिए गए इंटरव्यू में कहा कि सीएम नीतीश कुमार ने इंडिया ब्लॉक से आए इस ऑफर को ठुकरा दिया है। वो एनडीए के साथ बने रहेंगे।

केसी त्यागी के दावे को राजद ने जुमलेबाजी करार दिया है। पार्टी के प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा है कि केसी त्यागी प्रस्ताव देने वाले का नाम बताएं। आरजेडी प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा है कि बड़ी बात यह कि राजनीति न एक दिन में शुरू होती है और न एक दिन में खत्म। केसी त्यागी जो बातें कह रहे हैं, उसको तथ्यों के साथ सामने लाए। किस नेता ने प्रस्ताव दिया था। आप जुमलेबाज पार्टी के साथ हैं तो आप भ्रम और जुमलेबाजी करके अपनी राजनीतिक स्थिति को बनाए रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को तो एनडीए की बैठक में जिस तरह से सीएम नरेन्द्र मोदी के आगे नतमस्तक हुए उससे साफ हो गया कि आप किसके लिए और किसकी राजनीति करते हैं। केसी त्यागी की राजनीति को बिहार की जनता और देश की जनता समझ चुकी है। वहीं राजद प्रवक्ता ऋषि मिश्रा ने केसी त्यागी के दावे को नकारा है। उन्होंने कहा कि पीएम के चुनाव को चंड़ीगढ़ के मेयर का चुनाव ना बनाएं। उन्होंने कहा कि ऐसी बात से जदयू को 3 की जगह 4 मंत्रालय मिल जाए तो अच्छा है। काराकाट से चुने गए माले के सांसद राजाराम सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार शुरू से थ्री सी की बात करते रहे हैं।

फिर हिंसा की आग में जला मणिपुर

उग्रवादियों ने पुलिस चौकियां और घर जलाए, 200 लोग राहत शिविर पहुंचे

इंफाल, 8 जून (एजेंसियां)। देश के उत्तर पूर्वी राज्य मणिपुर में एक बार फिर हिंसा भड़कने का डर बना हुआ है। यहां जिरीबाम जिले में शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात कुछ उग्रवादियों ने पुलिस चौकियों और घरों पर हमला किया। रात 12:30 बजे के करीब 3-4 बोट से आए उग्रवादियों ने पुलिस चौकी पर हमला किया और घरों में आग लगी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि चोतोबेकरा पोस्ट 12:30 बजे की करीब जल गई थी। इसके बाद लमतई खुनोऊ और मोधूपुर पोस्ट पर हमला हुआ। पुलिस के अनुसार उग्रवादियों ने कई गांव में हमला किया और घरों को आग के हवाले कर दिया। इन घटनाओं के वीडियो भी सामने आए हैं। मणिपुर के जिरीबाम जिले में कथित तौर पर उग्रवादियों ने एक व्यक्ति की हत्या कर दी थी। इसी वजह से राज्य में दोबारा हिंसा भड़की है। मेइती समुदाय के 200 से अधिक लोगों को नए राहत शिविरों में भेजा गया है। संदिग्ध उग्रवादियों ने जिरीबाम जिले के बाहरी गांवों लामताई खुनौ, दिबोंग खुनौ, नूनखाल और बेगरा में कई घरों को जला दिया था। इन गांवों के लोग जिरी खेल परिसर में बनाए गए राहत शिविर में रह रहे थे।

59 वर्षीय व्यक्ति की हत्या के बाद तनाव

एक अधिकारी ने बताया कि नए शिविरों में भेजे गए अधिकतर लोग जिरीबाम शहर से करीब 30 किलोमीटर दूर स्थित गांवों में रह रहे हैं। उन्होंने कहा, "क्षेत्र में और अधिक सुरक्षाकर्मियों को भेजा गया है।" मणिपुर पुलिस ने राज्य पुलिस कमांडो को तत्काल जिरीबाम जाने का आदेश दिया है। पुलिस ने बताया कि जातीय संघर्ष से ग्रस्त मणिपुर के जिरीबाम जिले में गुरुवार शाम एक समुदाय के 59 वर्षीय व्यक्ति की हत्या के बाद तनाव पैदा हो गया था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित गुरुवार को सुबह अपने खेत पर गया था, जहां से वह लापता हो गया। बाद में उसका शव बरामद किया गया।

हिंसा के चलते हजारों लोग बेघर

स्थानीय लोगों ने हत्या के बाद जिरीबाम थाने के बाहर विरोध जताया और मांग की कि चुनाव के मद्देनजर उनसे लिये गए लाइसेंसी हथियार अब उन्हें लौटा दिए जाएं। मणिपुर में पिछले साल से मई से जारी हिंसा से अब तक जिरीबाम अप्रभावित रहा है। यहां भी मेइती, मुस्लिम, नागा, कुकी और गैर-मणिपुरी लोग रहते हैं। इम्फाल घाटी में रहने वाले मेइती और पहाड़ी इलाकों में रहने वाले कुकी लोगों के बीच पिछले साल मई से जारी जातीय हिंसा में 200 से अधिक लोगों की मौत हो गई है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं।

माता-पिता के साथ सो रही मासूम की मौत

शिकायत पर पुलिस ने कब्र से निकाला शव, सच जानकर होश हो जाएंगे फाख्ता

सागर, 8 जून (एजेंसियां)। सागर शहर के बहेरिया थाना क्षेत्र के ग्राम चनाटोरिया में सोते समय करीब तीन महीने की बच्ची की संदेहास्पद परिस्थितियों में मौत हो गई। दूसरे दिन बच्ची के शव को दफना दिया गया। लेकिन, इसी बीच मृतका की मां ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की जांच के लिए बच्ची के शव को निकलवा कर उसका पोस्टमार्टम कराया। पीएम रिपोर्ट में मुंह दबाने से दम घुटने के कारण बच्ची की मौत होना सामने आया। जिसके आधार पर पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू की। जांच में जो खुलासा हुआ उसे जानकर पुलिस के भी होश फाख्ता हो गए। पुलिस के अनुसार फरियादिया आरती पति घनश्याम राठौर उम्र 24 साल निवासी चनाटोरिया ने थाने में शिकायत की है

देवेंद्र फडणवीस का इस्तीफा नामंजूर

अमित शाह का आदेश-बस काम करते रहिए

मुंबई, 8 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में एनडीए के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेते हुए उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने अपने पद से इस्तीफा देने का ऐलान किया था और इसे लेकर वे जिद पर अड़े थे लेकिन उनके इस फैसले पर अड़े रहने की खबरों के बीच गृह मंत्री अमित शाह ने उनसे बात की है और उन्हें अपने पद पर बने रहने का आदेश दिया और सरकार में काम जारी रखने को कहा है। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री फडणवीस, शिवसेना के एकनाथ शिंदे गुट और अजीत पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के साथ महाराष्ट्र सरकार का हिस्सा हैं। बता दें कि 2019 के लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में शिवसेना और भाजपा ने राज्य की 48 में से 41 सीटें जीती थीं, लेकिन नया गठबंधन - जिसे महाराष्ट्र में महायुति कहा जाता है - इस बार केवल 17 सीटें हासिल करने में कामयाब रहा।

महा विकास अघाड़ी की महाराष्ट्र में शानदार जीत

कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) से बनी महा विकास अघाड़ी ने इस लोकसभा चुनाव में 30 निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल की है। जिसके बाद फडणवीस ने वोटों की गिनती के एक दिन बाद बुधवार को अपने पद से इस्तीफे की पेशकश की थी और तब से कई भाजपा नेताओं ने उनसे बात की है।

नरेला की मूंग दाल फैक्ट्री में ब्लास्ट, 3 की मौत, 6 घायल

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के नरेला में एक मूंग दाल बनाने वाली फैक्ट्री में आग लगने के कारण तीन लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में छह लोग घायल हुए हैं, जिनका इलाज किया जा रहा है। घटना शनिवार तड़के 3:35 बजे की है। फोन पर फैक्ट्री में आग की जानकारी दी गई, जिसमें 9 लोग फंसे हुए थे। आग के कारण फैक्ट्री में ब्लास्ट हुआ, जिससे तीन लोगों की मौत हो गई और अन्य घायल हुए। पुलिस को सुबह फोन पर आग की सूचना दी गई थी, जिसमें कहा गया कि फैक्ट्री में आग है, फंसे होने की जानकारी नहीं है। फोन पर जानकारी मिलने के बाद अधिकारी मौके पर पहुंचे तो नरेला इंडस्ट्रियल एरिया की फैक्ट्री संख्या एच-1249 आग की चपेट में थी। श्याम कृपा फूड्स प्राइवेट लिमिटेड नाम की यह फैक्ट्री मूंग दाल बनाने का काम करती है। आग पर काबू पाए जाने के बाद फैक्ट्री के अंदर से नौ लोगों को बाहर निकाला गया और सत्यवादी राजा हरिशचंद्र अस्पताल ले जाया गया।

नीट परीक्षा परिणाम को चुनौती देते हुए याचिका दायर

सोमवार को सुनवाई संभावित

जबलपुर, 8 जून (एजेंसियां)। नीट यूजी परीक्षा परिणाम को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। याचिका में कहा गया है, एक कोचिंग सेंटर में आठ छात्रों के नाम व रोल नंबर एक सामान हैं। छात्रों को परीक्षा में शत-प्रतिशत अंक मिले हैं। याचिका में नीट परीक्षा में भाई-भतीजावाद तथा भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया है। जबलपुर निवासी अमीषी वर्मा की तरफ से दायर की गई याचिका में कहा है कि वह नीट यूजी परीक्षा 2024 में शामिल हुई थी। उसे 720 अंक में से 615 अंक प्राप्त हुए थे। उसे व्यक्तिगत तथा विशेषज्ञों की गणना अनुसार, अधिक अंक मिलने की उम्मीद थी। याचिका में कहा गया था कि परीक्षा परिणाम में 67 छात्रों को शत-प्रतिशत अंक मिले हैं। एक ही कोचिंग संस्थान में छह छात्रों को शत-प्रतिशत अंक तथा दो को 718 व 719 अंक प्राप्त हुए हैं। सभी के नाम व रोल नंबर में सामान्य हैं। याचिका में कहा गया था कि गलत उत्तर देने पर चार अंक काटे जाते हैं। दो छात्रों को 718 व 719 अंक कैसे मिल सकते हैं। उनका एक उत्तर गलत था तो चार नंबर काटकर 716 अंक मिलने चाहिए थे।

सभी उत्तर सही थे तो 720 अंक मिलने चाहिए थे। याचिका में कहा गया था कि एम्स का कट ऑफ मार्क्स 717 है। एक संस्थान के छात्रों को उपकृत करने के लिए परीक्षा में भाई-भतीजावाद व भ्रष्टाचार किया गया है। याचिका में राहत चाही गयी थी कि उच्च न्यायालय की निगरानी में उच्च स्तरीय कमेटी जांच करे तथा चयनित छात्रों को अस्थाई तौर पर दाखिला दिया जाए। याचिकाकर्ता की तरफ से अधिवक्ता आदित्य संघी ने याचिका दायर की है।

अयोध्यावासियों के खिलाफ बोलना महंगा पड़ा मालवी भाभी को, पुलिस तक पहुंची शिकायत

इंदौर, 8 जून (एजेंसियां)। इंदौर में मालवी भाभी के नाम से प्रसिद्ध प्रतिक्षा जैन नय्यर को अयोध्यावासियों के खिलाफ बोलना भारी पड़ा। उन्होंने इंस्टा और फेसबुक पर एक पोस्ट डालकर अयोध्या जाने वाले पर्यटकों से अयोध्यावासियों का बहिष्कार करने की बात कहीं थी। यह बात कांग्रेस को नागवार गुजरी।उन्होंने मालवी भाभी के खिलाफ शिकायत कर एफआईआर दर्ज करने की मांग कर डाली। लोकसभा चुनाव में अयोध्या लोकसभा सीट से भाजपा के उम्मीदवार हार गए है। सोशल मीडिया पर अयोध्या को लेकर कई तरह के मैसेज चल रहे और मीम बन रहे है। इंदौर की सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर प्रतिक्षा जैन मालवी भाभी के नाम से प्रसिद्ध है।वे मालवी भाषा में अपनी पोस्ट अपलोड करती है। लोकसभा चुनाव परिणाम आने के बाद उन्होंने अयोध्या को लेकर विवादित पोस्ट डाल दी। इसे लेकर वे ट्रोल भी हुई। कई लोगों ने कमेंट कर उनकी इस पोस्ट पर आपत्ति ली। युवा कांग्रेस समन्यवयक अभिजीत पांडे ने कहा कि वोटरों को जनप्रतिनिधि चुनने का संविधान में लोकतांत्रिक अधिकार है। उनके बहिष्कार की मांग कर मालवी भाभी ने शांति भंग करने की कोशिश की है। पांडे ने क्राइम ब्रांच के डीसीपी राजेश दंडोतिया को लिखित शिकायत कर धारा-153,195 और 294 के तहत केस दर्ज करने की मांग की है। ज्ञापन के दौरान युवा कांग्रेस नेता स्वप्निल कांबले, नितिन कुशवाह व अन्य नेता मौजूद थे। शिकायत में पोस्ट के स्क्रीन शॉट भी दिए गए है।

'अगर तमिलनाडु में कांग्रेस अपने दम पर लड़ती तो जमानत भी बरकरार नहीं रख पाती', बीजेपी नेता का तंज

चेन्नई, 8 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव संपन्न हो चुका है, लेकिन सियासी पारा बना हुआ है। भाजपा नेता तमिलसाई सुंदरराजन ने एक बार फिर कांग्रेस पर निशाना साधा। कहा कि अगर कांग्रेस पार्टी अपने दम पर तमिलनाडु में चुनाव लड़ती तो वह किसी भी सीट में जमानत बरकरार नहीं रख पाती। नेता तमिलसाई हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात कर रही थीं। इस दौरान तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के सेल्वापेरुंथागई की कथित टिप्पणी, जिसमें उन्होंने कहा था कि भाजपा को मिले वोट 'पीएमके के वोट' हैं, के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए तमिलसाई ने आश्चर्य जताया कि क्या राज्य में इस सबसे पुरानी पार्टी के पक्ष में डाले गए सभी वोट 'डीएमके' के वोट थे। उन्होंने आगे कहा, 'कांग्रेस नेता सेल्वापेरुंथागई का कहना है कि भाजपा द्वारा प्राप्त वोट पीएमके वोट थे। इस तरह तो कांग्रेस पार्टी को मिले वोट वास्तव में डीएमके के वोट थे। क्या मुख्यमंत्री एमके स्टालिन इससे इनकार करेंगे?'दक्षिण चेन्नई लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने वाली तमिलिसाई ने कहा, 'आप (कांग्रेस) अपने दम पर लड़ सकते थे! अगर कांग्रेस पार्टी के सेल्वापेरुंथागई ने तमिलनाडु में अपने दम पर चुनाव लड़ा होता, तो पार्टी राज्य के किसी भी निर्वाचन क्षेत्र में जमानत बरकरार नहीं रख पाती।' उन्होंने कहा कि सेल्वापेरुंथागई को भाजपा की आलोचना करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है क्योंकि कांग्रेस डीएमके पर निर्भर है।

डीएमके और अन्य दलों के समर्थन के कारण ही कांग्रेस राज्य में जीती है। कांग्रेस के उलट भाजपा तमिलनाडु में मजबूत बनी हुई है और पार्टी के पास चुनावों में अकेले जाने का साहस है। उन्होंने आगे कहा कि जब सेल्वापेरुंथागई ने हाल ही में कामराजार के शासन (कांग्रेस शासन) की आकांक्षा की बात की, तो वरिष्ठ नेता ईवीकेएस एलंगोवन ने पलटवार किया कि डीएमके का शासन कामराज का शासन था और इसलिए कांग्रेस पार्टी तमिलनाडु में बिना किसी प्रगति के केवल इसी तरह चल सकती है।

भाजपा बनाम कांग्रेस

गौरतलब है, भाजपा ने पीएमके सहित छोटे दलों के समर्थन से लोकसभा चुनाव लड़ा और एक भी सीट हासिल नहीं की, हालांकि उसने 11.24 प्रतिशत वोट शेयर दर्ज किया। वहीं, डीएमके की सहयोगी कांग्रेस ने तमिलनाडु में नौ सीटें जीतीं और पड़ोसी राज्य पुडुचेरी की एकमात्र लोकसभा सीट पर विजयी हुई। सत्तारूढ़ डीएमके और मुख्य विपक्षी अन्नाद्रमुक तमिलनाडु के दो प्रमुख राजनीतिक दल हैं, जिन्होंने 1967 से राज्य पर शासन किया है।

लोकसभा चुनावों में बीजेपी अयोध्या में क्यों हार गई? सपा सांसद डिंपल यादव ने बताया

अयोध्या, 8 जून (एजेंसियां)। यूपी के अयोध्या में बीजेपी को लोकसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा है और समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी ने यहां से जीत हासिल की है। ऐसे में देशभर में ये चर्चा है कि जिस राम मंदिर के मुद्दे पर बीजेपी सत्ता में फिर से आने की रणनीति बना चुकी थी, तो अयोध्या में वह कैसे हार गई? सपा की नवनिर्वाचित सांसद और पूर्व सीएम अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव ने इस बारे में बयान दिया है। डिंपल ने बताया है कि अयोध्या के चुनाव में क्या हुआ।

डिंपल ने क्या कहा?

डिंपल यादव ने कहा, 'मैं हमारी समाजवादी पार्टी के सभी सांसदों को बधाई देना चाहती हूं और उत्तर प्रदेश की सभी जनता को भी धन्यवाद देना चाहती हूं कि उन्होंने आज सकारात्मक राजनीति का समर्थन करके बड़ी संख्या में लोगों को संसद में भेजने का काम किया है। मेरा मानना है कि लोकतंत्र में अगर लोग खुश नहीं हैं, तो वे अपनी इच्छा के अनुसार अपने प्रतिनिधि चुनते हैं। अयोध्या में भी ऐसा ही हुआ है कि लोग नाखुश थे और उन्होंने अपना सांसद चुन लिया।' गौरतलब है कि लोकसभा चुनावों में यूपी में बीजेपी को करारा झटका लगा है। यहां की 80 सीटों में सपा को 37, बीजेपी को 33, कांग्रेस को 6, आरएलडी को 2, आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) को एक और अपना दल (सोनेलाल) को एक सीट मिली है।

अयोध्या में समाजवादी पार्टी जीती

यूपी में सबसे ज्यादा चौंकाने वाले आंकड़े अयोध्या से सामने आए हैं। अयोध्या में समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार अवधेश प्रसाद 54,567 वोटों से जीते हैं। उन्हें कुल 5,54,289 वोट मिले। वहीं बीजेपी उम्मीदवार लल्लू सिंह को 4,99,722 वोट मिले। तीसरे नंबर पर बसपा के सच्चिदानंद पांडे रहे, उन्हें 46,407 वोट मिले।

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया शुरू

जम्मू, 8 जून (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया आधिकारिक रूप से शुरू कर दी है। चुनाव आयोग के सचिव जयदेव लाहिड़ी ने एक प्रेस नोट में कहा, आयोग ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की विधानसभा के आम चुनाव के लिए चुनाव चिह्न (आरक्षण और आवंटन) आदेश 1968 के पैरा 10बी के तहत कॉमन चिह्न के आवंटन के लिए आवेदनों को तत्काल प्रभाव से स्वीकार करने का फैसला किया है। इससे पहले मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा था कि जम्मू-कश्मीर के लोगों को जल्द ही लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार मिलेगी। यहां पिछला विधानसभा चुनाव 2014 में हुआ था,

जिसके बाद मुफ्ती मोहम्मद सईद के नेतृत्व में बीजेपी और पीडीपी की गठबंधन सरकार सत्ता में आई थी। मुख्यमंत्री सईद की 2016 में निधन के बाद गठबंधन का नेतृत्व उनकी बेटी महबूबा मुफ्ती ने किया। बीजेपी ने 18 जून 2019 को गठबंधन सरकार से समर्थन वापस ले लिया, जिसके बाद महबूबा मुफ्ती ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। जम्मू-कश्मीर में राज्यपाल शासन लगाया गया था, जिसके बाद राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया। केंद्र सरकार द्वारा 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 और 35ए निरस्त कर जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा दे दिया गया जिसकी अपनी विधानसभा होगी। लद्दाख को भी अलग कर बिना विधानसभा वाले केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा दिया गया। तब से जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश का प्रशासन उपराज्यपाल के हाथों में है।

महिला पर बाघ ने किया अटैक, शेरनी की तरह भिड़ गई बहन, ऐसे बचाई जान

नैनीताल, 8 जून (एजेंसियां)। उत्तराखंड के नैनीताल में एक महिला खेत में घास काट रही थी, तभी अचानक एक बाघ ने आकर उसपर हमला कर दिया। बहन पर बाघ का हमला देख दूसरी बहन ने लकड़ी से बाघ पर हमला किया। खुद पर हमला देखकर बाघ दूसरी तरफ हमला करने लगा। बाघ के हमले के बाद आस-पास काफी शोर-शराबा होने लगा। आस-पास काफी लोगों को देखकर बाघ कोसी नदी की तरफ भाग कर चला गया। बाघ के हमले के कारण हाइवे के आस-पास काफी जाम लग गया। लोगों को काफी दिक्कत उठानी पड़ी। भीड़ जमा होने के कारण दोनों महिलाओं की जान बच गई। बहन को बचाने के लिए बाघ से भिड़ी लीला देवी ने सारे घटना का हाल बता दिया। उन्होंने बताया कि उनकी बहन सरस्वती देवी हाईवे के किनारे घास काटने के लिए गई हुई थी। आमडंडा खत्ता व रिंगौड़ा खत्ता के पास उनका घर है। घर जंगल के आस-पास होने के कारण वहां पर बिजली की सुविधा ठीक से नहीं रहती। खाना बनाने के लिए लकड़ियों की जरूरत होने पर जंगलों में जाना पड़ता है,

महिलाओं की शादी की उम्र बढ़ाने के लिए लाया गया विधेयक हुआ समाप्त, तीन साल पहले किया गया था पेश

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। 17वीं लोकसभा का कार्यकाल खत्म होने के साथ ही पुरुषों और महिलाओं के लिए विवाह की उम्र में समानता लाने वाला विधेयक समाप्त हो गया। बाल विवाह निषेध (संशोधन) विधेयक 2021 को लोकसभा में 2021 में पेश किया गया था। इसके बाद इस विधेयक को शिक्षा, महिला, बच्चे, युवा और खेल संबंधी स्थायी समिति के पास भेजा गया था। इसे लेकर स्थायी समिति को समय समय पर कई विस्तार प्राप्त हुए। कानून और संविधान के प्रावधानों का हवाला देते हुए पूर्व लोकसभा महासचिव और संविधान विशेषज्ञ पीडीटी। आचार्य ने कहा कि 17वीं लोकसभा का कार्यकाल खत्म होने के साथ ही यह विधेयक समाप्त हो गया। बता दें कि इस विधेयक का मुख्य उद्देश्य महिलाओं की शादी की न्यूनतम आयु को बढ़ाकर 21 वर्ष करने के साथ बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 में संशोधन करना है। 2006 अधिनियम के तहत न्यूनतम आयु (20 साल से कम) से कम में शादी करने वाला व्यक्ति व्यस्क होने के दो साल बाद (23 साल की उम्र) विवाह रद्द करने के लिए आवेदन कर सकता है। बता दें कि आम चुनाव में 18वीं लोकसभा के सदस्यों के निर्वाचित होने के बाद ही 17वीं लोकसभा को भंग कर दिया गया। लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा नीत एनडीए ने बहुमत के साथ एक बार फिर सरकार बना रही है। मंगलवार को जारी नतीजों के अनुसार, एनडीए ने 292 और इंडी गठबंधन ने 234 सीटें हासिल की थी।

आम आदमी पार्टी की भ्रूण हत्या की कोशिश आप ने कुरुक्षेत्र में मिली हार को लेकर कांग्रेस पर लगाए आरोप

कुरुक्षेत्र, 8 जून (एजेंसियां)। कैथल आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा ने कुरुक्षेत्र लोकसभा में हार पर कांग्रेस नेताओं पर भितरघात के आरोप लगाए। शुक्रवार को पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए ढांडा ने कहा कि जिस विधानसभा में कांग्रेस के कद्दावर नेता और विधायक हैं, वहीं पर इंडिया गठबंधन का हार जाना इत्तफाक नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बीजेपी पिछली बार 10 सीटों पर जीती थी वो इस बार पांच सीटों पर हार गई। इस चुनाव में इनेलो के सभी उम्मीदवारों को पूरे हरियाणा में 1.74 प्रतिशत यानी 2 लाख 26 हजार 52 वोट मिले, जजपा को 0.87 प्रतिशत यानी एक लाख 13 हजार 122 वोट मिले और बीएसपी भी 1.28 प्रतिशत यानी एक लाख 65 हजार 866 वोट मिले हैं। इन तीनों वोट जोड़ लिए जाएं तो पांच लाख पांच हजार 40 वोट बनते हैं।

रात में टेंट से युवक निकला बाहर

बॉर्डर पर संदिग्ध समझ बीएसएफ ने मार दी गोली, जांच में जुटी पुलिस

जम्मू, 8 जून (एजेंसियां)। कश्मीर के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास गोली लगने से 26 साल के युवक की मौत हो गई। स्थानीय पुलिस के अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मृतक की युवक की पहचान जम्मू जिले के अखनूर इलाके के रहने वाले वासुदेव के रूप में हुई है। वासुदेव बॉर्डर में निर्माण कार्य में लगी एक कंपनी में रसोइये का काम करता था। साथ ही पुलिस ने कहा कि 28 साल के युवक को गोली मारे जाने की घटना शुक्रवार देर रात रीगल सीमा चौकी क्षेत्र के पास की है। पुलिस की प्रारंभिक जांच से पता चला है कि संदिग्ध गतिविधि को देखते हुए बीएसएफ के जवानों ने वासुदेव को घुसपैठिया समझकर गोली मार दी। मृतक युवक के साथ काम करने वाले साथियों ने पुलिस को बताया कि वह शुक्रवार देर रात शौच के लिए अपने टेंट से बाहर गया हुआ था। इसी दौरान उसको गोली मार दी गई और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद उसे जिला अस्पताल सांबा ले जाया गया, जहां डॉक्टरों की टीम ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि बीएसएफ और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया और इस मामले में आगे की जांच जारी है। वहीं, इस मामले पर अस्पताल के डॉक्टर जंडियाल ने कहा कि घायल युवक को शुक्रवार रात करीब 11 बजे अस्पताल लाया गया था। उसे बचाने के लिए हरसंभव प्रयास किए गए, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। डॉक्टर जंडियाल ने कहा कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पुलिस की टीम इस पूरे मामले की जांच कर रही है।

भ्रष्टाचार मामले में प्रफुल्ल पटेल को राहत पर संजय राउत बोले, 'ये ईडी ने नहीं बीजेपी ने दी है'

मुंबई, 8 जून (एजेंसियां)। अजित पवार गुट के एनसीपी सांसद प्रफुल्ल पटेल को बड़ी राहत देते हुए मुंबई की एक अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें उनकी 180 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति जब्त करने की मांग की गई थी। इस फैसले पर अब उद्धव गुट के सांसद संजय राउत की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। शिवसेना (यूटीबी) ने के प्रवक्ता और सांसद संजय राउत ने कहा, ईडी ने राहत नहीं दी है, बीजेपी ने राहत दी है। ईडी, सीबीआई, आयकर विभाग बीजेपी की एक्सटेंडेड ब्रांच है। ईडी ने 2022 में प्रफुल्ल पटेल, उनकी पत्नी और उनकी कंपनी के स्वामित्व वाले सीजे हाउस में सात फ्लैटों को कुर्क किया था। इस कुर्की की बाद में पीएमएलए के निर्णायक प्राधिकारी ने पुष्टि की थी। ईडी ने आरोप लगाया था कि ये संपत्तियां ड्रग माफिया इकबाल मिर्ची (अब जिंदा नही है) की विधवा से अवैध लेनदेन के जरिए हासिल की गई थीं। ट्रिब्यूनल ने यह भी माना कि जिन एफआईआर पर ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया था, उनमें पटेल या उनकी पत्नी का कभी भी मामले में आरोपी के रूप में नाम नहीं था। सूत्रों के मुताबिक एजेंसी ऑर्डर की समीक्षा कर रही है और जल्द ही आदेश के खिलाफ अपील उच्च न्यायालय में की जा सकती है। साल 2022 में ईडी ने वर्ली में सीजे हाउस की चार मंजिलों पर स्थित सात फ्लैट्स को प्रोविजनली अटैच किया था जो की कथित तौर पर पटेल से जुड़ी थी। ईडी ने यह कदम दाऊद इब्राहिम के करीबी सहयोगी इकबाल मिर्ची से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के तहत उठाया था। इस बात की चर्चा बहुत हुई क्योंकि पहली बार एजेंसी ने इकबाल मिर्ची और पूर्व डीएचएफएल प्रमोटरों कपिल और धीरज वधावन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के संदर्भ में किसी राजनेता से जुड़ी संपत्तियों को 'अपराध की आय' के रूप में माना था।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

रविवार, 9 जून, 2024 3

सुविचार

किसी को पानी लाने भेजो तो खुद पहले पीता है ये ज़िन्दगी है जनाब यहां हर कोई पहले अपने लिए जीता है

आरोग्य श्री के तहत जोड़े गए 65 और नए चिकित्सा उपचार

1,375 चिकित्सा उपचारों के लिए पैकेज की लागत बढ़ाई गई

वित्त मंत्री भट्टी ने अतिरिक्त व्यय के लिए 487 करोड़ रुपये जारी किए

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने आरोग्य श्री योजना के तहत वर्तमान में पेश किए जाने वाले चिकित्सा उपचारों के लिए पैकेज लागत बढ़ाने का निर्णय लिया है।

उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने शनिवार को उपचार पैकेजों की बढ़ी हुई लागत के लिए 497.29 करोड़ रुपये जारी करने के आदेश जारी किए। राजीव आरोग्य श्री योजना के तहत एंजियोग्राम, पार्किंसंस रोग, रीढ़ की हड्डी से संबंधित बीमारियों के लिए 65 और नए चिकित्सा उपचार लाने का भी निर्णय लिया गया। श्री भट्टी ने 7 जून को सचिवालय में एक बैठक की, जिसमें मुफ्त स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत नए चिकित्सा उपचारों को जोड़ने और मौजूदा उपचारों के वित्तीय पैकेजों में संशोधन पर विचार किया गया।

आरोग्य श्री योजना को 2007 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने गरीबों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा उपचार प्रदान करने के लिए शुरू किया था।

इस योजना के तहत 2.84 करोड़ लाभार्थी हैं और प्रत्येक लाभार्थी को 10 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता दी जा रही है। आरोग्य श्री योजना राज्य में 1402 अस्पतालों के माध्यम से कार्यान्वित की जाती है और वर्तमान में विभिन्न बीमारियों और स्वास्थ्य समस्याओं के लिए 1,672 चिकित्सा उपचार आरोग्य श्री योजना के तहत शामिल किए गए हैं। बैठक में उपमुख्यमंत्री ने चिकित्सा विशेषज्ञों की सिफारिश के अनुसार योजना के तहत पेश किए गए 1672 उपचारों में से 1375 उपचारों की लागत बढ़ाने का निर्णय लिया है। आरोग्य श्री के तहत एंजियोग्राम, पार्किंसंस रोग, रीढ़ की हड्डी से संबंधित उपचार जैसे 65 आधुनिक चिकित्सा उपचारों को जोड़ने का भी निर्णय लिया गया। इसके अलावा आयुष्मान भारत के तहत शामिल 98 चिकित्सा उपचारों को भी राजीव आरोग्य श्री के तहत जोड़ा गया है, जिससे सरकार को 189.83 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ेगा। 65 नए चिकित्सा उपचारों के कारण अतिरिक्त बोझ 158.2 करोड़ रुपये होगा। उपरोक्त निर्णयों के मद्देनजर- मौजूदा उपचारों के लिए पैकेज लागत में वृद्धि और नए उपचारों को जोड़ने के लिए, उपमुख्यमंत्री ने बैठक में 497.29 करोड़ रुपये मंजूर किए।

मंत्री जुपल्ली ने नागार्जुन सागर स्थित बुद्ध वनम का दौरा किया

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने शनिवार को नलगोंडा जिले के नागार्जुन सागर स्थित बुद्ध वनम का दौरा किया। इस अवसर पर, जुपल्ली कृष्ण राव ने संबंधित अधिकारियों को इस स्थान पर अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए।

मंत्री ने कहा कि उन्होंने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए इस स्थान का दौरा किया था और आश्वासन दिया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में बुद्ध वनम को एक अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा, जिसे एक पर्यटक और आध्यात्मिक केंद्र के रूप में बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बौद्ध विरासत और संस्कृति को दुनिया को दिखाने की जरूरत है और लोगों से बुद्ध वनम की यात्रा के लिए एक कार्यक्रम बनाने का आग्रह किया क्योंकि यह हर किसी के लिए एक जरूरी क्षेत्र है।

आदित्यनाथ दास को तत्काल पद से हटाया जाए : पूर्व मंत्री

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व कृषि मंत्री सिंगरेड्डी निरंजन रेड्डी ने तेलंगाना के सिंचाई विभाग के सलाहकार पद से आदित्यनाथ दास को हटाने की मांग की है। उन्होंने दावा किया कि आदित्यनाथ दास की नियुक्ति तेलंगाना के हितों पर कुठाराघात है और आरोप लगाया कि सीएम रेवंत रेड्डी ने टीडीपी प्रमुख नारा चंद्रबाबू नायुडू के आदेश पर नियुक्ति की है। निरंजन रेड्डी ने कहा कि यह नियुक्ति इस बात का प्रमाण है कि आंध्र प्रदेश के सीएम के रूप में शपथ ग्रहण समारोह से पहले ही चंद्रबाबू का तेलंगाना पर प्रभुत्व शुरू हो गया था। क्या रेवंत रेड्डी उन्हें मुख्यमंत्री बनाने के लिए तेलंगाना के ऋणी होंगे? क्या वह सीएम पद छिन जाने के डर से चंद्रबाबू के निर्देशों का पालन करेंगे? पलामुरु रंगारेड्डी सिंचाई परियोजना और जलयाग्रम परियोजनाओं के काम को रोकने के मामले में आदित्य दास ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सरकार को लोगों को यह बताना चाहिए कि आंध्र प्रदेश सिंचाई

विभाग के प्रमुख सचिव, विशेष मुख्य सचिव और मुख्य सचिव के रूप में काम करने वाले व्यक्ति को तेलंगाना सिंचाई विभाग का सलाहकार पद क्यों दिया गया। किस उद्देश्य से एक ऐसे व्यक्ति को इस पद पर बैठाया गया है, जिस पर तेलंगाना परियोजनाओं का विरोधी होने का लेबल लगा हुआ है। उन्होंने ने स्पष्ट किया कि आदित्यनाथ दास को सरकारी अधिकारी के रूप में नियुक्त करने का उन्हें कोई विरोध नहीं है, लेकिन उन्होंने कृष्णा परियोजनाओं से पानी को आंध्र की ओर मोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। क्या वह व्यक्ति जिसने तेलंगाना के गठन के बाद से पिछले 10 वर्षों से आंध्र प्रदेश की ओर से लड़ाई लड़ी, वह तेलंगाना के साथ न्याय करेगा? एक ऐसे व्यक्ति को नियुक्त करने के पीछे कांग्रेस पार्टी का क्या विचार है, जिसने तेलंगाना मुद्दे को रौंद दिया और राज्य को केआरएमबी में परियोजनाओं पर अपना अधिकार खो दिया? आदित्य दास ने पोटिरेड्डीपाडु, डुम्मुगुडेम और रायलसीमा लिफ्ट सिंचाई योजनाओं के माध्यम से तेलंगाना के पानी को मोड़ने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। क्या ऐसा व्यक्ति तेलंगाना के हितों के लिए काम करेगा? तेलंगाना परियोजनाओं और जल संसाधनों पर व्यापक अनुभव और ज्ञान वाले बहुत से सिंचाई विशेषज्ञ हैं, ऐसे व्यक्ति को चुनने के पीछे क्या कारण हैं जिन्होंने उन्हें दरकिनार करके तेलंगाना के खिलाफ काम किया, उन्होंने पूछा। पूर्व मंत्री ने अपनी पीड़ा व्यक्त की कि कांग्रेस के शासन में पलामुरु एक बार फिर रेगिस्तान बन गया है।

तेलंगाना में मानसून ने पकड़ा जोर

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण-पश्चिम मानसून ने तेलंगाना में गति पकड़ ली है, जहां 20 जिलों के 320 मंडलों में भारी बारिश दर्ज की गई है, जबकि इस सीजन में 1 जून से अब तक पांच जिलों के 73 मंडलों में अधिक बारिश दर्ज की गई है।

तेलंगाना विकास योजना सोसाइटी ने शनिवार को अपनी रिपोर्ट में कहा कि 1 से 8 जून तक राज्य में कुल बारिश 47.7 मिमी हुई है, जबकि सामान्य बारिश 22 मिमी होती है। इसमें 11% प्रतिशत का विचलन है।

शनिवार को शाम 4 बजे तक विकाराबाद के काशिमपुर में सबसे अधिक 85.3 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि भद्राद्री कोत्तागुडेम के सीतारामपट्टनम में 46 मिमी बारिश दर्ज की गई। शादनगर के नेहरू कॉलोनी में आंगनवाड़ी केंद्र बारिश के पानी से लबालब भर गया। शुक्रवार को हुई बारिश के बाद केंद्र में पानी भर गया और दवाइयां और अन्य सामान पानी में भीग गए।

रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय निवासियों द्वारा आशा कार्यकर्ताओं को सूचित करने के बाद वे तुरंत केंद्र पर पहुंचे और बाल्टी से पानी बाहर निकाला। मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी करते हुए कहा कि रविवार को विकाराबाद, महबूबनगर, वानापर्थी और नारायणपेट जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। निर्मल, निजामाबाद, नलगोंडा, सूर्यापेट, यादाद्री भोंगीर, रंगारेड्डी, हैदराबाद, मेडचल, मल्काजगिरी, विकाराबाद, संगारेड्डी, मेदक, कामारेड्डी, महबूबनगर, नागरकुरनूल, वानापर्थी, नारायणपेट और जोगुलम्बा गडवाल जिलों में अलग-अलग स्थानों पर बारिश, बिजली और 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है।

भ्रष्ट आचरण के लिए पोन्नम को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करें : विधायक

हुजूराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के विधायक पी. कौशिक रेड्डी ने भ्रष्ट आचरण के लिए राज्य मंत्री पोन्नम प्रभाकर को तत्काल राज्य मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग की है। आज यहां एक बयान में विधायक कौशिक रेड्डी ने आरोप लगाया कि मंत्री पोन्नम प्रभाकर ओवरलोड राख ट्रकों को बिना वे बिल के अनुमति देने के लिए ट्रक मालिकों से प्रतिदिन 50 लाख रुपये वसूल रहे हैं। उन्होंने कहा कि मंत्री ने अब तक 100 करोड़ रुपये वसूले हैं। उन्होंने कहा कि करीब 300 ओवरलोड राख ट्रक रामागुंडम एनटीपीसी से हुजुराबाद होते हुए खम्मम जा रहे हैं, जिसके लिए मंत्री प्रतिदिन 50 लाख रुपये वसूल रहे हैं और अब तक 100 करोड़ रुपये जमा कर चुके हैं। इसलिए भ्रष्ट मंत्री को उनके भ्रष्ट आचरण के लिए मंत्रिमंडल से बर्खास्त किया जाना चाहिए। हालांकि मंत्री की ओर इस मामले में कोई सफाई नहीं आईं हैं।

टीजीएसआरटीसी ने ग्रुप-1 के अभ्यर्थियों के लिए विशेष व्यवस्था की

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। टीजीएसआरटीसी ग्रुप-1 प्रारंभिक परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए विशेष उपाय कर रहा है। यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष बसें चलाई जा रही हैं कि ग्रुप-1 परीक्षा के अभ्यर्थियों को रविवार को परिवहन के मामले में असुविधा न हो। निगम प्रबंधन ने पहले ही क्षेत्रीय स्तर पर आरटीसी अधिकारियों को राज्य के 897 परीक्षा केंद्रों तक बसें चलाने का निर्देश दिया है। शनिवार शाम से ही राज्य की राजधानी से जिलों की ओर अभ्यर्थियों की भीड़ बढ़ रही है। उनके परिवहन के लिए एमजीबीएस, जेबीएस, उप्पल, एलबी नगर और आरामगढ़ बिंदुओं पर व्यवस्था की गई है। संबंधित यातायात उत्पन्न करने वाले बिंदुओं पर विशेष अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। वे भीड़ को नियंत्रित करने के लिए विशेष बसें उपलब्ध कराएंगे। निगम ने राज्य के प्रमुख बस स्टेशनों पर 'क्या मैं आपकी मदद कर सकता हूं' काउंटर स्थापित किए हैं। अधिकारी उम्मीदवारों को वहां परीक्षा केंद्रों की जानकारी देंगे और उन्हें बताएंगे कि उन्हें कौन सी बस लेनी है। राज्य भर से 4.03 लाख छात्र ग्रुप-I प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपस्थित हो रहे हैं। अकेले ग्रेटर हैदराबाद में लगभग 1.70 लाख लोग परीक्षा दे रहे हैं। भीड़भाड़ को देखते हुए परिवहन के मामले में उन्हें किसी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए सिटी बसें उपलब्ध कराई गई हैं।

मीरपेट में मैकेनिक की हत्या

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार रात शहर के मीरपेट में एक मैकेनिक की अज्ञात लोगों ने चाकू घोंपकर निर्मम हत्या कर दी। पीड़ित मोहम्मद सलमान (25) मीरपेट पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत नंदवनम कॉलोनी का निवासी था और मैकेनिक का काम करता था तथा अपनी मां, भाई और बहन के साथ रहता था।

शुक्रवार देर रात मीरपेट निवासी डी. सुरेन्द्र उर्फ सूरी ने डी. सुरेन्द्र नामक महिला के माध्यम से सलमान को मीरपेट में टीकेआर कमान में कुछ वित्तीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए बुलाया। मीरपेट एसएचओ एम. काशीविश्वनाथ ने कहा, "जब सलमान अपने दोस्त किरण के साथ मौके पर पहुंचा, तो सूरी और अन्य लोगों ने उस पर धारदार हथियारों से अंधाधुंध वार किए। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।" उन्होंने कहा कि जब सूरी और अन्य लोगों ने सलमान पर हमला किया, तो किरण मौके से भाग गए।

पुलिस के अनुसार, सूरी ने पहले सलमान की बहन सबा फातिमा से शादी की थी तथा कुछ मुद्दों के कारण उसने कथित तौर पर उसे इमारत की पहली मंजिल से धक्का दे दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। सूरी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इंस्पेक्टर ने कहा, "सूरी को संदेह था कि सलमान अपनी बहन की मौत का बदला लेने के लिए उसकी हत्या की योजना बना रहा था और उसने हत्या की योजना बनाकर उसे अंजाम दिया होगा।" संदिग्ध फरार हैं और उन्हें पकड़ने के लिए विशेष टीमें बनाई गई हैं।

मनोनीत पदों, टीपीसीसी अध्यक्ष और मंत्रिमंडल विस्तार की दौड़ तेज

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शनिवार को नई दिल्ली में एआईसीसी नेताओं से मुलाकात की और मनोनीत पदों को भरने, नए टीपीसीसी अध्यक्ष की नियुक्ति और संभावित मंत्रिमंडल विस्तार सहित कुछ मुद्दों पर चर्चा की, जिसके बाद राज्य के कई नेता चिंता में हैं। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि पार्टी की सफलता के लिए प्रयास करने वाले नेताओं को मनोनीत पदों की नियुक्ति में प्राथमिकता दी जाएगी, जिसके बाद कई नेता गांधी भवन की ओर कूच कर रहे हैं।

पहले से ही, कुछ नेताओं ने पदों को सुरक्षित करने के लिए विभिन्न चैनलों के माध्यम से अपनी पैरवी तेज कर दी है। विधानसभा चुनाव के बाद, कांग्रेस सरकार ने कुछ नियुक्तियां की थीं, खासकर विभिन्न निगमों में अध्यक्ष पद पर। हालांकि, इस संबंध में आधिकारिक तौर पर आदेश जारी नहीं किए गए हैं, लेकिन चर्चा है कि जल्द ही आदेश जारी किए जाएंगे। इसके अलावा, विभिन्न निगमों या अन्य मनोनीत पदों के लिए कम से कम एक दर्जन और लोगों की नियुक्ति होने की संभावना है।

इसके लिए, राज्य नेतृत्व जाति, हाल के चुनावों में योगदान और अन्य सहित विभिन्न कारकों को ध्यान में रखते हुए योग्य उम्मीदवारों की सूची तैयार कर रहा है। मनोनीत पदों के साथ ही, नए टीपीसीसी अध्यक्ष पद के लिए भी प्रतिस्पर्धा है।

एमएलसी महेश कुमार गौड़, टीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष टी जग्गा रेड्डी, एआईसीसी प्रवक्ता मधु यास्की गौड़, एआईसीसी प्रवक्ता ए संपत कुमार और अन्य इस पद के संभावित उम्मीदवारों में शामिल हैं। तेलंगाना में कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, "जब तक नए टीपीसीसी अध्यक्ष का चयन नहीं हो जाता, तब तक राज्य मंत्रिमंडल का विस्तार नहीं हो सकता है। हालांकि, कुछ दिनों में इन सभी मुद्दों पर स्पष्टता आ जाएगी।" इसके अलावा, एआईसीसी नेतृत्व ने मुख्यमंत्री के साथ तेलंगाना में लोकसभा चुनाव परिणामों पर भी चर्चा की। रिपोर्टों के अनुसार, पार्टी नेतृत्व को कांग्रेस शासित तेलंगाना और कर्नाटक राज्यों से अधिक सीटों की उम्मीद थी, लेकिन परिणाम से वह थोड़ा निराश था।

दि अग्रसेन को-ओपरेटीव्ह अर्बन बैंक लिमिटेड की स्थानांतरित सिद्दीअंबर बाजार शाखा का उद्घाटन अतिथियों के द्वारा किया गया। इस अवसर पर बैंक के संचालक मंडल और प्रशासकीय अधिकारी उपस्थित थे।

सिद्दीपेट में पत्तों की प्लेट बनाने का अभियान

सिद्दीपेट, 8 जून(स्वतंत्र वार्ता)। पर्यावरण की रक्षा और ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के दोहरे लक्ष्य को पूरा करने के लिए, जिला पंचायत अधिकारी (डीपीओ) देवकी देवी जिले भर में मनरेगा महिलाओं के लिए मोदुगा पत्तों से इस्तार्लू (पत्तों की प्लेट) बनाने की आवश्यकता पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रही हैं।

मोदुगा (बुएटा मोनोस्पर्मा) का पेड़ जिले के ग्रामीण इलाकों में बहुतायत में देखा जाता है। सिद्दीपेट के ग्रामीण इलाकों में भी समारोहों के दौरान प्लास्टिक की प्लेट, गिलास और प्लास्टिक से बनी अन्य चीजों के अत्यधिक उपयोग से चिंतित देवकी देवी ने मोदुगा पत्तों से प्लेट बनाने की आवश्यकता पर ग्रामीण महिलाओं तक पहुंचकर एक आंदोलन शुरू करने का फैसला किया। अप्रैल, मई और जून के दौरान, जब मनरेगा कार्यकर्ता कार्य स्थलों पर व्यस्त थे, देवकी देवी और जिले भर के पंचायत सचिवों ने इनमें से 70,000 से अधिक श्रमिकों से संपर्क किया, जहां उन्होंने पत्तों की प्लेट बनाने का प्रदर्शन किया।

आदिवासी बस्तियों के लिए सीआरपीएफ ने बनाया रोपवे

चेरला, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सीआरपीएफ की 151 बटालियन ने आदिवासी बस्तियों तक संपर्क सुनिश्चित करने और सैनिकों की आवाजाही के लिए तेलंगाना-छत्तीसगढ़ सीमा पर चिंतावागु नदी के पार रोपवे बनाया है।

पामेड़ के पास चिंतावागु नदी चेरला मंडल से 18 किलोमीटर दूर है और जून से जनवरी के दौरान यह नदी उफान पर रहती है, जिससे 35 बस्तियों के लगभग 10,000 आदिवासी जंगलों में फंस जाते हैं। आदिवासी देशी नावों से नदी पार करते थे, लेकिन कई बार यह जानलेवा साबित होता था। यह इलाका छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के उसूर ब्लॉक में नक्सल प्रभावित पामेड़ पुलिस स्टेशन की सीमा में आता है। चूंकि पामेड़ बीजापुर से 110 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, इसलिए आदिवासी अपनी दैनिक जरूरतों के लिए चेरला आते हैं और इलाज के लिए चेरला के अस्पतालों पर निर्भर रहते हैं।

माओवादी खतरे से निपटने के लिए हाल के दिनों में धारा के दोनों ओर चिंतावागु बेस कैंप और धर्माराम बेस कैंप स्थापित किए गए हैं और सैनिकों को मानसून के दौरान धारा पार करने में भी परेशानी का सामना करना पड़ता है और वे बाहरी दुनिया से कटे रहते हैं। इस समस्या के समाधान के लिए सीआरपीएफ (छत्तीसगढ़) के पुलिस महानिरीक्षक साकेत कुमार सिंह ने रोपवे परियोजना की शुरुआत की, जबकि सीआरपीएफ के पुलिस उप महानिरीक्षक सुनीत कुमार राय और सीआरपीएफ 151 बटालियन के कमांडेंट प्रद्युम्न कुमार ने कार्यों की निगरानी की। 200 मीटर के रोपवे का निर्माण सीआरपीएफ 151 बटालियन और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) इकाई के 25 इंजीनियरों की टीम ने किया है। आईटीबीपी के सहायक कमांडेंट प्रेम कुमार की कमान में 2 मई को शुरू हुआ काम 4 जून को युद्धस्तर पर पूरा हुआ। रोपवे वाहक एक बार में चार लोगों को ले जा सकता सीआरपीएफ 151 बटालियन के द्वितीय कमान अधिकारी अयोध्या सिंह, जिन्होंने हाल ही में रोपवे का उद्घाटन किया था, ने कहा कि ग्रामीण बरसात के मौसम में भी अपने दैनिक कार्यों के लिए नदी पार कर सकते हैं और वापस आ सकते हैं।

उत्पीड़न के मामले में दो प्रोफेसरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सीबीआईटी कर्मचारियों के एक वर्ग ने शनिवार को कॉलेज प्रबंधन से एक महिला प्रोफेसर के यौन उत्पीड़न के आरोपों पर दो प्रोफेसरों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

कॉलेज के शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने पीड़िता के लिए न्याय और दो प्रोफेसरों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए नारे लगाए। उन्होंने आरोप लगाया कि जब पीड़ित महिला प्रोफेसर ने इस मुद्दे को प्रिंसिपल के संज्ञान में लाया तो उन्होंने इसे सामान्य मुद्दा बताया।

कर्मचारियों ने यह भी आरोप लगाया कि प्रिंसिपल ने गैर-शिक्षण कर्मचारियों के अध्यक्ष संजीव को कुचल दिया, जो पीड़िता के लिए न्याय की मांग करते हुए प्रिंसिपल के कक्ष में लेटकर विरोध कर रहे थे। इस मुद्दे पर टिप्पणी के लिए कॉलेज के प्रिंसिपल से संपर्क करने के प्रयास निरर्थक साबित हुए।

तूप्रान में व्यक्ति तालाब में डूबा

मेदक, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तूप्रान कस्बे के कोठा चेरुवु में एक व्यक्ति डूब गया। मृतक नरसिम्हुलु (48) था, जो संगारेड्डी का रहने वाला था। वह अपने रिश्तेदारों टेकु पोचैया और जदीगाडी देवेंदर के साथ शुक्रवार शाम को मछली पकड़ने के लिए तालाब में गया था। जब उसकी मछली पकड़ने वाली छड़ी खो गई, तो नरसिम्हुलु उसे निकालने के लिए गहरे जलाशय में गया, लेकिन डूब गया। घंटों की मशक्कत के बाद शनिवार दोपहर को शव बरामद कर मामला दर्ज कर लिया गया है।

चुनाव के बाद सीबीआई शिकंजा

लालू प्रसाद, राबड़ी देवी, तेजप्रताप और हेमा यादव सहित 77 पर आरोपपत्र

पटना, 8 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद और उनके परिवार के सदस्यों की कथित संलिप्तता वाले नौकरी के बदले जमीन घोटाले के सिलसिले में अपना अंतिम आरोपपत्र शुक्रवार को दाखिल कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सीबीआई द्वारा विशेष अदालत को सौंपी गई अंतिम रिपोर्ट में उन सभी रेलवे जोन को शामिल किया गया है, जहां लालू प्रसाद के परिवार के सदस्यों द्वारा कथित तौर पर जमीन लिए जाने के एवज में नौकरी दी गई थी। उन्होंने कहा कि जांच पूरी होने पर सीबीआई ने विशेष न्यायाधीश (सांसद/विधायक मामले) के समक्ष 78 आरोपियों के खिलाफ अपना तीसरा और अंतिम आरोप पत्र दाखिल किया। आरोपियों में लालू प्रसाद, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजप्रताप यादव (जिनके खिलाफ पहली बार आरोप पत्र दाखिल किया गया है), बेटी हेमा यादव, पूर्व ओएसडी भोला यादव और राजद प्रमुख के एक पूर्व कर्मचारी सदस्य शामिल हैं। सीबीआई ने आरोपियों के खिलाफ आपराधिक षडयंत्र के साथ-साथ धोखाधड़ी और जालसाजी से संबंधित भारतीय दंड संहिता की धाराएं तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधान भी लगाए हैं। उन्होंने बताया कि आरोपियों में 29 रेलवे अधिकारी, 37 अभ्यर्थी और छह अन्य निजी व्यक्ति शामिल हैं। सीबीआई के प्रवक्ता ने कहा कि जांच के दौरान, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पाया कि लालू प्रसाद ने रेलवे के अधिकारियों, अपने परिवार के सदस्यों और अन्य लोगों के साथ मिलकर एक आपराधिक साजिश को आगे बढ़ाते हुए, मौजूदा दिशानिर्देशों का पूर्ण उल्लंघन करते हुए भारतीय रेलवे के 11 जोनों में 'ग्रुप डी' के पदों पर नियुक्ति की। उन्होंने कहा कि यह कार्य उम्मीदवार द्वारा स्वयं या उसके परिवार के सदस्यों द्वारा भूमि हस्तांतरण के बदले में किया गया। उन्होंने बताया कि इन पदों के लिए पात्र बनने के लिए उम्मीदवारों ने फर्जी शैक्षणिक प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत किए।

प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, रेलवे के विभिन्न जोनों में नियुक्त किये गए अभ्यर्थी मुख्यतः उन जिलों से थे जो लंबे समय से तत्कालीन केन्द्रीय रेल मंत्री और उनके परिवार के सदस्यों के निर्वाचन क्षेत्र थे। पिछले साल 3 जुलाई को सीबीआई ने इस मामले में बिहार के तत्कालीन उपमुख्यमंत्री और लालू प्रसाद के बेटे तेजस्वी यादव के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। विशेष अदालत छह जुलाई को इस रिपोर्ट पर विचार करेगी। इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा, "जांच के दौरान, यह पाया गया कि आरोपियों ने रेलवे अधिकारियों के साथ साजिश रची और अपने या अपने करीबी रिश्तेदारों के नाम जमीन लेने के एवज में व्यक्तियों की भर्ती की। यह भूमि तत्कालीन सर्किल दर से कम कीमत पर और बाजार दर से भी बहुत कम कीमत पर हासिल की गई थी।"

भांजी पर मामा की गंदी नजर, विरोध करने पर भाई-भतीजे को मारी गोली; एक की मौत

भागलपुर, 8 जून (एजेंसियां)। बिहार के भागलपुर में चचेरे मामा ने नाना के घर आई भांजी पर बुरी नजर डाल दी। नहाते समय उस पर मिट्टी फेंक दी। घर वालों ने विरोध किया तो आरोपी ने अपने परिजनों से झगड़ा कर लिया। बात इतनी आगे बढ़ गई कि आरोपी ने घर में घुसकर अपने चचेरे भाई और भतीजे को गोली मार दी। गोली की घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। परिजन घायल बाप-बेटे को इलाज के लिए जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गए। बेटे के प्राइवेट पार्ट में गोली लगी थी। डॉक्टरों ने उसको मृत घोषित कर दिया। पिता की स्थिति को गंभीर देखते हुए उन्हें पटना पीएमसीएच रेफर किया गया है। उनके पेट में गोली लगी है। घटना सुलतानगंज थाना क्षेत्र के गंगनिया फतेहपुर की है। मौके पर दो थानों की पुलिस पहुंची। आरोपी वारदात के बाद फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश

शुरू कर दी है। मृतक किशोर के शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

कौन शपथ ले रहा, मुझे कोई मतलब नहीं

जीतन राम मांझी ने क्यों कही ये बात

पटना, 8 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव समाप्त होने के बाद अब सरकार बनाने की कवायद तेज हो गई है। एक तरफ जहां नरेंद्र मोदी को एनडीए दल का नेता चुना गया है तो वहीं अब उनके मंत्रालय में शामिल होने वाले नामों को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। इस बीच एचएएम (सेक्युलर) के प्रमुख जीतन राम मांझी ने भी मंत्रिमंडल में शामिल होने वाले चेहरों को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। दरअसल, जीतन राम मांझी से जब मोदी मंत्रिमंडल के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने साफ तौर पर ये कह दिया है कि कौन शपथ ले रहा है, मुझे इससे कोई मतलब नहीं है।

62 साल बाद दोहराई जा रही प्रक्रिया

बता दें कि कल यानी रविवार को नरेंद्र मोदी अपने तीसरे कार्यकाल के लिए प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। इसको लेकर सारी तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। पीएम मोदी के शपथ लेने के साथ-साथ उनके मंत्रिमंडल को लेकर भी तमाम कयास लगाए जा रहे हैं। इस बीच एचएएम (सेक्युलर) के सांसद जीतन राम मांझी ने कहा कि आज प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद का शपथ है। कितने मंत्री और किनको शपथ लेना है उससे मुझे कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि जवाहर लाल नेहरू ने भी 3 बार पीएम पद की शपथ ली थी, उसके 62 साल बाद ये प्रक्रिया दोहराई जा रही है।

नीतीश कुमार एक महान नेता

वहीं छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बयान पर जीतन राम मांझी ने कहा कि ये उनकी अटकलें हैं। उन्हें तारे दिख रहे हैं और वे दिन में सपने देख रहे हैं। जैसे ही कोई सत्ता में आता है, हर विपक्ष कहता है कि सरकार गिर जाएगी। वे भी यही कर रहे हैं। लेकिन इस बार पीएम मोदी के नेतृत्व में सरकार और भी मजबूत होगी क्योंकि इस बार उनके संकल्प और भी मजबूत हैं। इसके अवाला बिहार के सीएम नीतीश कुमार के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार एक महान नेता हैं और वह बिहार के नायक के रूप में सामने आए हैं। वह हर तरह से सक्षम हैं। मैं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं।

मौत के 4 साल बाद पकड़ाया अपराधी

पुलिस ने डेथ सर्टिफिकेट भी बरामद किया, एसपी ने सुनाई हैरान करने वाली कहानी

जहानाबाद, 8 जून (एजेंसियां)। बिहार के जहानाबाद में पुलिस ने एक ऐसे अपराधी को गिरफ्तार किया है, जो सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार चार साल पहले ही मर चुका है। आरोपी के परिवार के पास उसका मृत्यू प्रमाण पत्र भी है। यह चार साल पुराना है, लेकिन पुलिस ने आरोपी पप्पू शर्मा को गिरफ्तार करने में अब सफल रही है। 2011 से लेकर 2023 तक पप्पू शर्मा कई आपराधों में शामिल रहा है। पुलिस को उम्मीद है कि उसकी गिरफ्तारी की खबर सामने आने के बाद उसके कई अन्य अपराधों का भी पता चलेगा। बिहार पुलिस ने पारस बिगहा थाना के सेंधवा गांव के अमिताभ रंजन उर्फ पप्पू शर्मा को गिरफ्तार किया है। पप्पू का 2011 से 2023 तक का विस्तृत आपराधिक इतिहास है। इसने खुद को मृत घोषित कर रखा था। वह कई मामलों में वांछित चल रहा है। सूचना के आधार पर अमिताभ रंजन को उसके घर से गिरफ्तार किया गया है। इसके कुछ साथियों और परिवार के कुछ लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के घर से पिस्तौल, कारतूस और राइफल भी बरामद हुआ है।

यात्रियों को राहत जुलाई से शुरू होंगी स्पाइस जेट की उड़ान

गोरखपुर, 8 जून (एजेंसियां)। गोरखपुर में फरवरी से बंद चल रही स्पाइस जेट की उड़ान जुलाई से दोबारा शुरू होगी। पहले फेज में दिल्ली और बेंगलुरु की फ्लाइट उड़ान भरेगी। दरअसल, अयोध्या से देश के अलग-अलग राज्यों के लिए हवाई सेवा शुरू होने के बाद स्पाइसजेट ने 1 फरवरी से दिल्ली व मुंबई की उड़ान भरने वाले अपने दोनों विमानों को वहां शिफ्ट कर दिया था। अब जब दोबारा से सेवाएं शुरू की जा रही हैं, तो आगामी दिनों में एयर ट्रैफिक और बढ़ने की उम्मीद है। एयरपोर्ट निदेशक आरके परासर ने बताया कि कंपनी ने दोबारा से उड़ान सेवाओं को शुरू करने की इच्छा जताई है। जून में किसी भी दिन कंपनी के प्रतिनिधि यहां आ सकते हैं। फिलहाल दिल्ली और बेंगलुरु की उड़ान शुरू होगी। कंपनी के प्रतिनिधि का कहना है कि कंपनी में नए जहाज आ गए हैं, जिससे नई सेवाओं को शुरू करने की दिक्कत अब खत्म हो गई है। स्पाइस जेट के आ जाने से दिल्ली के लिए किराए में प्रतिस्पर्धा होगी। संभावना जताई जा रही है नई कंपनी अकासा यात्रियों को आकर्षित करने के लिए कुछ महीनों तक अन्य कंपनियों की तुलना में किराया कुछ कम रखे।

21 जून को होगा जिला परिषद अध्यक्ष का चुनाव

सदस्यों को मनाने में जुटीं दोनों प्रत्याशी, इस बार भी स्तुति और अंजू में ही होगा मुकाबला

पटना, 8 जून (एजेंसियां)। पटना जिला परिषद अध्यक्ष के चुनाव की तिथि घोषित होते ही माहौल गरमाने लगा है। चुनाव 21 जून को होगा। इस बार भी कुमारी स्तुति और अंजु देवी आमने-सामने होंगी। दोनों उम्मीदवार ईबीसी वर्ग से हैं। जीत में ओबीसी सदस्यों का रोल अहम होगा। कारण, 44 सदस्यों वाली जिला परिषद में ओबीसी सदस्यों की संख्या एक तिहाई से अधिक है।

अविश्वास प्रस्ताव में कुमारी स्तुति हार गई थीं

वहीं, एससी और सामान्य वर्ग के सदस्यों का भी हार-जीत में रोल होगा। दोनों उम्मीदवार जातीय समीकरण को साधने में जुटी हैं। 2021 के चुनाव में कुमारी स्तुति को 32 और अंजु देवी को 13 वोट मिले थे। अविश्वास प्रस्ताव में कुमारी स्तुति हार गई थीं। राज्य निर्वाचन आयोग ने डीएम को पत्र भेजकर सभी निर्वाचित सदस्यों को 13 जून तक चुनाव की सूचना देने को कहा है। चुनाव के तत्काल बाद नवनिर्वाचित अध्यक्ष को शपथ दिलाई जाएगी। इसकी वीडियोग्राफी होगी।

अविश्वास प्रस्ताव पास होने से चुनाव की नौबत

अध्यक्ष कुमारी स्तुति के खिलाफ 10 फरवरी को अविश्वास प्रस्ताव पारित हुआ था। उस दिन विशेष बैठक में 22 सदस्य पहुंचे। कुमारी स्तुति के वाकआउट करने के बाद 21 सदस्यों ने मतदान में हिस्सा लिया था। 19 सदस्यों के बहुमत से अविश्वास प्रस्ताव पारित किया गया था। इसके खिलाफ कुमारी स्तुति ने हाईकोर्ट में अपील की थी। 16 मई को तीन जजों वाली पूर्णपीठ ने अविश्वास प्रस्ताव को सही माना। इसके बाद स्तुति ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की। वहां 29 जुलाई को सुनवाई होनी है। फिलहाल, उपाध्यक्ष आशा देवी अध्यक्ष का कार्यभार संभाल रही हैं। अभी जिला परिषद में 44 सदस्य हैं। श्वेता विश्वास के महिला आयोग का सदस्य बनने के बाद से एक पद खाली है।

सुनीता किडनी कांड में आरोपित डॉक्टर दोषी करार, 13 को सुनाई जाएगी सजा

मुजफ्फरपुर, 8 जून (एजेंसियां)। गर्भाशय के आपरेशन के दौरान सकरा थाना के बाजी राउत गांव की सुनीता देवी की दोनों किडनियां निकालने के मामले में न्यायिक हिरासत में जेल में बंद डा।पवन कुमार को दोषी करार दिया गया है। मामले के सत्र विचारण के बाद अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश-नवम अजय कुमार मल्ल के विशेष कोर्ट (एससी/एसटी एक्ट) ने उसे दोषी ठहराया है। विशेष लोक अभियोजक (एससी/एसटी एक्ट) जयमंगल प्रसाद ने बताया कि 13 जून को विशेष कोर्ट में सजा के बिंदु पर सुनवाई होगी। इसके बाद उसे सजा सुनाई जाएगी। इस मामले के मुख्य आरोपित डा। आरके सिंह अब तक फरार है। उसके विरुद्ध कुर्की की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। विशेष कोर्ट ने उसके मामले को अलग कर दिया है। बरियारपुर स्थित शुभकांत क्लीनिक में ही तीन सितंबर 2022 सुनीता के गर्भाशय का आपरेशन किया गया था। यह क्लीनिक झोलाछाप डाक्टर पवन कुमार का बताया गया था। पांच सितंबर को सुनीता की तबीयत खराब होने पर उसे श्रीकृष्ण चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल लाया गया। सात सितंबर 2022 को जांच के बाद पता चला कि उसकी दोनों किडनियां निकाल ली गई हैं। इससे पहले पेट में दर्द की शिकायत पर 11 जुलाई 2022 को डा। पवन के क्लीनिक में उपचार शुरू हुआ। गर्भाशय निकालने के लिए आपरेशन कराने की सलाह दी गई।

बदायूं में सीएम योगी पर युवक की अभद्र टिप्पणी

भाई भी कर चुका है शाह-मोदी पर कमेंट

बदायूं, 8 जून (एजेंसियां)। सीएम योगी आदित्यनाथ को लेकर बदायूं के एक युवक ने फेसबुक पर अपत्तिजनक पोस्ट कर दी। जब पोस्ट वायरल हुई तो लोगों का इस ओर ध्यान गया। इस मामले में गौ रक्षा प्रकोष्ठ के जिला संगठन मंत्री ने तहरीर दी। उनकी तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। विश्व हिंदू महासंघ गौ रक्षा प्रकोष्ठ के जिला संगठन मंत्री बॉबी गुप्ता उर्फ विपिन बदायूं के उसहैत थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 3 में रहते हैं। बॉबी ने थाना पुलिस को एक शिकायती पत्र दिया है। शिकायती पत्र के मुताबिक थाना उसहैत इलाके के भुंडी गांव के निवासी खुशनूर पुत्र इदरीस ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर अपत्तिजनक फेसबुक पोस्ट की है। बॉबी का आरोप है कि अभद्र भाषा में

लिखी गई पोस्ट से क्षेत्र के तमाम लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। फिलाल पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए मामले की छानबीन और आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

आरोपी का भाई भी ऐसे मामले में जा चुका है जेल

बताते हैं कि आरोपी खुशनूर के भाई निशरत ने भी पूर्व में योगी, मोदी और अमित शाह पर विवादित पोस्ट की थी। इस मामले में पुलिस ने आरोपी पर मुकदमा दर्ज करके सलाखों के पीछे भेजा था। इसके वाबजूद आरोपी परिवार के सदस्य योगी आदित्यनाथ पर अपत्तिजनक पोस्ट कर रहे हैं। ऐसे में योगी के समर्थकों में साफ तौर पर गुस्सा है। इसी आधार पर आरोपी पर कार्यवाही की मांग की जा रही है।

लोगों में चर्चा है कि उक्त परिवार के सदस्य ही सोशल मीडिया पर आखिर विवादित पोस्ट क्यों करते हैं? कहीं यह समाज में सांप्रदायिक उन्माद फैलाने की कोई सोची समझी साजिश तो नहीं? पुलिस को इन बिन्दुओं पर भी जांच करनी चाहिए।

प्लास्टिक की जैरीकेन में करते थे चरस तस्करी, पुलिस ने किया गिरोह का भंडाफोड़

कानपुर, 8 जून (एजेंसियां)। यूपी के कानपुर में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का भंडाफोड़ किया है जो मामूली से मजदूर बनकर जैरी केन में चरस भरकर तस्करी किया करते थे। ये लोग रिक्शे जैसी चीजों से आवाजाही करते थे, जिससे किसी को इन पर शक नहीं होता था। पुलिस को इनकी काफी समय से तलाश थी। लेकिन ये तस्करी को जो तरीका इस्तेमाल कर रहे थे, उससे इनकी पहचान काफी मुश्किल हो गई थी। पुलिस ने इस मामले में इस गिरोह के दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपी बदमाश जैरी कैन में चरस भरकर शहर के अन्य क्षेत्रों में सप्लाई किया करते थे। पुलिस को इनके पास से 10 किलो से अधिक चरस भी बरामद हुई है जो एक त्री केन में भरी हुई थी। ये मामला कानपुर की रेल बाजार थाने का है।

सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष ने खुद को गोली मारी

मुरादाबाद में इनरवियर में बेड पर मिला शव चुनाव के समय पद से हटाए गए थे

मुरादाबाद, 8 जून (एजेंसियां)। मुरादाबाद में सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष डीपी यादव ने सुसाइड कर लिया है। शनिवार को बुद्धि विहार स्थित आवास पर उन्होंने पिस्टल से खुद की कनपटी में गोली मारी। उनका शव कमरे में इनरवियर में बेड पर पड़ा मिला। सिर से खून बह रहा था। लोकसभा चुनाव के दौरान 8 अप्रैल को पार्टी ने उन्हें जिलाध्यक्ष के पद से हटा दिया था। इंस्पेक्टर मझोला ने बताया- पूर्व सांसद वीर सिंह ने घटना के बारे में सूचना दी। मौके पर पुलिस और फोरेंसिक टीम पहुंच गई है। पूरे घर की तलाशी ली जा रही है। सुसाइड नोट नहीं मिला है। उन्होंने सुसाइड क्यों किया? इसकी वजह सामने नहीं आई है। फिलहाल, डीपी यादव के घर पर समर्थकों की भीड़ लगी हुई है। जिले के बड़े नेता पहुंच गए हैं।

डीपी यादव जिलाध्यक्ष पद से क्यों हटाए गए थे

चुनाव के दौरान पूर्व सांसद एसटी हसन और सपा प्रत्याशी रुचि वीरा में गुटबाजी सामने आने के बाद अखिलेश ने उनको पद से हटा दिया था। उनकी जगह जयवीर यादव को जिलाध्यक्ष बनाया गया था। डीपी यादव ने नामांकन से पहले कहा था कि एसटी हसन ही सपा के प्रत्याशी हैं। पद से हटाए जाने के बाद डीपी यादव ने कहा था कि पार्टी के मुखिया का फैसला है। इसका स्वागत करता हूं।

एकतरफा प्यार में हैवान बना रिक्शा चालक, लड़की पर ताबड़तोड़ चाकू से हमले; बड़ी बहन की आंतें बाहर निकाली

पटना, 8 जून (एजेंसियां)। दीघा थानांतर्गत रामजीचक की ब्रह्मस्थानी गली में एकतरफा प्रेम में सनकी युवक ने दिनदहाड़े घर में घुस कर सगी बहनों को चाकू गोद दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित भाग निकला। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों बहनों को उपचार के लिए पीएमसीएच में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी है। सूचना मिलते ही एएसपी दिनेश कुमार पांडेय और थानेदार ब्रजकिशोर सिंह दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। आरोपित गोविंद युवती के पड़ोस में ही रहता है।

जौनपुर में भीषण सड़क हादसा: सामान लोडिंग के दौरान ट्रेलर की टक्कर से दो पिकअप के उड़े परखच्चे; दो की मौत

जौनपुर, 8 जून (एजेंसियां)। जौनपुर जिले के बक्सा थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग पर बैसपार के पास शनिवार की सुबह एक पिकअप से दूसरे पिकअप में माल लादते समय जौनपुर से सुल्तानपुर की तरफ जा रहे तेज रफ्तार ट्रेलर ने दोनों वाहनों को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे दोनों पिकअप ड्राइवर की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार सुल्तानपुर कोतवाली निवासी गौतम घोष अपनी पिकअप पर सामान लाद कर जौनपुर की तरफ से सुलतानपुर जा रहा था कि रास्ते मे घटनास्थल पर खराब हो गया। मदद के लिए शिवगुलामगंज बाजार से सचिन गुप्ता को बुलाया दोनों दूसरे पिकअप पर सामान लोड कर ही रहे थे कि अचानक आ रही ट्रेलर ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे दोनों पिकअप ड्राइवर की मौत हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्यवाही शुरू कर दी।

पप्पू यादव ने बिहार में इंडिया की हार का ठीकरा तेजस्वी यादव पर फोड़ा, बताया अहंकारी

मुजफ्फरपुर, 8 जून (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर में निर्दलीय सांसद पप्पू यादव खुलकर तेजस्वी यादव पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि मेरी और तेजस्वी यादव की विचारधारा अलग अलग है हम एक नदी के दो अलग अलग धारा है। मैं लालू यादव का सम्मान करता हूं। पप्पू यादव ने कहा कि अगर बिहार के युवराज के अंदर अहंकार नहीं होता तो हम 25 से अधिक सीट जीत लेते और राहुल गांधी पीएम बन जाते। पप्पू यादव ने प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा कि अभी मेरा मकसद कांग्रेस पार्टी को पूरी तरह से बिहार में खड़े करने की है और इस दिशा में काम कर रहा हूं। अलग-अलग जगहों पर जा रहा हूं। जहां लोगों का प्यार और स्नेह पूरा मिला रहा है। सांसद बनने के बाद मुजफ्फरपुर पहुंचे पप्पू यादव ने कहा कि मेरी प्राथमिकता पूर्णिया और सीमांचल का विकास है और इसके लिए मैं अपनी लड़ाई और आवाज को बुलंद रखूंगा।

तेजस्वी यादव को लिया आड़े हाथों

वहीं, इंडिया गठबंधन और एनडीए में शामिल होने के लिए मिले ऑफर की बात को खारिज करते हुए निर्दलीय सांसद ने कहा कि मैंने कांग्रेस पार्टी के लिए अपनी पार्टी का विलय किया था और अब मैं कांग्रेस को मजबूत करना मेरा मकसद है और इसके लिए काम करूंगा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी अपने बूते चुनाव लड़े और जीते। यही नहीं उन्होंने तेजस्वी यादव को लेकर कहा कि जिस तरह से यह लोग मेरे खिलाफ हुए थे अगर साथ होते तो सभी सीट जीत लेते। हम लालू यादव का सम्मान करते हैं, लेकिन तेजस्वी यादव और मेरी विचारधारा अलग अलग है जैसे नदी की दो अलग धारा जो कभी एक नही होते हैं।

मनोज पांडेय, अभय सिंह, पूजा पाल समेत कई विधायकों पर होगी कार्रवाई, खत्म होगी सदस्यता

लखनऊ, 8 जून (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी (सपा) लोकसभा चुनाव के बाद बगावत करने वाले विधायकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की तैयारी में है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पाला बदलने वाले विधायकों की विधानसभा सदस्यता खत्म कराने का निर्णय लिया है। समाजवादी पार्टी ने बगावत करने वाले विधायकों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने का फैसला किया है। पार्टी ने यूपी विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर इन विधायकों की सदस्यता खत्म करने की प्रक्रिया शुरू करने का इरादा जताया है। बागी विधायकों में मनोज पांडेय, अभय सिंह, पूजा पाल, राकेश पांडे, राकेश प्रताप सिंह, विनोद चतुर्वेदी और आशुतोष मौर्य शामिल हैं। इन विधायकों ने राज्यसभा चुनावों में सपा के खिलाफ जाकर बीजेपी के पक्ष में क्रॉस वोटिंग की थी, जिससे बीजेपी को आठ सीटें मिली

थीं और सपा को केवल दो सीटों पर ही संतोष करना पड़ा था। इस चुनाव में सपा के बागी विधायकों ने बीजेपी को समर्थन देकर उसकी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस कारण सपा को करारी हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि, लोकसभा आम चुनाव में समाजवादी पार्टी ने अब तक के अपने इतिहास में सबसे अच्छा प्रदर्शन करते हुए कुल 37 सीटें जीतीं। इस सफलता के पीछे सपा की जातीय गोलबंदी और यादव-मुस्लिम गठबंधन की रणनीति ने अहम भूमिका निभाई। धार्मिक मुद्दों से हटकर जातिगत समीकरणों पर ध्यान देने से सपा को यह सफलता मिली और पार्टी देश की तीसरी बड़ी पार्टी के रूप में उभरकर सामने आई है।

समाजवादी पार्टी के इस कड़े कदम से पार्टी के अंदर अनुशासन बनाए रखने और भविष्य में किसी भी प्रकार की बगावत को रोकने का संदेश स्पष्ट रूप से दिया जा रहा है।

पुलिस पर पथराव करने वाले 200 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

57 हिरासत में लिए गए

मुंबई, 8 जून (एजेंसियां)। मुंबई के पवई इलाके में दो दिन पहले नगर निगम के अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान पथराव की घटना के सिलसिले में 200 से अधिक लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और 57 लोगों को हिरासत में लिया गया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। जय भीम नगर झुग्गी बस्ती में गुरुवार को बृहन्मुंबई नगर निगम के अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान पथराव में कम से कम 15 पुलिसकर्मी, निगम के पांच इंजीनियर और मजदूर घायल हो गए थे। अधिकारी ने शुक्रवार को बताया, ''पुलिस और बृहन्मुंबई नगर निगम के अधिकारियों पर पथराव करने के सिलसिले में 200 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और उनमें से 57 लोगों को हिरासत में लिया गया है। इन सभी पर सरकारी कर्मचारियों को उनके कर्तव्य निर्वहन में बाधा डालने और दंगा करने का आरोप है।'' निगम ने पहले बताया था कि पवईगांव और मौजे तीरंदाज गांव में एक भूखंड पर अस्थायी झोपड़ियां बनाई गई थीं और राज्य मानवाधिकार आयोग ने नगर निकाय को इस मामले में कार्रवाई करने का निर्देश दिया था।

लोगों का दावा- 25 साल से यहां रह रहे

एक अधिकारी के मुताबिक, नगर निगम का अतिक्रमण विरोधी दल वहां कथित अवैध निर्माणों को हटाने के लिए गया था और साथ में सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मियों की एक टीम भी थी, लेकिन निवासियों ने यह कहते हुए विरोध शुरू कर दिया कि वे पिछले 25 वर्षों से वहां रह रहे हैं। उन्होंने बताया कि एक भूखंड पर लगभग 400 झोपड़ियां बनाई गई थीं। पथराव का एक वीडियो सोशल मीडिया पर भी प्रसारित हुआ था, जिसमें पुरुष और महिलाएं पुलिस और नगर निगम के कर्मचारियों पर पथराव करते हुए नजर आ रहे हैं। मुंबई में पुलिस और बीएमसी के अधिकारियों पर पथराव हुआ था। इस घटना में कई पुलिसकर्मी घायल हुए थे। मुंबई के पवई इलाके में मुंबई पुलिस और बीएमसी के अधिकारी अतिक्रमण हटाने के लिए गए थे। यहां अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन मुहिम चला रहा है। अतिक्रमण हटाने के दौरान अतिक्रमणकारियों ने मुंबई पुलिस और बीएमसी के अधिकारियों पर पथराव कर दिया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया था, जिसमें अतिक्रमणकारियों को पुलिस पर पत्थरबाजी करते देखा जा सकता है।

चाकूबाजी से सहमा कुर्ला; हमले में एक की मौत तीन घायल, पांच आरोपी गिरफ्तार

मुंबई, 8 जून (एजेंसियां)। महानगर मुंबई के कुर्ला इलाके में हैरान करने वाली घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, कुला में धारदार हथियार से किए गए हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। इस भयावह घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। हमले की घटना चूनाभट्टी पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में दर्ज की गई थी। मुंबई पुलिस को जैसे ही घटना की सूचना मिली, पुलिस जांच में जुट गई। इस भयावह घटना के संबंध में पुलिस ने जांच तेज की तो उनके हाथ पांच आरोपी लगे। फिलहाल पुलिस ने पांचों आरोपियों को धर दबोचा और अब उनसे पूछताछ की जा रही है। वहीं, मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है लेकिन अभी तक यह साफ नहीं हुआ कि यह चाकूबाजी की घटना क्यों हुई। पुलिस मामले की तह तक जांच कर रही है लेकिन इस संबंध में कोर्ट तक अभी केस नहीं पहुंचा है। बता दें कि इससे इतर, कोलसेवाड़ी पुलिस ने पूर्व शिवसेना पार्षद महेश गायकवाड़ को नशे में धुत होकर जान से मारने की धमकी देने वाले एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

हाई कोर्ट ने नेहा सिंह राठौर के खिलाफ एफआईआर को रद्द करने से किया इनकार

सीधी, 8 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सीधी जिले में हुए पेशाब कांड मामले में भोजपुरी गायिका नेहा सिंह राठौर द्वारा किए ट्वीट के खिलाफ दर्ज एफआईआर को हाई कोर्ट ने रद्द करने से इनकार कर दिया। नेहा सिंह राठौर ने पेशाब कांड को लेकर एक ट्वीट किया था। इस ट्वीट को लेकर उनके खिलाफ कार्रवाई हुई थी। भोपाल के हबीबगंज थाना पुलिस ने नेहा सिंह के खिलाफ केस दर्ज किया था। हाई कोर्ट के जज गुरपाल सिंह अहलूवालिया ने सवाल किया कि नेहा सिंह राठौर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए कार्टून में एक विशेष विचारधारा की ड्रेस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खाकी निकर) का जिक्र करते हुए क्यों जोड़ा? जबकि पेशाब कांड के घटना के समय आरोपी ने वह ड्रेस नहीं पहनी थी। आवेदक ने अपने ट्विटर और इंस्टाग्राम अकाउंट पर जो कार्टून अपलोड किया वो उस घटना के अनुरूप नहीं था।

कोर्ट ने क्या कहा?

कोर्ट ने कहा कि इसके साथ ही आवेदक ने कुछ एक्ट्रा बातें अपनी पोस्ट में जोड़ी थीं। इसलिए यह नहीं कहा जा सकता है कि आवेदक ने स्वतंत्र भाषण और अभिव्यक्ति के अपने मौलिक अधिकार का प्रयोग करके कार्टून अपलोड किया था। कोर्ट ने कहा कि स्वतंत्र भाषण और अभिव्यक्ति का मौलिक अधिकार पूर्ण अधिकार नहीं है, बल्कि इस पर उचित प्रतिबंध लागू होते हैं। हालांकि, एक कलाकार को व्यंग्य के माध्यम से आलोचना करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए, लेकिन कार्टून में किसी विशेष विचारधारा की ड्रेस को जोड़ना व्यंग्य नहीं कहा जा सकता है। इसलिए यह भारत के संविधान के अनुच्छेद 19(1) (ए) के दायरे में नहीं आएगा। यहां तक कि व्यंग्यात्मक अभिव्यक्ति भी भारत के संविधान के अनुच्छेद 19 (2) के तहत प्रतिबंधित हो सकती है।

नेहा सिंह के किस ट्वीट पर हुआ बवाल?

सीधी पेशाब कांड को लेकर नेहा सिंह ने एक ट्वीट किया था। नेहा सिंह के ट्वीट पर विवाद होने के बाद उनके खिलाफ केस दर्ज हुआ है। ट्वीट में आरएसएस की ड्रेस पहने एक शख्स को सामने बैठे दूसरे शख्स पर पेशाब करता दिखाया गया है। इसके बाद आईपीसी की धारा 153 ए (धर्म, जाति, जन्म स्थान, निवास के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

दो लाख देकर युवक ने की थी शादी, घर आई दुल्हन दूल्हे को नशीली दवा खिलाकर पैसे और मोबाइल लेकर भागी

राजगढ़, 8 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ से एक लुटेरी दुल्हन का मामला सामने आया है। जहां दुल्हन ने शादी के एक दिन बाद ही दूल्हे समेत उसके भाई को खाने में नशीली दवा मिलाकर दे दी। दोनों भाईयों के बेहोश हो जाने के बाद दुल्हन उनके पैसे और मोबाइल लेकर भाग गई। जब दूल्हे की आंख खुली तो वह भोपाल में और उसका भाई अस्पताल में था। घटना के बाद दूल्हे ने पुलिस थाने जाकर शिकायत दर्ज करवाई। दरअसल, पूरा मामला राजगढ़ जिले के कुरावर थाना क्षेत्र के बिहार कोटरा गाँव का है। यहां रहने वाले पीड़ित होकम सिंह तंवर (35) ने बताया कि वह पीलूखेड़ी की एक प्राइवेट कम्पनी में काम करता है। जिसके लिए उसे 10 हजार रुपए सैलरी मिलती है। उसकी शादी नहीं होने के कारण वह परेशान रहता था। एक दिन होकम सिंह के साथ उसी कम्पनी में काम करने वाले उत्तर प्रदेश निवासी राज कुमार के माध्यम से उत्तर प्रदेश की एक लड़की कंचन से उसकी फोन पर ही शादी तय करवाई गई। फोन पर लड़की वालों ने होकम से शादी करने की एवज में दो लाख रुपए की डिमांड की।

जिन्होंने मुझे घर बैठाने का काम किया था

उन्हें जनता ने घर बैठा दिया- पूर्व डिप्टी कलेक्टर निशा बांगरे ने कमलनाथ पर कसा तंज

खंडवा, 8 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद डिप्टी पद से इस्तीफा देने वाली निशा बांगरे शुक्रवार को खंडवा पहुंचीं। जहां उन्होंने छिंदवाड़ा में कांग्रेस की हार को लेकर कमलनाथ और नकुलनाथ पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जिस तरीके का व्यवहार मेरे साथ कमलनाथ ने किया, मुझे नौकरी तक से त्यागपत्र देना पड़ा था। मैं बोलकर आई थी कि जिन्होंने मुझे घर बैठाने का काम किया, उन्हें मैं घर बैठाऊंगी और हुआ भी यही। चुनाव में कमलनाथ को जनता ने घर बैठा दिया। निशा बांगरे ने जिला अस्पताल स्थित आंबेडकर चौराहे पर डा. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ज्वाइन करने के बाद मुझे टिकट नहीं दिया गया। मेरी नौकरी भी चली गई। उन्होंने कहा कि मैं बाबा साहेब अंबेडकर की मानस पुत्री हूं, हम सामाजिक न्याय, बंधुता, स्वतंत्रता पर चलने वाले लोग हैं।

नौकरी वापसी पर दिया ये जवाब

वहीं नौकरी में वापसी के सवाल पर उन्होंने कहा कि सरकार के पास आवेदन दिया है। मध्य प्रदेश की सरकार बहुत संवेदनशील है। मुझे मप्र सरकार पर भरोसा है कि वो दोबारा नौकरी पर रखने पर विचार करेगी। गौरतलब है कि निशा बांगरे डिप्टी कलेक्टर का पद छोड़ने के बाद कांग्रेस में शामिल हो गई थी। लेकिन राजनीति में उन्हें कोई अहम भूमिका नहीं मिली, न ही विधानसभा चुनाव में टिकट मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि कमलनाथ ने उन्हें टिकट देने का वादा किया था लेकिन बाद में वे अपनी बातों से पलट गए। अब लोकभा चुनाव में छिंदवाड़ा में कांग्रेस की हार पर निशा ने निशाना साधा है।

बीजेपी के लोग दे रहे हैं अयोध्यावासियों को गाली

आप सांसद संजय सिंह ने साधा निशाना

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की अयोध्या सीट पर बीजेपी की हार के बाद अयोध्या के मतदाताओं को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं जिसपर आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बीजेपी अयोध्या में हार गई, इसलिए मोदी जी की ट्रोल आर्मी यहां के लोगों को गालियां दे रही है। उन्होंने कहा कि ये बीजेपी का असली चरित्र है। आप नेता संजय सिंह ने कहा कि अयोध्या में समाजवादी पार्टी की जीत के बाद यहां के लोगों को गालियां दी जा रही है। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि, अब अयोध्या वासियों को गाली दी जा रही हैं। प्रभु श्री राम की प्रजा को मोदी जी की जो ट्रोल सेना और बीजेपी के लोग गाली दे रहे हैं।

संजय सिंह ने बीजेपी पर लगाया आरोप

संजय सिंह ने कहा कि इसमें पूरी बीजेपी शामिल हैं इससे साबित होता है कि ये हिन्दुओं के भी सगे नहीं है। अगर आप लोकतंत्र में इनके खिलाफ वोट देंगे तो ये आपको गालियां देंगे। ये इनका चरित्र है। उन्होंने कहा कि अयोध्या ही नहीं काशी में भी पीएम मोदी डेढ़ वोटों से ही जीत पाए। तीन घंटे तक पीछे चल रहे थे। उन्होंने कहा, अयोध्या के लिए आपने गाना बनाया कि जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे। प्रभु श्रीराम हमारी आस्था के प्रतीक है आप उनका अपमान कर रहे हैं। तो प्रभु राम ने उन्हें उंगली पकड़ कर विदा कर दिया, सिर्फ अयोध्या से ही नहीं बल्कि सीतापुर, चित्रकूट, सुल्तानपुर, प्रयागराज, प्रतापगढ़ से भी विदा कर दिया। वो तो भोले शंकर जी दयालु हैं उन्होंने काशी में आपको सबक देकर छोड़ दिया। फरुखाबाद, बांसगांव और फूलपुर सीट पर तो इन्होंने गड़बड़ी करके खेला किया गया। यूपी में बीजेपी की हार के साथ सबसे ज्यादा चर्चा अयोध्या में मिली हार को लेकर हो रही है। इस सीट से समाजवादी पार्टी के अवधेश प्रसाद ने बीजेपी के लल्लू सिंह को हरा दिया। बीजेपी के लिए ये बड़ा झटका इसलिए भी माना जा रहा है क्योंकि अयोध्या और राम मंदिर के मुद्दे पर बीजेपी ने पूरी चुनावी माहौल बनाने की कोशिश की थी।

अटारी में 100 किलो नशे की बरामदगी के मामले में सात और आरोपियों पर चार्जशीट एनआईए ने की कार्रवाई

चंडीगढ़, 8 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अटारी में 100 किलोग्राम से अधिक नशीले पदार्थों की बरामदगी के मामले में सात और आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। पटियाला हाउस कोर्ट के समक्ष शुक्रवार को दायर अपने पूरक आरोप पत्र में, जांच एजेंसी ने मामले से संबंधित अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट साजिश में प्रमुख गुर्गों के रूप में सात आरोपी व्यक्तियों की पहचान की है। एनआईए की जांच के अनुसार, सभी सात आरोपी - अतहर सईद, अमृतपाल सिंह, अवतार सिंह, हरविंदर सिंह, तहसीम, दीपक खुराना और अहमद फरीद - कथित तौर पर भारत में दवाओं की तस्करी और विभिन्न वितरकों को उनके वितरण में शामिल थे।

'मध्य प्रदेश से केंद्र में जरूर बनेगी महिला मंत्री ये तो तय' डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा ने बताई वजह

भोपाल, 8 जून (एजेंसियां)। केंद्र में तीसरी बार नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने वाली है। रविवार को प्रधानमंत्री पद का शपथ ग्रहण समारोह है। इस शपथ समारोह में कैबिनेट मंत्रियों को भी पद के गोपनीयता की शपथ दिलाई जाएगी। ऐसे में चर्चा शुरू हो गई है कि मोदी 3.0 सरकार में कौन-कौन से मंत्री शामिल होने वाले हैं? इस बीच, मोदी कैबिनेट में मंत्रिमंडल के विस्तार को लेकर मध्य प्रदेश के डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा ने बड़ा बयान दिया है। डिप्टी सीएम देवड़ा ने कहा कि मध्य प्रदेश आरएसएस की प्रयोगशाला है। यहां पर देवता तुल्य कार्यकर्ता हैं। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चलते मध्य प्रदेश में भाजपा को बंपर जीत मिली है। मध्य प्रदेश से पूरे देश के बीजेपी संगठन को प्रेरणा लेनी चाहिए। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में मंत्रियों के बनाए जाने के सवाल पर डिप्टी सीएम देवड़ा ने कहा कि यह शीर्ष नेतृत्व तय करेगा कि कितना प्रतिशत किसको देना है? कितने मंत्री मध्य प्रदेश से बनाए जाएं? साथ ही जोर देते हुए उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश से महिला मंत्री जरूर बनेगी, यह तय है, क्योंकि बीजेपी ही 33 फीसदी महिला आरक्षण लेकर आई है। इसका पूरा ख्याल रखा जाएगा। बता दें कि रविवार को नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। मंत्रियों को भी पद के गोपनीयता की शपथ दिलाई जाएगी। यह आयोजन राष्ट्रपति भवन परिसर में किया जाएगा। इस शपथ समारोह में करीब 8 हजार से अधिक मेहमान शामिल होंगे। इस कार्यक्रम की तैयारियां अभी से शुरू हो गई हैं। शपथ समारोह के चलते राजधानी दिल्ली में ड्रोन या छोटी-बड़ी किसी भी तरह की चीजों के उड़ाने पर पाबंदी लगा दी गई है। दिल्ली पुलिस हाई अलर्ट पर है।

पोर्शे कार एक्सीडेंट

नाबालिग के पिता के अवैध होटल पर चला प्रशासन का बुलडोजर, कुछ दिन पहले किया था सील

पुणे, 8 जून (एजेंसियां)। शहर के चर्चित पोर्शे कार एक्सीडेंट मामले में अब बड़ी कार्रवाई की गई है। दरअसल, नाबालिग के पिता विशाल अग्रवाल के महाबलेश्वर में स्थित होटल पर प्रशासन का बुलडोजर चला है। बताया जा रहा है कि पारसी जिमखाना की जमीन पर अवैध तरीके से बनाए गए होटल पर स्थानीय प्रशासन ने ये कार्रवाई की है। दरअसल, हफ्ते भर पहले प्रशासन ने अवैध होटल को सील किया था, जिसके बाद अब इस पर कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चलाया गया है। बता दें कि पुणे के कल्याणी नगर इलाके में 19 मई की सुबह एक नाबालिग लड़के ने कथित तौर पर बाइक पर जा रहे दो आईटी पेशेवरों को टक्कर मार दी थी जिससे दोनों की मौत हो गई थी। बता दें कि पहले भी महाराष्ट्र पुलिस ने इस मामले में कई एफआईआर दर्ज की हुई है। इसी क्रम में नाबालिग के पिता और दादा तथा तीन अन्य लोगों के खिलाफ शहर में एक व्यवसायी के बेटे को आत्महत्या के लिए उकसाने से संबंधित एक अलग मुकदमा दर्ज किया गया।

कांग्रेस महासचिव का दावा- मोदी से पहले भी कई नेता ले चुके हैं तीन बार पीएम पद की शपथ

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। शनिवार को कांग्रेस ने दावा किया कि यह लोकसभा चुनाव का जनादेश पीएम नरेंद्र मोदी की नैतिक, राजनैतिक और व्यक्तिगत हार है। वे अब अपने दयनीय चुनाव प्रदर्शन को सही ठहराने की कवायद जारी है। देश में सात चरणों में लोकसभा चुनाव हुए, जिसका परिणाम मंगलवार 4 जून को चुनाव आयोग ने जारी किया। लोकसभा चुनाव 543 सीटों पर हुआ। इसमें भाजपा ने इस चुनाव में 240 सीटें जीतीं। भाजपा का यह आंकड़ा कुल सीटों के मुकाबले काफी कम है। लेकिन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सीटें मिलकर 293 हुई हैं। इस लोकसभा चुनाव में विपक्षी दल काफी मजबूती के साथ उभर कर सामने आया है। विपक्षी नेताओं ने चुनावी रैलियों में पूरा जोर लगा दिया। इस चुनाव में कांग्रेस ने 99 सीटों पर अपना कब्जा किया। वहीं इंडी गठबंधन 230 सीट जीत सका। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश का कहना है कि यह चुनाव पीएम मोदी की नैतिक, राजनीतिक और व्यक्तिगत हार है, वे इसमें सकारात्मक पहलू तलाशने के ढोल बजाना शुरू कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि इसका प्रचार किया जा रहा है कि जवाहरलाल नेहरू के बाद पीएम नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार जनादेश पाने वाले पहले व्यक्ति हैं। उन्होंने कहा कि किसी पार्टी को 240 सीटों पर जीतना और 'एक तिहाई' सीट पर प्रधानमंत्री बनना, यह जनादेश कैसे हैं, यह तो नहीं बताया गया? जयराम रमेश ने कहा कि दूसरी ओर जवाहर लाल नेहरू को 1952 में 364 सीटें, 1957 में 371 सीटें और 1962 में 361 सीटें मिलीं। मतलब हर बार 2/3 बहुमत मिला था। फिर भी वे एक पूर्ण लोकतांत्रिक बने रहे। उन्होंने अपनी निरंतर उपस्थिति के साथ संसद को बहुत सावधानी से पोषित करते रहे। उन्होंने कहा कि मोदी नेहरू के बाद से तीन बार शपथ लेने वाले एकमात्र व्यक्ति नहीं हैं - चाहे लगातार हो या नहीं। कांग्रेस महासचिव ने बताया कि अटल बिहारी वाजपेयी ने वर्ष 1996, वर्ष 1998 और वर्ष 1999 में तीन बार शपथ ली थी। यही नहीं इंदिरा गांधी ने भी वर्ष 1966, वर्ष 1967, वर्ष 1971 और वर्ष 1980 में 4 बार शपथ ली थी। उन्होंने कहा कि 2024 में पीएम नरेंद्र मोदी के दयनीय चुनावी प्रदर्शन को सही ठहराने के लिए ढोल पीटने वाले कुछ भी करने की कोशिश करेंगे।

समुद्र में कम हो रही ऑक्सीजन

64 साल में सतह पर 6 गुना तक बढ़ा प्रदूषण; एसिडिक हो रहे पानी से इन देशों को होगा बड़ा नुकसान

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। जलवायु परिवर्तन के कारण समुद्र में ऑक्सीजन की कमी होती जा रही है। इसका पानी लगातार एसिडिक होता जा रहा है, जिस वजह से समुद्र की सतह पर तेजी से तापमान बढ़ रहा है। समुद्र में ऑक्सीजन की कमी के कारण महासागर के जीवों, मछुआरों और तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए बड़ा खतरा पैदा हो गया है। कहा जा रहा है, इस वजह से मछली उत्पादन के केंद्र भी बदल जाएंगे। स्विजरलैंड के ज्यूरिख यूनिवर्सिटी के रिसर्चर जोल वांग ने ये सब देखते हुए जापान और चीन को लेकर डर जाहिर किया है। उन्होंने कहा, जापान और चीन जैसे कई देशों के तटीय इलाकों में मछलियों की कमी होने लगेगी।

बढ़ते तापमान की वजह से मछलियां समुद्र में स्थाई प्रवास करेंगी। इसका एक कारण इंसानी गतिविधियां भी हैं, जगह जगह पर जंगल का जलना, कूड़े-कचरे के ढेर ने गर्मी को बढ़ावा दिया है। रिसर्चर जोल वांग आगे कहते हैं, अगर ऐसा ही रहा तो आने वाली स्थिति को संभालना मुश्किल हो जाएगा। धरती के 20 प्रतिशत हिस्से में समुद्र की हालत बहुत बेकार होती जा रही है। वहीं इससे पहले अंतराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन) ने भी ऑक्सीजन की कमी पर चेतावनी जारी की थी। उन्होंने कहा था, कि दुनियाभर में 700 स्थानों की पहचान की गई है, जहां ऑक्सीजन की

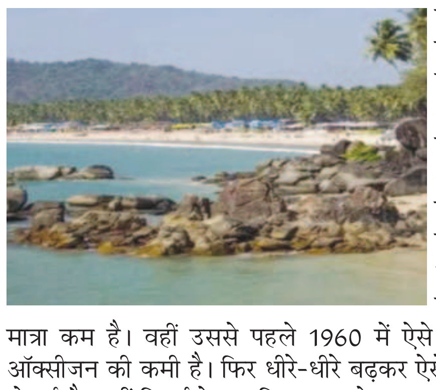

मात्रा कम है। वहीं उससे पहले 1960 में ऐसे केवल 45 स्थान थे, जहां ऑक्सीजन की कमी है। फिर धीरे-धीरे बढ़कर ऐसे स्थानों की संख्या चार गुना हो गई है। वहीं रिसर्च के मुताबिक, अब ये 1960 के मुकाबले 6 गुना ज्यादा हो गया है। जहां पर ऑक्सीजन की मात्रा बिल्कुल नहीं है। समुद्री जीव गर्म तापमान, अत्यधिक मछली पकड़ने और प्लास्टिक प्रदूषण का सामना कर रहे हैं।

गजब जिद्दी हैं जारांगे

फिर से मराठा आरक्षण की मांग लेकर आमरण अनशन पर बैठे

जालना, 8 जून (एजेंसियां)। देश भर में पिछले कुछ महीनों से चल रहा लोकसभा चुनाव का शोर अब समाप्त हो गया है। वहीं अब लोकसभा चुनाव खत्म होते ही मराठा आरक्षण की मांग का मुद्दा फिर से उठ गया है। एक बार फिर मराठा आरक्षण को लागू करने की मांग लेकर मनोज जारंगे पाटिल आमरण अनशन पर बैठ गए हैं। मनोज जारंगे पाटिल जालना के अंतरवाली सैराट गांव में आमरण अनशन पर बैठे हैं। हालांकि पुलिस ने जारंगे को अनशन की इजाजत नहीं दी है। बता दें कि इससे पहले भी मनोज जारंगे पाटिल आरक्षण की मांग को लेकर अनशन पर बैठ चुके हैं। बता दें कि लोकसभा चुनाव से पहले भी मनोज जारंगे पाटिल ने अनशन किया था। हालांकि उस समय महाराष्ट्र सरकार ने उनकी मांगे मानते हुए अनशन को समाप्त करा दिया था। उस समय जारंगे पाटिल की मुख्य मांग थी कि जिनके पास कुनबी प्रमाण पत्र है, उनके जीवनसाथियों को भी कुनबी प्रमाण पत्र दिया जाए। जारंगे को मुंबई से बाहर रोकने के लिए, सरकार ने उनकी मांग मानने का फैसला लिया था। हालांकि मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जारंगे पाटिल ने कहा था कि जब तक समुदाय को सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण नहीं मिल जाता, तब तक वह अपना आंदोलन बीच में समाप्त नहीं करेंगे। वहीं महाराष्ट्र के मंत्री दीपक केसरकर ने दावा किया था कि कार्यकर्ता की मांगें स्वीकार कर ली गई हैं और उन्हें सरकारी प्रक्रिया के अनुसार पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा था कि अब तक 37 लाख कुनबी प्रमाण पत्र दिये जा चुके हैं और यह संख्या 50 लाख तक जायेगी। इससे पूर्व जारंगे हजारों समर्थकों के साथ नवी मुंबई पहुंचे थे। जारंगे और मराठा आरक्षण की मांग करने वाले अन्य कार्यकर्ता सुबह लगभग पांच बजे मोटरसाइकिल, कार, जीप, टेम्पो और ट्रक से मुंबई के बाहरी इलाके में कृषि उपज बाजार समिति (एपीएमसी) पहुंच गए थे।

थप्पड़ कांड के बाद कंगना रनौत पर बरसीं सांसद हरसिमरत कौर

बठिंडा, 8 जून (एजेंसियां)। बॉलीवुड एक्ट्रेस और बीजेपी सांसद कंगना रनौत को सीआईएसएफ महिला जवान द्वारा थप्पड़ मारने का मामला बढ़ता जा रहा है। कोई इस घटना का विरोध कर रहा है, तो कोई थप्पड़ मारने वाली सीआईएसएफ कॉन्स्टेबल कुलविंदर कौर का समर्थन कर रहा है। अब इस मामले में पंजाब की बठिंडा लोकसभा सीट से शिरोमणी अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर बादल ने सीआईएसएफ कॉन्स्टेबल कुलविंदर कौर का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि ऐसी बातें करेंगी तो रिएक्शन भी आएगा। दरअसल, हरसिमरत कौर बादल ने एएनआई से बात करते हुए कहा कि एक एक्ट्रेस होने के नाते उन्हें काफी लोग फॉलो करते हैं, ऐसे में जब आप बेहूदा बातें करेंगे और फालतू की टिप्पणियां करती हैं तो सामने वाला ऐसा रिएक्ट करता है। कंगना को अपने हाई कमान को खुश करने के बजाय अपनी जिम्मेदारी को समझना चाहिए। अगर कोई कंगना की मां के बारे में ऐसे शब्द कहेगा जैसा उन्होंने दूसरी की मां के बारे में कहा है तो उन्हें भी अच्छा नहीं लगेगा। हरसिमरत ने आगे कहा कि कंगना अभी भी अपनी गलती नहीं देख रही हैं। वह शर्मिंदगी महसूस करने के बजाय उन्हें आतंकवादी और पता नहीं क्या-क्या कह रही हैं। आपकी पार्टी की नीति रही है जहर घोलना, लेकिन आप अपनी जुबान पर लगाम लगाएं और जहर घोलने के बजाय मिठास फैलाएं, तो शायद आपको इन चीजों का सामना नहीं करना पड़ेगा। एसएडी सांसद हरसिमरत कौर बादल के बयान पर अब राष्ट्रीय लोक दल के नेता मलूक नागर ने कहा कि दो अलग-अलग मुद्दे हैं। किसान आंदोलन के दौरान किसी ने क्या कहा, यह अलग मुद्दा है।

तकलीफ का मरहम : नीम का पेड

अतुल कुमार

इस बार मौसम के मिज़ाज़ ने जम कर तेवर बताये उन जगहों पर भी तापमान का पारा पचास को पार कर गया जहां इसकी उम्मीद नहीं थी . हर वर्ष स्थितियां गडबडा रही हैं लेकिन कुदरत के रुद्र रूप को देख कहीं कोई इस समस्या की ओर ध्यान देता नहीं दीख रहा . लू से मरने वालों की संख्या सिर्फ फीगर बन गयी है जो साल दर बढ रहा है .भीषण गर्मी से बचने के उपायों पर बाज़ारवाद हावी है कूलर ,ए सी , पंखे और कूल ड्रिंक्स की जम कर बिक्री हो रही है क्यों कि उनको मार्केटिंग सपोर्ट मिला हुआ है . लोग इन्हीं को ही बचाव का माध्यम मान इन्हें स्वीकर करने को मजबूर दीख रहे हैं . कोई इस तरफ सोचने और ध्यान देने को राज़ी नहीं है कि समर इतना प्रकोप क्यों बता रहा है . इसका हल क्या है ! गर्मी पहले भी पडती. ऋतु है तो आयेगी ही लेकिन इसका तापमान इस कदर नहीं बढता जैसे अब हो रहा . यह गहन विचार का सबजेक्ट है . कुंए ,तालाब ,नदियां और सरोवर सूख गये हैं . पीने के पानी की विकट समस्या है बोतल बंद पानी और कैन को कितने लोग एफोर्ड कर सकते हैं . घरों में फिल्टर की मशीनें लग रही हैं .

जल प्रकृति से मिला अमूल्य उपहार है जो निः शुल्क प्राप्त है लेकिन इसकी कदर होने के बजाए इसको लाइटली लिया गया .जल की बरबादी को रोकने के लिये कोई सीरीयसनेस नहीं है . जल की बूंदों को बचाने नारे ,जुमले और कहावतें तो खूब चलीं पर उनको अमल में लाने के वास्ते कोई जागरूकता नहीं दिखायी देती . वृक्षों की कटाई बेतहाशा , बे रोकटोक और बेरहमी से जारी है .यह कुछ स्रोत थे जिनसे बढती गर्मी को रोका जा सके . सब उजड गये हैं . उनके स्थानों पर कंक्रीट के जंगल आबाद हो रहे हैं .उनकी बिक्री के विज्ञापनों में ग्रीनरी के होने की तस्वीरें छपती हैं ताकि रेट बड सके . नेचर को इसमें उतना ही रखा व बताया जाता है जिससे मार्केट वैल्यू बडे . सारी प्रकृति को मार्केट लिंक्ड बना दिया गया हो तब पर्यावरण का असंतुलित होना स्वाभाविक है .

खबरों के अनुसार 70 से 80 फीसदी आबादी गर्मी झेल रही है . जिससे आफ्टरनून इकनामी ठप्प हो गयी (दोपहर 12 बजे से 4 बजे) तक होने वाला व्यापार बंद सा हो गया है . इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए ज़रूरी हो गया है कि सघन रूप से वृक्षारोपण हो इकनामी का सीधा रिश्ता विकास , लाभ और रोज़गार से है अत; इसकी सेंसेटिविटी को देख वृक्षारोपण से गर्मी के प्रकोप को रोका जाए . इस हेतु सभी वृक्षों में सबसे उपयुक्त नीम के पेड को माना गया ,जो न केवल छायादार होता है बल्कि वायु प्रदूषण को रोकने में भी उपयोगी माना गया . पुराने दौर में घर के सामने नीम के पेड होते ताकि घर में नकारात्मकता और ग्रह दोष न हो।

नीम के वृक्ष में अनेक औषधीय गुण होते हैं आयुर्वेद के अनुसार इसमें किसी भी प्रकार के इंफेक्शन को रोकने की क्षमता है . इसके पत्तों की उपयोगिता कई औषधियों को बनाने में होती है .नीम से बने नहाने के साबुन अन्य साबुनों की तुलना में अधिक लोकप्रिय हैं क्यों कि शरीर के मैल को साफ करने में असरकारक है . सदियों से नीम के घरेलू नुस्खे चलते हैं इसलिये इसे " कल्प वृक्ष " भी कहा गया . इस पेड का हर हिस्सा अच्छे स्वास्थ्य के लिये लाभकारी है . चर्म रोग या घाव के लिये राम बाण इलाज के रूप में माना गया . नीम के गुणों तथा इससे होने वाले फायदे पर प्रसिद्ध आयुर्वदाचार्य वैद्य पद्मश्री डा सुरेश चतुर्वेदी ने न केवल पुस्तकें लिखीं बल्कि घूम घूम कर दस हज़ार से अधिक नीम के पेडों का वृक्षारोपण किया कहते कि अधिकतर रोगों का कारण वायु प्रदूषण है इसलिये नीम के लाभों को प्रचारित किया .बताते नीम में ऐंटी बैक्टेरियल , एंटी फंगल ,एंटी वायल , एंटी आक्सीडेंट गुण होते हैं .आज ऐसे कितने लोग हैं जो अपने पेशे से इतर जनहित में ऐसा सोच कार्य कर रहे हैं ? पुराने व क्रानिक रोगों के नामी वैद्य थे आयुर्वेद के प्रचार प्रसार में जीवन को झोंक काम किया . दूरदृष्टि से पर्यावरणीय योगदान को छोड गये।

डायबिटीस में नीम की पत्तियां ब्लड शुगर को कंट्रोल करती हैं . इससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढती है खराब कोलेस्ट्राल को कम कर अच्छे कोलेस्ट्रोल को बढावा देता है . ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है ,सांस से जुडी समस्याओं का निवारण करता है ,बालों को झडने से रोकता है . पेट ,लीवर और हार्ट के लिये उपयोगी है . पूरे स्वास्थ्य को चुस्त रखता है गर्मी में ठंडी हवा देने में सबसे उत्तम है . कुछ वक्त पहले तक नीम की दातुन ब्रश की तुलना में ज़्यादा लोकप्रिय थी . दांतों और मसूडों की देखभाल के लिये तरह तरह के मंहगे टूथ पेस्ट चलते हैं वहीं नीम की दातुन अपने आप में पर्याप्त है .

यह लंबा घना और छायादार होता है . इसकी लंबाई लगभग 50 फीट तक होती है इसका जीवन काल बहुत लंबा होता है यह पेड तेज़ी से वृद्धि करता है और शुभ भी माना गया . इसके बीज को निंबोली कहा जाता है. गुज़रे ज़माने के लोगों ने इसे घर के सामने रखने की प्रथा बनायी क्यों कि इसमें औषधीय गुणों के अलावा मौसम को ठंडा रखने की तासीर है . संसार में सबसे अधिक उगाये जाने वाले पेडों में माना गया .शास्त्रानुसार नीम के वृक्ष में माता दुर्गा का वास होता है . नवजात शिशु को नीम के पत्ते पर रखा जाता है इसकी पौराणिक मान्यता है कि नीम के पत्तों पर सुलाने से बच्चा माता दुर्गा की गोद में रहता है और सुरक्षित रहता है . माता का वास होने के कारण इसके चारों ओर जल अर्पित किया जाता है . माता निकलने पर नीम के पत्तों से ही झाडा करने की प्रथा है .

पर्यावरणीय दृष्टि से बहुरक्षणीय वृक्ष माना गया जो मनुष्य के संरक्षण के लिये काफी उपयोगी है . नीम का तेल चर्म रोगों के इलाज के लिये अचूक माना गया . सांस्कृतिक , पौराणिक , और उपयोगिता के नज़रिये से इसके अनेक लाभ हैं इसलिये कहा गया कि " हर कोई चंदन नहीं कि सुगंधित कर सके कुछ नीम के पेड भी हैं जो सुगंधित तो नहीं करते पर काम बहुत आते हैं " यह आंध्र प्रदेश का राजकीय वृक्ष है .अनाज के भंडार में इसकी पत्तियों को रखने से कभी कीडे नहीं पडते. अन्य पेडों की तुलना में इसकी हवा अधिक शुद्ध और ज़्यादा आक्सीजन प्रदान करती हैं .लू को ठंडक में बदलता है इसलिये गांव खेडों में अधिक पाया जाता है .नीम के पेड के नीचे बैठना भी फायदे मंद माना गया . इसकी हवा पेड के आसपास मौजूद सभी हानिकारक कीटाणुओं को नष्ट करती है जिससे हवा शुद्ध होती है .इसकी लकडी जलाने से मच्छर नहीं आते .

वनस्पति शास्त्र के विद्वानों के अनुसार सदियों सदियों पूर्व इसकी उत्पत्ति बर्मा नाम के पौधे से हुई जिसने उगते ही कई लाभों को दिखाया .जिसे देख वनस्पति शास्त्र के ज्ञाता हैरान हुए और इसको बढावा दिया . संतों ने इसे दैवी शक्ति की उपासना का वृक्ष बताया . लिखा बरगद एक लगाइये ,पीपल रोपें पांच / घर घर नीम लगाइये ,यही पुरातन सांच /विश्व ताप मिट जाए होये हर मन गद गद /धरती पर त्रिदेव हैं – नीम पीपल और बरगद ./ हाल ही में हुए शोधों के अनुसार नीम के पत्ते किसी भी दुसाध्य रोग के इलाज में सबसे प्रभावी हैं . साइंस इस पेड के गहन शोधों में लगा है उम्मीद है कि जल्द लाइलाज रोगों की समस्या का निदान इससे निकलेगा क्यों कि इसमें औषधियों का भंडार छिपा है .

दुनिया की लगभग सभी भाषाओं में इसकी महत्ता पर साहित्य लिखा गया . इसलिये पूर्वजों ने खूब कहा " रिश्तों की बगिया में एक रिश्ता नीम के पेड जैसा भी रखना जो सीख भले ही कडवी देता हो / पर तकलीफ में मरहम भी बनता है "

काव्य कुंज

जीने की कला

पूजा महेश
हैदराबाद

अपना ग़म ले के
कहीं और न जाया जाये
घर मे बिखरी हुई चीजों को
करीने से सजाया जाये
घर से दूर है मंदिर
तो चलो कुछ यूं कर लें
किसी रोते हुए बच्चे को हंसाया जाए
बाग में जाने के भी
ढंग हुआ करतें हैं
किसी भी तितली को
यूं न फूल से उड़ाया जाए
अपना दुखड़ा रोने से पहले
किसी और दुखी इंसान से मिलिए
जीने के ढंग बहुत है दुनिया में
फिर क्यूं ना इसे
हंस कर बिताया जाये।।

परिवर्तन

डॉ टी महादेव राव

भारी बारिश के बादल
अपने अस्तित्व से बाहर
पृथ्वी पर नए पते के रूप में
अंकुरित होंगे!
अतीत की एक याद
वर्तमान को जगाते हुए
जीवन संघर्ष में
डटना सिखाती है!
एक खोया हुआ पल चेतना के साथ
भविष्य निर्माण के लिए सचेत करने आता है!
हरा वाष्पित ओस है शुद्ध सांसों से भरा
हरे अक्षरों के साथ पढ़ाती है प्रकृति!
आशा भरी जिंदगी से आत्मविश्वास का ज्ञान
अगर हटा दिया जाता है
आत्म-जागरूकता के दीप का प्रकाश फैलता है!

व्योधानों से जब घिरा समय हो

प्रताप नारायन,
चित्रकूट

निज अन्तर्मन जब भी खरित हो,
व्यंग बाण से वक्त सजा हो
वेधित शब्द तीर परिहासो से
तब अपनो से अपने पन का
रह जाता कोई मूल्य नहीं।।
विदीर्ण ह्दय जब वेधित हो
अपनो के ही सर संधानो से
झूठी मरहम पट्टी की आशा का
रह जाता कोई मूल्य नहीं।।
चक्रव्यूह जब रचा गया हो
अपनो के ही कर कमलों से
तब जीवन के महायुद्ध का
रह जाता कोई मूल्य नहीं।।
अवरोधों की पंक्ति लगी हो
चिर परिचित श्री मानो की
तब मदद नाम की आशा का
रह जाता कोई मूल्य नहीं।।
संकट के बादल जब छाए हो
साथ आश की आशा हो
ऐसे में जब अलग थलग हो
तब संबंधों की बुनियादो का
रह जाता कोई अर्थ नहीं
रह जाता कोई अर्थ नहीं ।।

किस मोड़ से शुरू करें

कमलेश झा

किस मोड़ से
शुरू करें फिर ये ज़िंदगी
हसरत मन में
दबी पड़ी ढलती ये जिदंगी।।
लेकर चले थे मन में
तब वो जन्नत के ख़्वाब थे
आशाओं के नाव में
सपनों में ख्वाब थे
तारों के ख़्वाब थे वो, खयालों के ख़्वाब थे
लेकिन कहां वो गुमसुम सी बैठी है जिन्दगी
किस मोड़ से शुरू करें फिर ये ज़िंदगी
हसरत मन में दबी पड़ी ढलती ये जिदंगी।।
रहते थे हम हसीन ख़यालों की भीड़ में
उलझे हुए हैं हम आज सवालों की भीड़ में
आने लगी है याद वो यादों की वो लडी
किस मोड़ से शुरू करें फिर ये ज़िंदगी
हसरत मन में दबी पड़ी ढलती ये जिदंगी।।
शायद समय ये हमसे कोई चाल चल गया
जिंदगी ने अचानक ही नया मोड़ ले लिया
रिश्तों के डोर में बंधे और उसमें हीं में दब गया
किस मोड़ से शुरू करें फिर ये ज़िंदगी
हसरत मन में दबी पड़ी ढलती ये जिदंगी।।

तुलसी-तनया भयी है

सुनिल चौरसिया,
सावन

मेरी ज़िन्दगी की बगिया में
तुलसी-तनया भयी है।
सब कहते हैं स्नेह से,
अपने पापा में गयी है।।
सृजनशील अपलक चिंतन
करें गोद में गहन मनन
हो या न हो जान पहचान
सद्भाव से सबका करे सम्मान
पुचकारी पर खेले मुस्काय
सबकी गोद में भाव से जाय
है उसकी मुस्की में कशिश
करे बकइयां की कोशिश
सर्प-कर्ण से जब जग जाए
खेल खिलौनों में लग जाए
बनें गोद में गगन-धनुष
बिस्तर पर भी मगन धनुष
मुंह से बरसे रिमझिम 'सावन'
प्यार दुलार में लार भी पावन
नथिया नोचे, झटके बाली
लाली है जीवन की लाली
मां पर सिर, पापा पर पैर
सोने से पूर्व स्वर्णिम सैर
इधर से ठेले, उधर से ठेले
अर्द्धरात्रि में झूमे-खेले
चीख-चीखकर हमें जगाए
नाक नोचकर नींद भगाए
नींद टूटे तो मन खिल जाए
रसमय जीवन धन्य हो जाए
नूतन तन, कोमल मन
खिलखिलाती दुनिया नयी है
मेरी ज़िन्दगी की बगिया में
तुलसी-तनया भयी है।
सब कहते हैं स्नेह से, अपने पापा में गयी है।।

राष्ट्र प्रेम

वंदे मातरम वंदे मातरम
आजादी के दीवाने दिल से
बोलो वंदे मातरम वंदे मातरम।।
आजादी के ये दीवाने
सर पर कफ़न बाँध चले मस्ताने ।।
डटे रहे चट्टानों से हिम्मत न छोड़े ।
दुश्मनो को ललकारे साहस न तोड़े ।।
आजादी के परवानों ने दी है क़ुर्बानीयां ।
हँसते हँसते खा गये सिने पर गोलियाँ ।।
देश की शान पर करते है अभिमान ।
राष्ट्र गान से गूंजता है सारा आसमान ।।
वंदे मातरम वंदे मातरम।।
देश के जवानो से महफ़ूज़ हैं हर ग़लीयां ।
महफ़ूज़ है हर घर गाँव हर की बेटियाँ ।।
देश की माटी से प्रेम कर जान लुटाते ।
तिंरगे की रक्षा करते आँच न आने देते ।।
जब जब संकट के बादल देश पर छाये ।
मातृ भूमी की रक्षा करने सीना ताने आये ।।
वंदे मातरम वंदे मातरम।।
अधरो पर है राष्ट्र गीत सीने में तूफ़ान लिये ।
क़दम द क़दम बढ़ाते दुश्मन की ललकार लिये ।।
दिल में ज्वाला देश प्रेम की मातृभूमि को आज़ाद कराये ।
बाजुओं ने थामी बंदूकें , दुश्मनो को मार गिरायें ।।
दिल से बोले वंदे मातरम वंदे मातरम।।

-अलका पाण्डेय

वार्ता

डॉ डी डी देसाई

शहर के बदले हालात
राजनीतिक खबरों का बोलबाला
कहीं बेखौफ दौड़ती "कार"
कहीं रुकावट का "हाथ" दिखाते लोग
तो कहीं कीचड़ में खिलता "कमल"
कहीं झंडे के जुलूस निकले,
तो कहीं डंडे के ।
हर न्यूज चैनल का
अपना एक अलग अंदाज था ।
कौनसा सच कौनसा झूठ
किसी का नाम हुआ
तो कोई बदनाम हुआ
खबरों में नमक मसाला इतना कि
खाना तो दूर –
परोसने के भी काबिल नहीं ।
इन संदिग्ध ख़बरों के बोझ तले
रातों की नींद हराम कर बैठा था ।
नई सुबह नई शुरुआत
चाय की पहली चुस्की के साथ
"दैनिक वार्ता" हाथ लगा ।
स्पष्ट एवं असरदार ख़बरें,
न मनचाहा पक्ष
न अनचाहा विरोध
कानून के तराजू की तरह
समानता की ओर अग्रसर
सच और झूठ को
तोल मोल के परोसा था ।
हर एक पंक्ति में वजन था
छिपी हुई सच्चाई थी
शीर्षक जैसी सार्थक खबरों ने
कल का तूफान शांत किया
फिर शुरू हुआ सिलसिला
हर सुबह नई शुरुआत
चाय की प्याली "वार्ता"के साथ ।

भेड़ और संसद

सभ्यता क़े इतिहास में,
हमारी साथी थीं भेड़ें,
भेड़ों ने दिए
निष्पक्ष कम्बल क़े लिए अपने तन से धागे
और हमनें
इतिहास पुरुषों को पहनाईं
सिर्फ़ फ़ूल मालाएँ।
भेड़ों क़े तो होश ठिकाने आ गए,
लेकिन भेड़पालक नहीं आए बाज
मालाएँ पहनाने से।
ज़ब-ज़ब इतिहास में चर्चा होगी,
आपको कैंचा से
मूड़ने की घटना का जिक्र होगा।
पहले हम निकाले गए खेतों से
फिर हमारे जानवर,
अब निकाले जा रहे हैं
वोटर लिस्ट से नाम।
लोग कहते हैं गड़रिए राजनीति में अच्छे नहीं लगते
कहें भी क्यों न हम वोट देने में विश्वास करते हैं
लेने में कदापि नहीं हाँ! हाँ यही बात है।
भेड़ें संसद, और विधानमंडलों में अच्छी नहीं लगतीं,
मज़बूरी में बना दिए गए हैं वोट चरवाहों क़े।

-राजकुमार बघेल प्रभात, कासगंज

राम तुम्हें ही आना होगा

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

कलयुग में सह रहे बहुत कुछ,
मन की बात कह न पाते,
आतंक साया खामोश की हिदायत,
डर-डर कर बीत रही रातें,
जख्म पर मरहम लगाने के बहाने
लोग नमक छिड़क जाते
अब तो सह न पाते,
न रहे घर के न घाट के,
बेदर्दी की सजा पाते
अपने ही घर में हो गए पराए
अपनों से ही हार जाते
जिसकी पनाह में महफूज ,
उससे ही मात खाते
क्या करें गिला शिकवा,
बदनसीब से जुड़े नाते
घोर कलयुग में जीना होगा,
खुद ही खुद से लड़ जाते
अचानक जब आए तूफान,
कहीं नहीं शरण पाते
राम तुम्हें ही आना होगा,
घूम रहे रावण सिर उठाके।

ख्वाहिशें

संजीव ठाकुर,
रायपुर

दिल मे तेरी कई ख्वाइशें मिलेंगी,
दिल मे तेरी कई ख्वाइशें मिलेंगी,
गुम मेंरी यहां कई बंदिशें मिलेंगी,
चेहरे पर छुपे तेरे कई कई चेहरे,
यहां सिसकती मेरी वफाये मिलेगी,
ख्वाईशो ने भी की कई बगावतें,
वही दफ़्न मेरी काशिशें मिलेंगी,
तेरे कई कई अफ़साने,कई किस्से हैं,
अफसानों में आशिकों की बंदिशें मिलेगी।
तेरे रंग महल में कई सतरंगी सपने है ,
सोये आशिकों की हसरतें मिलेंगी।
दुनिया हंसती है बेबसी पर मेरी,
यहां खिलाफ मेरे साजिशें मिलेंगी।

पर्यावरण

रेणुका अग्रवाल

पृथ्वी का न लूटो सिंगार है।
पेड़ों से ही टिका संसार है।
घर को सुंदर बनाने की खातिर,
पृथ्वी पर क्यों करते अत्याचार है।
हमारी धरती सबकी माता है।
मानव चमन में क्यों जाता है।
वहां घने पेड़ और तालाब है।
वहां जाकर तरोताजा हो आता है।
ये पेड़ पौधों का चमत्कार है।
प्राणवायु मिलती बेशुमार है।
जो रोज रोज पेड़ काटते है,
उन राक्षसों को धिक्कार है।
सुंदर फर्नीचर से घर सजाते।
पृथ्वी को बदसूरत बनाते।
पृथ्वी जब रेगिस्तान बन जाती,
क्या तुम उस पर हल चलाते।
न बारिश होगी न अनाज होगा।
मानव तब तू क्या खाएगा।
ओजोन परत में छेद बड़ रहा,
चलते चलते जल जाएगा।
पानी से जब बिजली बनती है।
बिजली से कूलर एसी चलते।
दो चार पेड़ लगाए आंगन में,
गर्मी से फिर तुम क्यों तड़पते।
पीपल बड़ जाम जामुन और आम
इन पेड़ों से आंगन सजाओ।
सड़क किनारे पलाश नीम लगाकर,
घर बैठे फल फूल प्राणवायु पाओ।
अर्जुन और अगस्त्य का पेड़।
आंवला और सागवान का पेड़।
शीशम और बबूल का पेड़।
सड़क कीनारे नागचम्पा पेड़।
सारे पेड़ फल फूल ठंडक देते।
हम देखे तो मन को हर लेते।
देखो इन पेड़ों को उगाकर।
तुम बेहिसाब आनंद को लेते।

सावन

टी तारासिंह
हैदराबाद

दरवाजे खिडकी बंद कर लो
बादले बहुत गरज रहे
बरसात भी हो रही
ठण्डी ठण्डी हवायें चल रही
मौसम भी सुहाना हो रहा
आ रहा है महिना सावन का
कुवारियां झूला झूलती
अपने सपनों में प्रियतंम को देखती
सोलवा सावन होता ही है
सपनों में खो जाने का
खत लिखते प्यार के दो अक्षर लिखते
खुबसूरती से आंख मिचौली खेलते
एक दूसरे के दिवाने हो जाते
हर जनम साथ रहने की कस्मे खाते
एक दूसरे को बस देखते ही रहते
ये अदा ये प्यार कब परवान चढे
बस घर बस जाये दो प्रेमियों का ।।

दो चार कदम...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

चलते चलते थक गया हूं
दौड़ते दौड़ते रुक गया हूं
आंधी तूफानों के बवंडर बहुत हैं
हांफने कांपने लगा हूं
रास्ता दिखाई नहीं देता चांद सितारों
दो चार कदम तो चलने दो अपनी मर्जी से
हां हां जिंदगी
हम तेरे कहने पे चले हैं बरसों
चौखट से बाहर कदम बढ़ाए ही थे
व्यवधानों का पहरा लगा था
लगाई तो थी ऐड़ी चोटी की तदबीर
रेगिस्तानों के मचान खड़ा था
कहते हैं लोग भोर होगी
लेकिन सांझ हो गई
84 लाख यातनाएं सही
सुन लो अरदास रहबरों
दो चार कदम...
जब तलक कुछ समझता,रतिया सवार हो गई है
जी भर के जी भी नहीं सका,रेजगार हो गई है
हार जीत का खेल अपने को आता नहीं
ठीक है कुचला गया,कुछ सांसें तो लेने दो बदरंगों
दो चार कदम...
ले दे के यही सीखा, मियां की दौड़ मस्जिद तक
आंखें खोली,जिंदगी कहती पहुंच गए मंजिल तक
क्या कहूं,चल ठीक है तुम्हारा शुक्रिया
समीकरण नहीं सीख सका बाजीगरों
दो चार कदम...

" धैर्य"

हेमंत सुराना

राजमहल ना मिला,
वनवास ही सही
राम तेरी लीला,
अपरंपार रही
अवसर है जीवन में,
ईश्वर की देन
राम के धैर्य ने,
पूरे कर दिए विजय के सपने
धैर्य धरो, धैर्य धरो,
अनुकूल समय तक दम भरो,
विपरीत समय से लड़ो,
मायूस होकर नाता न तोड़ना,
बेरुखी, असफलता, निराश ना होना,
धैर्य की ताकत को तुम सभी समझना
धैर्य और संयम के पल,
करे दूर दुखों के हजार पाल
थोड़ा धैर्य, थोड़ा संयम
भावनाओं पर संतुलन, वाणी पर संयम
खुद पर रखना यकीं ,
खुद पर रखना यकीं ।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

दक्षिण में खिडकी खुली, दरवाजा नहीं

भारत का बहुप्रतीक्षित आम चुनाव संपन्न हो गया है और भाजपा के नेतृत्व में राजग गठबंधन सरकार बन रही है। नरेंद्र मोदी आज तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने वाले हैं। हालांकि उत्तर भारत में भाजपा को सीटों का भारी नुकसान हुआ, पर दक्षिण भारत में दिलचस्प वोटिंग पैटर्न उभरकर सामने आए हैं, जो वहां भाजपा की चुनावी बढ़त से स्पष्ट है। बेशक दक्षिण में मिली बढ़त उत्तर भारत में हुए नुकसान की भरपाई नहीं कर सकती, पर इस चुनाव में भाजपा के संबंध में दक्षिण की मतदान प्रवृत्ति का विश्लेषण एक ऐसी अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, जो दक्षिण में पैठ बनाने की इच्छुक किसी भी राष्ट्रीय पार्टी के लिए ध्यान देने योग्य है।

लंबे समय से दक्षिणी राज्यों में भाजपा को 'उत्तर भारतीय पार्टी' माना जाता रहा है। तमाम प्रयासों के बावजूद कर्नाटक को छोड़कर यह दक्षिणी राज्यों में अपनी पैठ नहीं बना पाई। हालांकि 2019 में मोदी लहर में भी आंध्र प्रदेश, केरल और तमिलनाडु में एक भी सीट नहीं जीत पाने के बाद भाजपा दक्षिण के प्रति गंभीर हो गई। इन तीनों राज्यों में भाजपा की हार के पीछे कई कारण थे। आंध्र में भाजपा के खिलाफ लोगों में काफी नाराजगी थी, क्योंकि उसने राज्य को विशेष राज्य का दर्जा नहीं दिया और जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व में वाईएसआर कांग्रेस ने आंध्र प्रदेश में किसी अन्य पार्टी के लिए राज्य के चुनावी मैदान में उतरने की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी थी। तमिलनाडु में पारंपरिक रूप से द्रविड़ पार्टियों की राजनीति हावी रही है। यहां तक कि केरल में भाजपा की हिंदुत्व की राजनीति भी उल्टी पड़ गई और भाजपा द्वारा उठाए गए सबरीमाला मुद्दे का ज्यादातर लाभ केरल कांग्रेस को मिला।

मगर 2024 के आम चुनाव में चीजें बदल गईं। दक्षिण भारत की 130 सीटों में से भाजपा ने 29 सीटें हासिल कीं, जिनमें से तीन आंध्र प्रदेश में, 17 कर्नाटक में, आठ तेलंगाना में और एक सीट केरल में है। आंध्र प्रदेश में पार्टी का वोट शेयर 2019 के 0.98 फीसदी से बढ़कर अब 11.28 फीसदी हो गया है। यह पूर्व राजग सहयोगी एवं तेदेपा प्रमुख चंद्रबाबू नायडू के साथ समझौते के कारण हुआ, जो अब केंद्र में 'किंग मेकर' बन गए हैं। आंध्र में भाजपा की वापसी का कारण उसके दूसरे सहयोगी और जनसेना पार्टी के फिल्म स्टार पवन कल्याण द्वारा हासिल भारी युवा वोट भी हैं। आंध्र प्रदेश से सटे तेलंगाना में हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनाव में भाजपा की स्थिति खराब हो गई थी, लेकिन आम चुनाव में यह पूरी ताकत के साथ उभर कर सामने आई है। भाजपा ने तेलंगाना की छह में से तीन सीटें हासिल कीं, इसने बीआरएस को तीसरे स्थान पर धकेल दिया। बूथ स्तर पर अपना स्वयं का पार्टी कैडर तैयार करने के लगातार प्रयासों का नतीजा है कि भाजपा का वोट शेयर 2019 के 19.65 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 35.08 प्रतिशत हो गया। इसके अलावा, राज्य की कांग्रेस सरकार द्वारा तेलंगाना के किसानों से कर्ज माफी का वादा पूरा नहीं करने का लाभ भी भाजपा को मिला।

'देवताओं का अपना देश' कहे जाने वाले केरल में खाता खोलने का भाजपा का लंबे समय का सपना पूरा हो गया, क्योंकि पार्टी के प्रत्याशी ने त्रिशूर निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की। पार्टी ने कट्टर हिंदुत्व के अपने एजेंडे से विकास की तरफ अपना रुख मोड़ दिया, जिससे उसका वोट शेयर 2019 के 13 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 16.68 प्रतिशत हो गया। भाजपा को तमिलनाडु से काफी उम्मीदें थीं, क्योंकि उसके युवा राज्य प्रमुख अन्नामलाई पूर्व आईपीएस हैं और पार्टी ने उन्हें खुली छूट दे रखी है। लेकिन कद्दावर नेताओं के बार-बार दौरे, भाजपा की केंद्रीय इकाई द्वारा तमिल संस्कृति एवं परंपरा पर जोर दिए जाने तथा 'कच्चातिवु' मुद्दे को उठाने के बावजूद पार्टी वहां सीट नहीं जीत सकी। हालांकि 2019 के 3.66 फीसदी के मुकाबले उसका वोट शेयर बढ़कर 2024 में 11.24 फीसदी जरूर हो गया, जो कि तीन गुना ज्यादा है। भाजपा द्वारा हासिल यह वोट शेयर 1999 से भी ज्यादा है, जब वह राज्य में अपने चरम पर थी और उसने तीन सीटें जीती थीं। यह दर्शाता है कि भाजपा ने द्रविड़ पार्टियों के वोट शेयर में सेंध लगा दी है, खासकर अन्नाद्रमुक के वोट शेयर में, जो पार्टी सुप्रीमो जयललिता के निधन के बाद बदहाल है। हालांकि द्रमुक के वोट शेयर में सेंध लगाना मुश्किल है, जिसने राज्य की 39 में से 22 सीटों पर जीत दर्ज की है।

कर्नाटक का परिणाम अजीबोगरीब रहा, जहां भाजपा का वोट शेयर 2019 के 51.38 से घटकर इस बार 46.06 फीसदी रह गया है। जद (एस) के साथ गठजोड़ करना भी भाजपा को भारी पड़ गया, जद (एस) प्रज्वल रेवन्ना से संबंधित विवादों के कारण राज्य के वोट पैटर्न में जबर्दस्त बदलाव दिखा। वर्ष 1996 के बाद यह पहली बार था, जब राज्य के दोनों प्रमुख समुदाय-वोकालिंगा एवं लिंगायत भाजपा के साथ थे। इस तरह, भले ही भाजपा ने सीटें हारी हों, लेकिन उसे कुछ अप्रत्याशित समुदायों का वोट मिला है।

दक्षिण में भाजपा के समग्र प्रदर्शन से कोई भी राष्ट्रीय पार्टी चार सबक सीख सकती है। पहला, दक्षिण भारत कोई एक इकाई नहीं है, जैसा कि कई उत्तर भारतीय मानते हैं। हर राज्य के अपने सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक कारक होते हैं, जो मतदान को प्रभावित करते हैं। यही कारण है कि दक्षिण के प्रत्येक राज्य में भाजपा ने वोट शेयर और जीती गई सीटों के मामले में विरोधाभासी प्रदर्शन किया है। दूसरा, कोई भी राष्ट्रीय पार्टी दक्षिण की क्षेत्रीय पार्टियों की अनदेखी नहीं कर सकती। तेदेपा एवं जद (एस) ने इसे एक बार फिर साबित किया है। तीसरा सबक यह है कि विचारधारा और राजनीतिक बयानबाजी से वोट तो मिल सकते हैं, लेकिन सिर्फ यह वोटों के सीटों में तब्दील होने की गारंटी नहीं है। केरल और तमिलनाडु ने भाजपा के लिए इसे साबित किया है। अंतिम सबक यह है कि दक्षिण की राजनीति में अब फिल्म स्टार उतने प्रासंगिक नहीं रहे। आंध्र प्रदेश और केरल में फिल्म स्टार के साथ भाजपा के जुड़ाव और उससे मिले चुनावी लाभ से यह साफ है। कुल मिलाकर, इस चुनाव ने साबित कर दिया कि दक्षिण में भाजपा का दबदबा बढ़ रहा है और आने वाले समय में दक्षिण भारतीय राजनीतिक समीकरण भाजपा की राजनीति के साथ एक बड़े बदलाव के लिए तैयार हैं।

मोदी के 70 मंत्रियों में 15 गैर-भाजपाई होंगे?

पहले कार्यकाल में 5 और दूसरे में सिर्फ 2 थे

9 जून 2024 की शाम। नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। इस बार फर्क सिर्फ इतना है कि बीजेपी बहुमत से 32 सीटें पीछे रह गई। सरकार बनाने के लिए सहयोगी दलों के सहारे की जरूरत है। इनमें सबसे प्रमुख 16 सीटों वाली टीडीपी, 12 सीटों वाली जदयू, 7 सीटों वाली शिवसेना और 5 सीटों वाली एलजेपी हैं।

खबरों के मुताबिक चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी और नीतीश कुमार के जदयू की नजर 10 मंत्रालयों पर टिकी है। चिराग पासवान की एलजेपी और शिंदे की शिवसेना कम से कम 2-2 मंत्री बनाना चाहते हैं। इसके अलावा आरएलडी, अपना दल जैसे अन्य छोटे दलों को भी मंत्री पद की उम्मीद है। सहयोगियों की मांग चाहे जितनी हो, लेकिन मोदी 3.0 मंत्रिपरिषद में 12 से 15 मंत्री-पद ही सहयोगी दलों को मिल सकते हैं। जिम्मेदारी और वैल्यू के हिसाब से मंत्री पद 4 कैटेगरी के होते हैं...

1. कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी: प्रधानमंत्री के अलावा टॉप-4 कैबिनेट मिनिस्टर होते हैं- गृह, वित्त, रक्षा और विदेश मंत्री। इन्हें कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी भी कहा जाता है।

2. कैबिनेट मिनिस्टर: टॉप-4 मंत्रियों के समेत बाकी मंत्रालयों के कैबिनेट मंत्री। 3. राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार): छोटे-छोटे विभागों के राज्यमंत्री, जिन्हें स्वतंत्र प्रभार दिया जाता है।

4. राज्य मंत्री: ऐसे मंत्री किसी न किसी मंत्रालय में कैबिनेट मंत्री के साथ काम करते हैं।

इनके अलावा स्पीकर का पद भी बहुत महत्वपूर्ण है। इन्हें हम कैबिनेट मिनिस्टर के रैंक का मान सकते हैं। मंत्रियों में उपमंत्री भी एक कैटेगरी होती है, लेकिन इन दिनों उपमंत्री नहीं बनाए जाते। मंत्रिपरिषद के नेगोशिएशन में सिर्फ नंबर नहीं, बल्कि मंत्री की कैटेगरी को भी ध्यान में रखा जाता है। गठबंधन में मोदी क्या करेंगे। इसे समझने के लिए हम सबसे पहले बीजेपी की गठबंधन सरकारों के हिसाब-किताब को समझते हैं...।

जब बीजेपी को बहुमत के लिए क्रिटिकल पार्टनर्स की जरूरत होती है, तो वो मंत्रिपरिषद में सहयोगियों को 29% तक हिस्सेदारी देती है। वहीं पूर्ण बहुमत होने पर सिर्फ 2 मंत्री पद पर निपटा देती है।

2024 लोकसभा चुनाव में बीजेपी 240 सीटों पर सिमट गई। बहुमत से 32 सीटें दूर। 272 के आंकड़े को पार करने के लिए सहयोगियों की जरूरत है। बीजेपी सबसे पहले बड़े पार्टनर्स को साधेगी, जिससे छिटकने का डर कम हो या बार-बार डीलिंग न करनी पड़ी। बीजेपी के अलावा 4 बड़े पार्टनर्स हैं। टीडीपी, जदयू, शिवसेना और एलजेपी। शिवसेना की महाराष्ट्र में बीजेपी के साथ गठबंधन की सरकार है। वो केंद्र में ज्यादा बारगेन नहीं कर पाएगी, इसलिए हम उसे क्रिटिकल पार्टनर से हटाकर एलजेपी को शामिल कर लेते हैं। इस गणित के लिहाज से अब सरकार बनाने के लिए 4 क्रिटिकल पार्टनर हो गए... हैं। बीजेपी (240)+ टीडीपी (16) + जदयू(12) + एलजेपी (5)= बहुमत (273)। सरकार में इनकी भागीदारी के लिहाज से रेशियो बन रहा है...। बीजेपी (60): टीडीपी (4): जदयू (3): एलजेपी (2)।

मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में अधिकतम 71 मंत्री और दूसरे कार्यकाल में अधिकतम 72 मंत्री थे। हम मान लेते हैं कि मोदी 3.0 कैबिनेट में भी मंत्रियों की संख्या 70 के आस-पास है। इस हिसाब से बीजेपी (60): टीडीपी (4): जदयू (3): एलजेपी (2) मंत्री होने चाहिए। इसके अलावा शिवसेना और अन्य छोटी-छोटी पार्टियों को भी 3-5 सीटें मिल सकती हैं। यानी मोदी मंत्रिपरिषद में सहयोगी दलों को 12-15 मंत्री पद होने चाहिए। अब इसमें मंत्रियों की 4 कैटेगरी के मुताबिक नेगोशिएशन होगा। यानी अगर सहयोगियों को कैबिनेट मंत्री ज्यादा मिले तो कुल संख्या कम हो सकती है और अगर राज्यमंत्री ज्यादा मिले तो कुल संख्या बढ़ सकती है। जैसे- अगर टीडीपी को टॉप-4 मंत्रालयों से एक मंत्री पद या स्पीकर का पद मिल गया तो सकता है उनके मंत्रियो की संख्या कम हो जाए। अब सवाल उठता है कि क्या सहयोगी दलों को मिलने वाले मंत्री पद बीजेपी कोटे से घटेंगे? दरअसल, संविधान के आर्टिकल 75 के मुताबिक मंत्रिपरिषद में मंत्रियों की संख्या लोकसभा के कुल सदस्यों की संख्या के 15% से ज्यादा नहीं हो सकती। लोकसभा में 543 सदस्य हैं। उसका 15% यानी मोदी मंत्रिपरिषद में अधिकतम 81 मंत्री हो सकते हैं।

'सुपथ' नहीं अग्निपथ पर नरेंद्र मोदी

डॉ घनश्याम बादल

अब अब कोई माने या न माने परिणामों को पक्ष और विपक्ष दोनों ही अपनी जीत और दूसरे की हर बताएं पर सच तो यह है कि 18वीं लोकसभा में जनता ने जो जनादेश दिया है वह राजनीतिज्ञ एवं अतिवाद दोनों को ही एक सबक सिखाने जैसा है यदि तीसरी बार भी लगातार नरेंद्र मोदी के नाम पर भाजपा को 240 और एनडीए को 293 संसद सदस्य मिले हैं तो इसका मतलब साफ है कि विपक्ष की साख अभी भी जनता की नजर में देश का शासन सौंपने लायक नहीं है । वहीं दूसरा सच यह भी है कि जिस तरह 17वीं लोकसभा में जनता ने भाजपा को स्पष्ट बहुमत और एनडीए को असीमित शक्तियां दी थी और उनका जिस प्रकार से उपयोग किया गया उसे जानता पूरी तरह सहमत या खुश नहीं रही और इसका परिणाम यह निकला की उन्होंने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में नरेंद्र मोदी को पुनः सत्ता संभालने का जनादेश को दिया लेकिन साथ ही साथ अनेक बंधन गठबंधन के रूप में उन पर लगा दिए अब इन्हीं बंधनों के साथ 9 जून को तीसरी बार नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ले ली है। एनडीए की पहली मीटिंग में बेशक नरेंद्र मोदी को उसी प्रकार अपना नेता चुन लिया गया जैसे जनता ने उन्हें प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर चुना। साफ़ सी बात है कि न जनता को उनसे बेहतर दूसरा विकल्प मिला और न एन डी ए के पास उन जैसा दूसरा सक्षम और रिसोर्सफुल तथा चतुर नेता है । पहली मीटिंग में अच्छी बात यह रही कि तमाम आशंकाओं के बावजूद एनडीए के सभी नेताओं ने एक स्वर में नरेंद्र मोदी के प्रति विश्वास वह आस्था जताई तथा वें सारी आशंकाएं निर्मूल सिद्ध कर दी कि एनडीए के कुछ नेता वापस इंडियागठबंधन के साथ जा सकते हैं और एक बार फिर से दिल्ली में हॉर्स ट्रेडिंग का युग लौट सकता है। हालांकि यह भी नहीं कहा जा सकता है कि यह आशंका पूरे पांच साल के लिए खत्म हो गई है क्योंकि राजनीति एक ऐसा खेल है जिसमें कोई भी किसी का भी सगा नहीं होता यहां तक कि एक ही दल के नेताओं की महत्वाकांक्षाएं भी उन्हें दूसरों को पीछे धकेलने और उनके पैरों के नीचे से कालीन खींच लेने के लिए उकसाती रहती हैं और मौका मिलते ही वह ऐसा कर भी देते हैं । ऐसा पहले भी होता रहा है इतिहास इसका गवाह है और राजनीति की प्रवृत्ति कहती है कि आगे भी ऐसे खेल खेले जा सकते हैं।

अस्तु, नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ले ली है और इसमें दो राय नहीं कि उन्होंने अपने मंत्रिमंडल का गठन करने की सारी बाधाएं भी तमाम सीमाओं के बावजूद पर कर ली होंगी लेकिन पहला कदम मजबूती और सफलता के साथ बढ़ा लेने के बावजूद उनके लिए शपथ के बाद निर्धारित सुपथ पर चलना किसी अग्निपथ पर चलने से कम नहीं रहने वाला है।

अपने पहले दो कार्यकालों में नरेंद्र मोदी एक ऐसे दल के नेता थे जिसे अपने बलबूते पर ही 272 से ऊपर का जादुई आंकड़ा प्राप्त था और उन्हें किसी दूसरे दल या उनके नेताओं पर आश्रित रहने की आवश्यकता नहीं थी । इसके बावजूद भी उन्होंने गठबंधन धर्म का पालन करते हुए गठबंधन के सभी घटकों को मंत्रिमंडल में समुचित प्रतिनिधित्व दिया । इतना ही नहीं पिछले बिहार विधानसभा चुनावों में जब उनके दल को नीतीश कुमार के दल से अधिक सीट मिली थीं फिर भी उन्होंने अपने वादे के मुताबिक नीतीश कुमार को ही मुख्यमंत्री बनाया था।

नई सरकार में भी कायम रहेगी भाजपा की पुरानी हनक

अल्पमत में होने के बावजूद नई सरकार में भाजपा का पुराना रुतबा कायम रहेगा। एनडीए के घटक दलों की बैठक से यही संकेत मिले हैं। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर वरिष्ठ नेता अमित शाह की उपस्थिति में हुई एनडीए की बैठक में तेदेपा को तीन, जदयू को दो और लोजपा, एनसीपी, शिवसेना, जनकल्याण, जदएस, रालोद को एक-एक मंत्री पद देने पर सहमति बनी है।

शाह ने घटक दलों के वरिष्ठ नेताओं के साथ अलग-अलग बैठक की। जदयू संग हुई बैठक में बिहार के सीएम नीतीश कुमार के अलावा संजय झा और ललन सिंह मौजूद थे। चंद्रबाबू नायडू के साथ भी दो सांसद थे, जबकि अजीत पवार के साथ प्रफुल्ल पटेल थे। पवन कल्याण व चिराग पासवान ने अकेले ही मुलाकात की। सूत्रों के मुताबिक, तेदेपा को एक कैबिनेट और दो राज्यमंत्री, जदयू को एक कैबिनेट व एक राज्यमंत्री के प्रस्ताव पर सहमति बनी है। लोजपा, शिवसेना व एनसीपी को एक-एक कैबिनेट मंत्री का पद मिलेगा। इसके अलावा जनकल्याण पार्टी सहित कुछ छोटे दलों को राज्यमंत्री का एक-एक पद मिलेगा। विभागों का फैसला रविवार को होने वाले शपथ के दिन या उसके बाद किया जाएगा।

छोटे दलों के साथ बातचीत आज

संतुलन स्थापित करने और गठबंधन को एकजुट रखने के लिए पार्टी नेतृत्व शनिवार को छोटे दलों के नेताओं के साथ बैठक करेगा। सूत्रों के मुताबिक नई सरकार में राज्यों के सियासी हालात पर खास ध्यान दिया गया है। ऐसे दलों को भी मंत्रिपरिषद में मौका मिल सकता है, जिसके पास महज एक ही सीट है। सूत्रों ने बताया, घटक दलों की ओर से दबाव जैसी कोई बात नहीं है। सरकार गठन के साथ ही पार्टी के प्रदर्शन पर ध्यान देना है। जदयू-तेदेपा की निगाहें मंत्री पद से इतर राज्य से जुड़े मामलों पर है। इसीलिए मंत्री पद के फॉर्मूले पर ज्यादा आनाकानी नहीं की है। लोजपा, जनकल्याण पार्टी का रुख भी सकारात्मक रहा है।

दिल्ली में कन्फ्यूजन, पंजाब में अधूरे वादों से पिछड़ी आप

ड्रग्स की वजह से मान सरकार से नाराजगी, केजरीवाल की इमेज को झटका

दिल्ली में सरकार होने के बावजूद आम आदमी पार्टी लोकसभा की एक भी सीट क्यों नहीं जीत पाई? एक सवाल, लेकिन जवाब कई। एक्सपर्ट मानते हैं कि कांग्रेस से अलायंस होने के बाद से पार्टी वर्कर कन्फ्यूज थे। इसका असर प्रचार पर पड़ा। इसी बीच मुख्यमंत्री केजरीवाल जेल चले गए। स्वाति मालीवाल से मारपीट का केस सामने आ गया। दिल्ली में आम आदमी पार्टी की हार के पीछे कांग्रेस के साथ बेमेल गठबंधन है। बाकी मुद्दे तो बाद में जुड़ते चले गए।'

यही हाल पंजाब में है। राज्य में आप की सरकार है, लेकिन यहां सिर्फ तीन सीटें मिली हैं। इसकी वजह भी दिल्ली से जुड़ी है। पंजाब में आप को विधानसभा चुनाव में 117 में से 92 सीटें मिली थीं। ये बहुमत बदलाव की उम्मीद पर मिला था, पर बदलाव आया नहीं। केजरीवाल के जेल जाने से ईमानदार पार्टी की इमेज पर भी डेंट लग गया। हालांकि, पंजाब में इस बार आए नतीजे पिछले लोकसभा चुनाव से बेहतर हैं। 2019 में पार्टी सिर्फ 1 सीट जीती थी, जो इस बार बढ़कर 3 हो गई है। दिल्ली के रामलीला मैदान में 31 मार्च को लोकतंत्र बचाओ रैली थी। सीएम अरविंद केजरीवाल जेल में थे। उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल उनकी जगह मौजूद थीं। सुनीता ने रैली में अरविंद केजरीवाल की बहादुरी की सराहना की। फिर चुनाव के लिए अपना मैनिफेस्टो पढ़ा। मंच पर सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी मौजूद थे। विपक्ष के कई और दिग्गज नेता भी थे। राहुल गांधी ने लोकतंत्र और संविधान बचाने के इर्द-गिर्द भाषण दिया। उन्होंने एक बार भी न केजरीवाल का नाम लिया और उनके जेल में बनाए मैनिफेस्टो का जिक्र किया।

18 मई को राहुल गांधी ने दिल्ली में कांग्रेस कैंडिडेट कन्हैया कुमार के लिए चुनावी रैली की, लेकिन अपनी सहयोगी पार्टी के मुखिया और दिल्ली के सीएम को न्योता तक नहीं भेजा। कांग्रेस ने सफाई दी कि ये जॉइंट रैली नहीं थी। केजरीवाल के पास वक्त कम है, इसलिए वो दूसरी जगह रैली कर रहे हैं। सवाल उठे कि आखिर जॉइंट रैली में दिक्कत ही क्या थी। कांग्रेस के एक युवा नेता ने बताया कि पार्टी में इसे लेकर बहुत मंथन हुआ, फिर तय हुआ कि स्वाति मालीवाल से मारपीट इस वक्त दिल्ली में सबसे गरम मुद्दा है। रैली में केजरीवाल की मौजूदगी नुकसान पहुंचाएगी। दिल्ली के भजनपुरा में शाम 6 बजे कन्हैया कुमार और अरविंद केजरीवाल की जॉइंट जनसभा होना तय हुआ था। 20 मई को सोशल मीडिया पर पोस्टर भी शेयर हुए। 21 मई की दोपहर मैसेज सर्कुलेट हुआ कि केजरीवाल शाम 8 बजे अपनी अलग रैली करेंगे। हालांकि, 22 मई को दिल्ली के सीएम ने कन्हैया कुमार के लिए रैली की, लेकिन लोगों में मैसेज गया कि आप और कांग्रेस गठबंधन के साथ कॉन्फिडेंट नहीं हैं। दिल्ली में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस का गठबंधन यूपी में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के गठबंधन जैसा नहीं था। ये नेचुरल अलांयस नहीं था। लोग और कार्यकर्ता कन्फ्यूज थे, क्योंकि कांग्रेस के खिलाफ आंदोलन करके ही आम आदमी पार्टी सत्ता में आई थी। चुनाव हारने की ये सबसे बड़ी वजह तो नहीं थी, लेकिन लोगों का विपक्ष के मुद्दे से इत्तेफाक न रखना अहम वजह जरूर रही। आरक्षण का मुद्दा ग्रामीण इलाकों में थोड़ा चर्चा में भी रहा, लेकिन अर्बन में बिल्कुल भी नहीं।'

क्या अरविंद केजरीवाल के जेल जाने पर जरा भी सिंपैथी नहीं मिली? तो जवाब है कि सिंपैथी तो नहीं मिली, उलटा लिकर स्कैम ने इनकी ईमानदार छवि पर बुरा असर डाला है।

अरविंद केजरीवाल का जेल जाना भी बीजेपी के पक्ष में रहा। वे घोटाले के आरोप में जेल गए थे। सुनीता केजरीवाल ने रैली में उन्हें शेर बताने की कोशिश की और भगत सिंह से तुलना की, उसकी कोई इमोशनल अपील नहीं बनी। चुनाव से ऐन पहले हुआ स्वाति मालीवाल केस भी इसी तरह का मुद्दा है। इसका सीधा तो नहीं, लेकिन कुछ तो असर हुआ। वैसे भी दिल्ली में हमेशा लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने ही अच्छा परफॉर्म किया है। विधानसभा चुनाव में लोग कुछ हद तक लोकल कैंडिडेट देखते हैं। पंचायत और निकाय चुनाव में वोटिंग इसी आधार पर होती है, लेकिन लोकसभा में नहीं होती। बीजेपी ने दिल्ली में अपने कैंडिडेट बदलकर मैसेज दे दिया कि वो जनभावना का सम्मान करती है। उसके लिए कैंडिडेट से ऊपर जनता है। वो जनता की खातिर पुराने जीते हुए कैंडिडेट्स भी बदल सकती है। बीजेपी एंटी इनकम्बेंसी को मैनेज करती है और प्रो इनकम्बेंसी का फायदा उठाती है। यही रणनीति दिल्ली में भी थी।

पंजाब की जनता ने विधानसभा चुनाव में आप को इसलिए चुना था कि पहले की सरकारें जो नहीं कर पाईं वो आप सरकार करे। यहां दो मुद्दे थे- ड्रग्स और लॉ एंड ऑर्डर। पंजाब सरकार ने न तो लॉ एंड आर्डर सुधारने की कोशिश की और न ही ड्रग्स जैसे सबसे गंभीर मुद्दे का जिक्र तक किया।'आप नेताओं की ईमानदार छवि को लिकर स्कैम से झटका लगा। पंजाब में 2019 के लोकसभा चुनाव में 68% वोटिंग हुई थी, इस बार ये घटकर 62% हो गई। ये लोगों की मायूसी का नतीजा है। कांग्रेस, बीजेपी, अकाली दल के कार्यकर्ता आप में इतने भर गए हैं कि समझ नहीं आ रहा था कि असली आप बची भी है या नहीं। यहां तक कि आप का पुराना कार्यकर्ता भी नाराज हो गया। पार्टी का कैरेक्टर ही बदल गया।'

विधानसभा चुनाव से पहले आप ने वादा किया था कि अगर वो सत्ता में आई तो महिलाओं को 1000 रुपए देगी। सरकार में आने के 27 महीने बाद भी पैसे नहीं दिए। पंजाब के सीएम चुनाव में जहां भी प्रचार करने गए, महिलाओं ने उनसे अपना बकाया मांगा। ये खास तौर पर ग्रामीण इलाकों में हुआ। ऐसे कई मौके आए, जब सीएम के मंच के पास महिलाएं पैसे लेने पहुंच गईं।

पंजाब में आप का पुराना कार्यकर्ता इस बात से नाराज था कि उनके बजाय दूसरी पार्टियों से शामिल हुए कार्यकर्ताओं को तवज्जो दी जा रही है। सीएम भगवंत मान अपने विधायकों और कार्यकर्ताओं से तो मिलते भी नहीं थे। आप के पुराने कार्यकर्ता की इन तक पहुंच ही नहीं थी। दिल्ली में भी इन लोगों की कोई सुनवाई नहीं थी।

पंजाब में आप को अच्छा रिस्पॉन्स न मिलने की बड़ी वजह लॉ एंड आर्डर का ध्वस्त होना भी है। लोग आप सरकार से उम्मीद लगाए बैठे थे कि कानून व्यवस्था सुधारेगी। उसके ही पार्टी कार्यकर्ता और विधायकों पर खनन माफिया से दोस्ती के आरोप लगे। पंजाब का लॉ एंड आर्डर बेहतर होने के बजाय बिगड़ गया।

कैसे नदी में गिरे वीर्य से पैदा हुईं पांडवों की पड़दादी और अपूर्व सुंदरी सत्यवती

महाभारत दौर की कुछ कहानियां या घटनाएं ऐसी हैं कि जानकर कोई भी चकरा जाए। क्या आपको मालूम है कि पांडवों की पड़दादी सत्यवती कैसे पैदा हुईं। जानेंगे तो चकरा जाएंगे। ये सत्यवती वही थीं, जिन पर राजा शांतनु रीझ गए। तब भीष्म ने अपने पिता की शादी उनसे कराई। तभी भीष्म को ये भीष्म प्रतिज्ञा करनी पड़ी कि वो जीवन में कभी विवाह नहीं करेंगे। सत्यवती अपूर्व रूपवती थीं। उनके जन्म की कहानी बहुत अजीबगरीब है। ऐसी कि विश्वास नहीं होगा।

महाभारत की कहानी की शुरुआत जिस स्त्री से होती है, वो सत्यवती हैं, जिन्हें देखकर हस्तिनापुर के राजा शांतनु मोहित हो जाते हैं। बाद में सशर्त उनकी सत्यवती से शादी होती है, जिससे उनके दो बेटे होते हैं। ये होते हैं चित्रांगद और विचित्रवीर्य। फिर विचित्रवीर्य की पत्नियों से पांडु और धृतराष्ट्र का जन्म होता है। महाभारत में ऋषि व्यास इस कथा को कहते हैं।

उस समय चेदि नाम का एक देश होता था, जिसके पुरु वंश के राजा थे उपरिचर वसु। उपरिचर इंद्र के दोस्त थे। उनके विमान से ही वह आकाश का गमन किया करते थे, इसी वजह से उनका नाम उपरिचर पड़ गया।

उपरिचर की राजधानी के करीब शुक्तिमत नाम की नदी थी। एक दिन राजा शिकार खेलने गया। तभी वह अपनी रूपवती पत्नी गिरिका का स्मरण करने लगा। इससे वह कामासक्त हुआ। कथा कहती है, इससे उसका वीर्य स्खलित हो गया, उसने इसे एक बाज पक्षी को दिया और कहा कि इसे उसकी पत्नी तक पहुंचा दिया जाए।

वीर्य से नदी की मछली गर्भवती हो गई

जब बाज वहां से इसे लेकर उड़ा तो रास्ते में उस पर आक्रमण हो गया। नतीजतन ये वीर्य नदी में गिर गया। उस समय नदी में एक अप्सरा रहती थी, जिसका नाम अद्रिका था, वह ब्रह्मशाप के चलते मछली में बदल गई थी। नदी में ही अपना समय काट रही थी। उसने वह वीर्य ग्रहण कर लिया। जिससे वह गर्भवती हो गई।

जब देवव्रत को ये मालूम हुआ कि उसके पिता सत्यवती से विवाह करना चाहते हैं लेकिन इसमें अड़चन है तो वह खुद मछुआरे के पास पहुंचे और पिता के लिए उनकी बेटी का हाथ ही नहीं मांगा बल्कि भीष्म प्रतिज्ञा भी कर डाली।

मछली के गर्भ से मछुआरे को मिले एक लड़का और एक लड़की

दसवें महिने एक मछुवारे ने जाल फेंका। ये मोटी सी मछली उसके जाल में फंस गई। मछेरे को उस मछली के पेट से एक नवजात लड़का और लड़की मिले, जिसको वह राजा के पास ले गया। तभी अप्सरा शाप से मुक्त होकर आकाशमार्ग में चली गई। राजा उपरिचर ने मछुआरे से कहा, ये कन्या अब तुम्हारी ही रहेगी। लड़के को उसने अपने बेटे की अपना लिया, जो बाद मतस्य नाम का धार्मिक राजा हुआ।

वो लड़की ही सत्यवती यानि मतस्यगंधा थीं

अब आप सोच रहे होंगे कि इस लड़की का क्या हुआ। ये लड़की जैसे जैसे बड़ी होती गई, वैसे वैसे बहुत खूबसूरत होती गई। लेकिन चूंकि वह मछुआरों के साथ उन्हीं की बस्ती में रहती थी लिहाजा नाम मतस्यगंधा पड़ा। वही सत्यवती थी। उसके देह ऐसी सुगंध निकलती थी कि दूर दूर तक उसका भान हो जाता था। इसलिए उसका एक नाम योजनगंधा भी था।

इस तरह राजा शांतनु से सत्यवती की शादी हुई

एक दिन जब राजा शांतनु यमुना तट के करीब वन में थे तो उन्हें एक मोहक सुंगध का अहसास हुआ। जब उन्होंने सुगंध का पीछा किया तो ये एक रूपवती कन्या के पास जाकर खत्म हुई। वह सत्यवती थीं। राजा के पूछने पर उन्होंने अपना परिचय देते हुए कहा, मैं धीवर जाति की कन्या हूं। पिता के आदेशानुसार नाव चलाती हूं। शांतनु इस कन्या पर इतना मोहित हो गए कि उसका हाथ मांगने उसके पिता दासराज के पास जा पहुंचे।

जिंदगी हमेशा जीना सिखाती है कभी निराश नहीं होना

निराशा के क्षणों को कभी भी जीवन पर हावी न होने दें। बल्कि जीवन के हताशा भरे क्षणों से कुछ सीखने का प्रयास करें। इन लम्हों से उबरकर आगे बढ़ना और खुद को बेहतर बनाने की कोशिश ही हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

चाहे कामकाजी जीवन हो, व्यक्तिगत संबंध या फिर स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानियां, इन सभी कारणों से हमारे जीवन में निराशा के क्षण आते हैं। कुछ ऐसे क्षण जब हम अपनी शक्ति और सामर्थ्य को कम महसूस करने लगते हैं। खुद को असमर्थ और असहाय पाते हैं।

लगने लगता है कि हम जीवन को आगे ले जाने में खुद को सामर्थ्यवान नहीं पा रहे हैं। निराशा के ऐसे क्षण हमें अवसाद और दुख भी देते हैं। लेकिन निराशा को जीवन पर हावी होने दिया जाए तो जीवन की स्वाभाविक गति प्रभावित होने लगती है इसलिए उन पलों से बाहर आ जाने का अर्थ ही जीवन है। कई बार पूर्व में दुर्घटनाएं हमारे मन को अपने कब्जे में कर रखती हैं और हम खुद को उनसे मुक्त कर पाने में कठिनाई अनुभव करते हैं।

आगे बढ़ने की राह में वे सबसे बड़ी बाधा हैं। हार, असफलता और तकलीफों से उपजी निराशा को पीछे छोड़कर ही जीवन को अच्छे से जिया जा सकता है। अपनी निराशाओं से उबरने के लिए कुछ छोटे प्रयास कारगर सिद्ध हो सकते हैं।

अपेक्षाओं को कम रखें

इस बात का स्मरण रहे कि हमेशा ही जीवन में जीत नहीं मिलती है। हर उम्मीदवार को नौकरी नहीं मिल जाती है, हर काम पक्ष में ही नहीं हो पाता है। जीवन तो उतार चढ़ाव का नाम है। यहां हर तरह की स्थिति बनती है और आनंद भी इसी में है। इसलिए हर स्थिति में सहज रहना जरूरी है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि आप अपने लिए ऊंचे लक्ष्य तय ही न करें। अपने लक्ष्य ऊंचे रखें लेकिन उन लक्ष्यों के पूरा न होने पर भी जीवन को रुकने न दें।

किंग सोलोमन ने एक जगह लिखा है, जब मैं उन चीजों को देखता हूं जिन्हें पाने के लिए मैंने कडी मेहनत की तो वे सारी चीजें बहुत अर्थहीन नजर आती हैं... मुझे ऐसा लगता है मानो मैं हवा का पीछा कर रहा था। इसलिए अपनी अपेक्षाओं का एक संतुलन बनाना जरूरी है। उनके लिए प्रयास हो लेकिन प्रयास सफल न होने पर निराशा घर न करे। अपने मन का हो तो अच्छा और न हो तो और भी अच्छा के भाव से अपनी अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करें।

हार से सीखने का प्रयास करें

असफलता और हार भी हमें बहुत कुछ सीखने का मौका देती है। जब भी हम हारते हैं या निराश होते हैं तब हम धैर्य रखना सीखते हैं। हम सफलता के लिए अधिक उद्यत होते हैं। जब भी हार होती है तो उसे इस तरह ही देखें कि आपके प्रयास सफलता के लिए पर्याप्त नहीं थे और आपको सफलता के लिए और तैयारी की जरूरत है। निराशा में ही आशा छिपी होती है।

क्रिकेट के मैच में एक टीम हारती है लेकिन अगले मैच में वह इस हार को भुलाकर जीतने की कोशिश करती है। ऐसे भी पर्वतारोही हैं जिन्हें पर्वत ने कई बार हराया लेकिन उन्होंने जीत के लिए साहस नहीं हारा और अंततः पर्वत उनकी इच्छाशक्ति के आगे झुका। तो अपनी हार में उन कारणों को ढूंढने का प्रयास होना चाहिए जिनसे आप सफलता से दूर रहे और उन्हें सुधारने का प्रयास आपको विजेता बनाता है। जब आप एक एक करके अपनी कमजोरियों पर काम करते हैं तो आप खुद को विपरीत परिस्थितियों के योग्य बना लेते हैं।

मित्रों की लें मदद

जब भी जीवन में हताशा से सामना हो तो अपने मित्रों के साथ समय बिताएं। ऐसे समय जबकि आप हताशा महूसस कर रहे हैं तब खुद को दुनिया से अलग-थलग न कर लें क्योंकि इस तरह आप अपने ही विचारों में कैद हो जाते हैं। मित्र उन खिड़कियों की तरह होते हैं जिनसे जीवन में ताजी हवा आती है। चाहे कितनी भी विकट परिस्थिति क्यों न हो एक अच्छा मित्र आपको गहन निराशा के क्षणों से उबारने का काम करता है।

अक्सर हम परिवार के साथ बहुत सी बातें साझा नहीं कर पाते हैं क्योंकि उम्र और समझ का अंतर बीच में होता है लेकिन हमारे मित्र हमारी मनोस्थिति और हमारे बर्ताव को बेहतर तरीके से समझते हैं। वे हमारी जरूरतों से परिचित होते हैं और इसलिए उनके सामने अपनी पीड़ा कहने में किसी तरह की झिझक नहीं होना चाहिए। वे ठीक समाधान तलाशने में हमारी मदद करते हैं। एक अच्छा दोस्त विकट परिस्थितियों में हमारा सबसे बेहतर मार्गदर्शक होता है।

प्रिय चीजों से जुड़ें

जब भी आप कमजोर क्षणों से गुजरें तो उन चीजों से जुड़ें जो आपको खुशी देती हों। आपका आनंद चाहे जो हो उसमें डूबने की कोशिश करें। जब आप अपने आनंद के क्षेत्र में डूबेंगे तो निराशा से उबर जाएंगे। निराशा हम इसलिए महसूस करते हैं कि हमें जीवन का कोई अर्थ नजर नहीं आता है लेकिन जब हम अपनी रूचि की चीजों को देखते हैं तो जीवन के प्रति आशा बंधती है।

कोई अच्छी पुस्तक, कविता, संगीत, फिल्म या मनबहलाव का कोई भी अन्य माध्यम जो हमारा ध्यान निराशा के उन क्षणों से कहीं ओर ले जाता हो वह ऐसे समय में हमारा आश्रय बन सकता है और हमें राहत दे सकता है।

भूत ना भविष्य केवल वर्तमान

जब भी हम बीती चीजों के बारे में ज्यादा सोचते हैं तो मन में एक अजीब सी उदासी घर कर ही जाती है, इसी तरह भविष्य के बारे में सोचते हुए भी हम आशंकित और डरे हुए रहते हैं। इनका असर हमारे वर्तमान को खराब करता है। अगर हम आज में ही जिएं और आज हम क्या अच्छा कर सकते हैं उस विचार के साथ आगे बढ़ें तो शायद जीवन में निराशा के लिए कोई जगह नहीं होगी।

हम जो नहीं कर पाए उसके लिए उदास क्यों होना, हम आज जो कर सकते हैं उस पर बीते दिनों का असर आखिर क्यों आने देना चाहिए। बीती बातों को भुलाकर अगर आज में ही अपनी उर्जा लगाई जाए तो बेहतर नतीजे हमें आगे बढ़ने को ही प्रेरित करेंगे। कल में अटके रहकर हम अपने आज को भी प्रभावित करते हैं और आने वाले कल को भी।

सभी को प्रसन्न करना असंभव

जब आप अपने आसपास मौजूद सभी लोगों को प्रसन्न करने का प्रयास करते हैं तो इस तरह के लक्ष्य को कभी प्राप्त नहीं कर पाते हैं। ऐसे में निराशा आपको घेरे यह बहुत संभव है। इस तरह की स्थिति से उपजने वाली निराशा से खुद को बचाना हो तो आपको अपनी प्रसन्नाता के लिए काम करना चाहिए। अपनी प्राथमिकताएं तय करना बहुत जरूरी है। याद रहे जरूरत से ज्यादा वादे भी हमें हताशा की स्थिति में डाल सकते हैं।

किसी की मदद कीजिए

जब आप खिन्न या हताश महसूस कर रहे हैं तो अपने आसपास किसी की मदद करने का कोई अवसर तलाशिए। दूसरों के साथ जुड़िए। दूसरों की प्रसन्नता के लिए छोटा काम हाथ में लीजिए, आपको अपना जीवन अर्थवान नजर आने लगेगा।

जीवन मूल्यवान लगने लगेगा। हम अक्सर ढर्रे पर चलते हुए भी जीवन का मूल्यांकन करने में असमर्थ हो जाते हैं। हमें लगता है कि जीवन उतनी ही दूर तक है जितना हम देख पा रहे हैं लेकिन जीवन उससे भी आगे है, वहां भी जहां हम नहीं देख पा रहे।

हमेशा घेरे रहती है परेशानी और असफलता? ये 4 बुरी आदतें हो सकती हैं बड़ा कारण

हमारे बने-बनाए काम बिगड़ने लगते हैं. तो आइए जानते हैं भोपाल निवासी ज्योतिष आचार्य पंडित योगेश चौरे से ऐसी बुरी आदतों के बारे में, जो ग्रह दोष का कारण बन सकती हैं.

1. मदिरा (शराब) का सेवन करना

ज्योतिषाचार्य के अनुसार, अगर आप शराब का सेवन करते हैं और गरीबों को सताते हैं या उनके साथ बुरा व्यवहार करते हैं तो ये आदत आज ही छोड़ दें क्योंकि इससे आपकी कुंडली में शनि ग्रह कमजोर होता है. वहीं अगर किसी व्यक्ति की शनि की साढ़ेसाती या ढैय्या चल रही है तो उसे शराब का सेवन बिल्कुल नहीं करना चाहिए.

2. सुबह देर से उठना

कई लोगों की आदत होती है कि वे रात को देर से सोते हैं और फिर सुबह भी देरी से उठते हैं. लेकिन ये आदत आपकी कुंडली में सूर्य को कमजोर करती है. इससे सूर्य दोष उत्पन्न होता है. इसके साथ ही अगर आप अपने सूर्य को मजबूत करना चाहते हैं तो अपने वर्कप्लेस पर सहयोगियों का अपमान करने से बचें और पिता से हमेशा अच्छे रिश्ते बनाकर रखें, उन्हें मान-सम्मान दें.

3. बड़ों या गुरुजनों का अपमान करना

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति अपने गुरु या फिर घर के बड़े-बुजुर्गों का अपमान करता है तो उस व्यक्ति की कुंडली में गुरु दोष उत्पन्न हो सकता है. गुरु दोष होने से व्यक्ति को काम में सफलता नहीं मिल पाती और करियर में भी असफलता मिलती है, इसलिए अपने से बड़ों व गुरुजनों का सम्मान करना चाहिए.

4. जानवरों को ना सताएं

बेजुबान जानवरों को सताने से कुंडली में केतु ग्रह कमजोर होता है और जब केतु ग्रह कमजोर होता है तो इसके दुष्प्रभावों के कारण जीवन में अशांति फैलने लगती है. आपको मानसिक तनाव और कई तरह की परेशानियां घेर लेती है, इसलिए बिना वजह किसी निरीह जानवर को कभी ना सताएं.

लाल रंग का ही क्यों होता है कलावा

कलावा का रंग लाल इसलिए होता है क्योंकि लाल रंग को हिन्दू धर्म में शक्ति, उत्साह, सौभाग्य, प्रेम और खुशी का प्रतीक माना जाता है। इसलिए, लाल धागा विवाह, गृह प्रवेश, विशेष धार्मिक अनुष्ठानों जैसे नवरात्रि, दीपावली, करवाचौथ आदि के अवसर पर प्रयोग किया जाता है। इसके साथ ही ज्योतषि के अनुसार शरीर में कलाई को मंगल का स्थान माना जाता है। मंगल के स्वामी होती हैं हनुमान जी और हनुमान जी को लाल रंग बहुत पसंद है। यही कारण है कि कलाई पर लाल रंग का कलावा बांधा जाता है। वहीं कई मौके पर लाल के साथ पीला कलावा भी बांधा जाता है क्योंकि पीला रंग प्रकृति, सूर्य, ज्ञान, और सजीवता का प्रतीक माना गया है।

व्रत का संकल्प लेने से पहले भी कलावा बांधा जाता है। इस बात का ध्यान रखें कि ऐसा कलावा जिसका रंग उतर चूका हो या फिर जिस कलावे के धागे निकलने लगे हों, उसे अवश्य उतार दें। कलावे में लगने वाली गांठ में मां लक्ष्मी, मां सरस्वती और मां पार्वती का स्थान माना गया है।

ऐसे पहनना चाहिए कलावा

– कलावा हमेशा कसिी पंडति से या बड़े से बंधवाएं। कलावा बंधवाते वक्त अपना एक हाथ सरि पर रखना चाहिए।

– इसके साथ ही जिस हाथ की कलाई में कलावा बंधवाएं उसी हाथ की मुठ्ठी में कुछ धन दक्षणि स्वरूप जरूर रखना चाहिए।

– हाथ में कलावा 3, 5 या 7 बार लपेटा जाना चाहिए।

कलावा कैसे उतारना चाहिए

वैसे तो कलावा उतारने के लिए विभिन्न परंपराओं और क्षेत्रों में अलग-अलग रीति-रिवाज का पालन किया जाता है। कलावे को धारण करने से लेकर उसे उतारने तक से जुड़े कई नियम भी शास्त्रों में बताये गए हैं। मगर आमतौर पर जो बात कॉमन है, वह यह कि कलावे का रंग उतरने से पहले उसे उतार देना चाहिए। कलावा मंगलवार या शनविार के दनि उतारना चाहिए। आप कलावा उतारने के लिए यह कर सकते है।

1। कलावा उतारने के बाद उसे एक पेड़ के नीचे बांधने के साथ कुछ पुष्प रखे जाते हैं। कलावा को पेड़ के नीचे बांधने का मकसद परिवार के सदस्यों के लिए शांति तथा समृद्धि की कामना करना होता है।

2. कलावा को इधर-उधर फेंकने की बजाए नदी में प्रवाहित करना सही रहता है। नदी को पवित्र माना जाता है।

3. यदि आसपास नदी नहीं है तो उसे धूप और घी के साथ अग्नि में जला सकते हैं। अग्नि में कलावा जलाने के पीछे मान्यता है कि कलावा उतारने के बाद भी व्यक्ति जो अपने जीवन के कठिनाइयों को पार करने में जिस संबल की आवश्यकता है, वह उसे मिल सके।

4. यदि आर्थिक रूप से सक्षम हैं तो कलावा उतारने के साथ धान्य, फल, धन, या वस्त्र आदि का दान करें। ऐसा करने से पुण्य फल में वृद्धि होती है।

मां लक्ष्मी का आशीर्वाद चाहते हैं तो रसोई में खत्म न होने दें ये भोज्य पदार्थ

चावल- चावल भारतीय भोजन का एक अहम हिस्सा हैं। ऐसे में बहुत सारे घरों में चावल मुख्य रूप से रखे जाते हैं। वास्तु शास्त्र में माना जाता है कि रसोई में चावल खत्म होने पर शुक्र के दोष का सामना करना पड़ता है। साथ ही दांपत्य जीवन में कड़वाहट पैदा होती है।

हल्दी- रसोई के मसालों में शामिल हल्दी ऐसा मसाला है, जिसका इस्तेमाल लगभग सभी भोज्य पदार्थों में होता है। ज्योतिष में हल्दी को गुरु ग्रह से जोड़कर देखा जाता है। वास्तु के अनुसार, हल्दी को कभी भी रसोई से पूरी तरह खत्म नहीं होने देना चाहिए। रसोई में हल्दी की कमी से घर में नकारात्मकता बनती है और धन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

नमक- वास्तु में नमक को नेगेटिव पॉवर दूर करने वाला पदार्थ माना जाता है। ज्योतिष में नमक को राहु का प्रतिनिधित्व माना गया है।

घर की रसोई में नमक खत्म होने से आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता है और जीवन में बहुत सारी परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। ऐसे में अगर घर की रसोई में नमक का डिब्बा खाली है तो उसे तुरंत भर दें। नमक घर के कई वास्तु दोषों को दूर करता है।

आटा- वास्तु के अनुसार, घर की रसोई में कभी भी आटा खत्म नहीं होना चाहिए। हर घर में आटे का डिब्बा जरूर होता है। कुछ लोगों की आदत होती है कि आटे का डब्बा पूरी तरह से खाली होने के बाद ही उसे दोबारा भरते हैं। इस आदत को अच्छा नहीं माना जाता। ऐसा करने से घर में कलह-क्लेश बना रहता है। साथ ही समाज में मान-सम्मान कम होने लगता है।

जून में पांच बड़े ग्रहों की बदलेगी चाल, मेष-वृषभ सहित ये राशियां होंगी मालामाल

यह माह ग्रहों की दशा व गति के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस माह में शुक्र, सूर्य, शनि समेत पांच बड़े ग्रहों की गति, दशा व राशि में परिवर्तन हो रहे हैं। बुध, शुक्र, मंगल और सूर्य ग्रह अपनी राशि परिवर्तन करेंगे। वहीं, शनि अपनी राशि कुंभ में वक्री होंगे। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, इन 5 बड़े ग्रहों की हलचल का कृषि के क्षेत्र में सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। जोरदार वर्षा के योग बन रहे हैं। इसके चलते फसल भी अच्छी होगी। सभी 12 राशियों पर असर पड़ेगा, इनमें पांच पर विशेष सकारात्मक असर पड़ेगा।

ग्रहों की हलचल

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार एक जून को मंगल का मेष राशि में प्रवेश हो चुका है। दो जून को बुध ग्रह वृषभ राशि में अस्त व तीन जून को बृहस्पति का वृषभ राशि में उदय हुआ है। 12 जून को शुक्र ग्रह का मिथुन राशि में प्रवेश होगा। 14 जून की रात 10.55 बजे बुध का मिथुन राशि में और 15 जून को सूर्य का मिथुन राशि में प्रवेश होगा। इसके बाद 29 जून को शनिदेव कुंभ राशि में वक्री (उल्टी) चाल चलेंगे। इससे पहले 27 जून को बुध का मिथुन राशि में उदय और 29 जून को बुध का कर्क राशि में प्रवेश होगा। इस तरह इस माह में कुल पांच ग्रहों की गतियां बदल जाएगी।

सिंह राशि के जीवन में सकारात्मक बदलाव

शनि की उल्टी चाल का असर कन्या राशिवालों पर सकारात्मक हो सकता है। जो लोग काफी समय से नौकरी की तलाश में थे, उनके लिए जून में सुनहरा मौका आने वाला है। वेतन बढ़ सकता है।

पांच बड़े ग्रहों के राशि परिवर्तन का प्रभाव वृषभ राशि के लोगों के लिए सकारात्मक होगा। शुक्र जीवन को सुख और सुविधाओं से भर सकता है। वहीं सूर्य का शुभ प्रभाव करियर में नई उड़ान भर सकता है। बुध के सकारात्मक असर से आमदनी बढ़ेगी।

ग्रहों के राशि परिवर्तन का शुभ प्रभाव धनु राशि के जीवन में होगा। जून में किस्मत मेहरबान रहेगी। धन की आवक अच्छी होगी। कोई बड़ी डील लग सकती है, जिससे भाग्य ही बदल सकता है।

मेष राशि के जातकों लिए शुभ फलदायी

जून में बुध, शुक्र, मंगल और सूर्य का राशि परिवर्तन मेष राशि के लिए शुभ फलदायी होने वाला है। जो लोग नए काम की तलाश में हैं या वे अपने काम का विस्तार करना चाहते हैं, वे उसमें सफल हो सकते हैं। जून का महीना मेष राशि के लिए उन्नतिदायक हो सकता है।

क्या करूं मुझसे जलते हैं लोग : मलाइका अरोड़ा

शानदार फिटनैस और कमाल के फिगर के साथ-साथ डांस से लेकर खुद से सालों छोटे अर्जुन कपूर के साथ रोमांस और इन दिनों उससे कथित ब्रेकअप को लेकर चर्चा में रहने वाली मलायका अरोड़ा को सबसे पहले 'छैया छैया' गाने से पहचान मिली थी। मलायका के डांस को हमेशा से ही काफी पसंद किया जाता है। जब स्क्रीन पर उसके स्टाइल की बात आती है, तो उसके नाम कई डांस नंबर हैं। उसने 'मुन्नी बदनाम हुई', 'काल धमाल', 'होंठ रसीले', 'अनारकली डिस्को चली' जैसे कई आइटम नंबर्स में काम किया है।

मलायका खुद को 'भाग्यशाली' कहती है कि उसे हमेशा उन सांग्स को करते समय प्रयोग करने की पूरी छूट मिली। उसने कहा, कोई भी गाना करते समय, आपके निर्देशक और कोरियोग्राफर गाने के मूड और आपसे क्या चाहते हैं, इस बारे में बहुत स्पष्ट होते हैं लेकिन अंत में, मैं हमेशा उसमें अपनापन लाती हूं, चाहे वह कुछ भी हो, चाहे वह बालों, आभूषणों या किसी अन्य तत्व के मामले में हो।

किसी न किसी वजह से सुर्खियों में बनी रहने वाली मलायका कभी अपने रिलेशनशिप के चलते तो कभी अपने चलने के तरीके को लेकर सोशल मीडिया पर ट्रोल हो जाती है। हाल ही में सोशल मीडिया पर कुछ लोगों का कहना था कि उसकी बत्तख जैसी चाल या यूं कहें कि 'डक वॉक' काफी अजीब है। मलायका ने ट्रोलर्स को ऐसा जवाब दिया कि सबकी बोलती बंद हो गई। उसने अपने शो' मूविग इन विद मलायका' में स्टैंड अप कॉमेडी के दौरान ट्रोलर्स को फटकार लगाते हुए अपने कॉन्फिडेंस से सबका दिल जीत लिया। मलायका ने कहा, इस देश में लोग तीन चीजों को लेकर दीवाने हैं, जिनमें महिलाओं की 'ऐज शेमिंग' (बढ़ती उम्र) भी शामिल है और खासकर उन्हें निशाना बनाना आम सी बात है। मेरी उम्र को लेकर लोग इतने दीवाने से हैं कि मैं क्या कहूं। कभी वे कहते हैं बुढ़िया या आंटी, लेकिन अब मुझे समझ आ गया है कि यह इसलिए नहीं है कि मैं बूढ़ी हो रही हूं, यह इसलिए है क्योंकि मैं बढ़ती उम्र में भी इतनी अच्छी लगती हूं।

वहीं अपनी अलग तरह की चाल पर उसने कहा, अगर मेरे पास टाइट 'बट' (नितम्ब) हैं, जिन पर मैं सात कोर्स मील सर्व कर सकती हूं, तो डक (बत्तख) की तरह चलने में क्या परेशानी है। मैं डक क्या, बिल्ली, चीता की तरह भी चल सकती हूं। मलायका मानती है कि लोग उससे जलते हैं कि वे अपने बुढ़ापे को खुलकर नहीं जी पा रहे और वह बढ़ती उम्र में आज भी शानदार दिखती है। गौरतलब है कि यूं तो मलायका की उम्र 50 है, लेकिन उसने खुद को इतना फिट रखा है कि उसे देख कर इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। लोगों को इस बात से दिक्कत है कि वह इस उम्र में भी इतनी परफैक्ट कैसे है, इसीलिए उसे ट्रोल किया जाता है लेकिन उसको खुद पर कॉन्फिडेंस है और वह इन बेकार की बातों को अपने पर हावी नहीं होने देती।

स्टाइल पर बोली

जब स्टाइल की बात आती है, तो मलायका से बेहतर कोई नहीं कर सकता। वह कहती है, स्टाइल एक ऐसी चीज है जो आपके अंदर होती है, या तो यह आपके पास होती है, या नहीं। हर किसी का अपना एक स्टाइल होता है और आपको इसे बनाए रखना होता है। मेरा स्टाइल आसान है, फिर भी इसमें बहुत कांफी डैस का भाव है। यह थोड़ा सैक्सी है, बहुत दबंग नहीं। मैं चीजों को लेकर बहुत स्पष्ट हूं, और मैं ऐसी ही हूं।

ट्रोलर्स को दिया करारा जवाब : दिव्या

दिव्या अग्रवाल हमेशा से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रही है। वह अपनी लव लाइफ के बारे में हमेशा से फैन्स के साथ सोशल मीडिया पर शेयर करती रही है। हाल ही में उसने अपूर्व पडगांवकर के साथ शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया से हटा दीं, जिसके बाद उसके तलाक की खबरें आने लगी थीं। दिव्या को इसके लिए बहुत ट्रोल भी किया गया लेकिन उसने ट्रोल करने वालों को करारा जवाब दिया और अपने तलाक की खबरों को अफवाह बताया।

उसने बताया कि अपने काम को हाइलाइट करने के लिए उसने इंस्टाग्राम अकाऊंट को फिल्टर करने का फैसला लिया था। अब उसने अपनी शादी की वीडियो शेयर कर दी है, जिसके बाद सारे ट्रोलर्स शांत हो गए हैं। वीडियो में वह कभी खुशी से झूमती नजर आ रही है तो कभी इमोशनल हो रही है।

दिव्या ने वीडियो में खुलासा किया कि उसने अपनी वरमाला खुद अपने हाथों से बनाई थी। उसने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, नई शुरुआत के लिए...। इस वीडियो पर लोग ढेर सारे कमैंट कर रहे हैं। एक ने लिखा, तुम दोनों साथ में कितने प्यारे लगते हो।

दिव्या और अपूर्व की लव स्टोरी दिव्या और अपूर्व की लव स्टोरी की बात करें तो यह कपल ब्रेकअप के बाद फिर एक हुआ था। दिव्या ने प्रियांक शर्मा और वरुण सूद से पहले अपूर्व को साल 2015 में डेट किया था। हालांकि, उस वक्त किसी वजह से दोनों का ब्रेकअप हो गया था और दिव्या अपनी जिंदगी में आगे बढ़ गई थी लेकिन साल 2022 में वरुण से अलग होकर दिव्या ने फिर से अपने एक्स ब्वॉयफ्रेंड अपूर्व का हाथ थामा और इसी साल 20 फरवरी को शादी की थी।

काम 'जिंदगी' में सब कुछ नहीं है : आलिया

आलिया भट्ट ने शानदार अभिनय के दम पर साबित किया है कि उसे फिल्म इंडस्ट्री में कामयाबी केवल इसलिए नहीं मिली कि वह महेश भट्ट और सोनी राजदान की बेटी है, वल्कि इसलिए मिली क्योंकि वह वास्तव में अभिनय करना जानती है।

रणबीर कपूर के साथ आलिया अब शादीशुदा जीवन गुजार रही है और एक बेटी की गां भी बन चुकी है लेकिन वह और उसका पति अपनी पर्सनल और प्रोफैशनल लाइफ में संतुलन बैठाना बखूबी जानते हैं। फिल्मों की शूटिंग के बीच जब भी वक्त मिलता है, दोनों एक-दूसरे के साथ समय गुजारना पसंद करते हैं। खुशी के साथ- साथ दोनों असफलता में भी एक- दूसरे का सहारा बनते हैं।

इसी बारे में आलिया ने एक इंटरव्यू में बताया कि यह और रणबीर सफलता और असफलता को कैसे सम्भालते हैं। आलिया का कहना है कि वे दोनों एक दूसरे से बिल्कुल अलग हैं और दोनों का हो हालात से निपटने का तरीका भी एकदम अलग होता है।आलिया ने कहा, रणबीर और मैं चीजों को अलग तरीके से संभालते हैं।

मैं बहुत जल्दी परेशान हो जाती हूं। मैं थोड़ी 'ओवरधिकर' (ज्यादा सोचने वाली) हूं, जबकि वह चीजों को पीछे छोड़कर जल्दी आगे बढ़ जाते हैं। यही अंतर है, जो हमें एक-दूसरे का समर्थन करने और उस समय चीजों को संतुलित करने में मदद करता है, जब इसकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है। हम दोनों बहुत प्यार और बेहद सम्मान के साथ काम पर फोकस करना पसंद करते हैं। हम ऐसे काम करते हैं, जैसे यह हमारे जीवन का एक हिस्सा है। यह बहुत अहम हिस्सा है, लेकिन पूरी जिंदगी का नहीं।

आलिया की अगली फिल्में

पिछली बार फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में नजर आई आलिया के पास फिल्मों की कमी नहीं। सितम्बर में वह फिल्म 'जिगरा' में दिखाई देगी। वह इस फिल्म का सह-निर्माण भी कार रही है। उसके पास संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लब एंड वॉर' और 'ब्रह्मास्त्र पार्ट 2' भी है। इन दोनों ही फिल्मों में वह रणवीर के साथ नजर आने वाली है।

जासूस बनने की तैयारी

कुछ सूत्रों के अनुसार वह जल्द ही यश राज फिल्म्स की एक जासूसी फिल्म में नजर आ सकती है। उसके साथ फिल्म में शरवरी वाघ भी नजर आएगी। अब सोशल मीडिया पर उसकी एक तस्वीर वायरल हो रही है, जिसमें वह एक युवती के साथ दिख रही है। दावा किया जा रहा है कि वह लड़की यश राज फिल्म्स में काम करती है। उधर, आलिया के प्रशंसकों ने अटकलें लगानी शुरू कर दी हैं कि यह तस्वीर यशराज बैनर की आगामी जासूसी फिल्म के तैयारी के दौरान की है। जुलाई से शुरू होगी शूटिंग कहा जा रहा है कि आलिया फिल्म में एक जासूस या फिर सैनिक की भूमिका में नजर आएगी और इसके लिए वह दो महीनों से तैयारी कर रही है। उम्मीद है कि फिल्म को शूटिंग जुलाई से शुरू हो जाएगी। लंदन फैशन शो में हुई शामिल्न आलिया हाल ही में' गुच्ची कूज 2025 फैशन शी' में शामिल हुई। इवेंट में आलिया ब्लैक ट्यूब हैस पहने नजर आई। इस आऊटफिट में वह बेहद खूबसूरत दिखाई दी। बता दें कि आलिया गुच्ची की ग्लोबल एम्बेसेडर है। इस इवेंट में आलिया के साथ अभिनेता पॉल मेस्कल, सिंगर दुआ लिपा, सिंगर डेविका होनें और सिंगर डेबी हैरी जैसे नामचीन सितारे शामिल हुए। इससे पहले' मेट गाला 2024 में आलिया फेमस डिजाइनर सब्यसाची की वलासिता शिमरी साड़ी पहने नजर आई थी।

'जन्म-जन्म' वाले प्यार में विश्वास करती हूं : श्रद्धा कपूर

श्रद्धा हाल के दिनों में राहुल मोदी के साथ अपने कथित रोमांस के लिए सुर्खियों में रही है। हालांकि, दोनों ने अपने रिश्ते की पुष्टि नहीं की है, लेकिन जब प्रशंसकों ने उनकी छुट्टियों की तस्वीरों में समानताएं देखी, तो अटकलें तेज हो गईं।

मुम्बई में जन्मी श्रद्धा कपूर अपने जमाने के लोकप्रिय अभिनेता शक्ति कपूर और शिवांगी कपूर की बेटी है। उसका एक बड़ा भाई सिद्धार्थ कपूर भी है लेकिन उसे अपने पिता या बहन श्रद्धा की तरह फिल्मों में कामयाबी नसीब नहीं हो सकी। श्रद्धा ने अपने अभिनय करियर की शुरूआत फिल्म 'तीन पत्ती' से की थी। फिल्म तो अधिक नहीं चली लेकिन श्रद्धा के अभिनय को सराहा गया और उसे नवोदित अभिनेत्री के तौर पर फिल्मफेयर अवार्ड के लिए भी नामांकित किया गया।

इसके बाद फिल्म 'आशिकी 2' ने उसे असली पहचान और लोकप्रियता दिलाई, जिसके बाद उसे पीछे मुड़ कर नहीं देखना पड़ा। अब तक की उसकी प्रमुख फिल्मों में 'एक विलेन', 'हैदर', 'एबीसीडी 2', 'बागी', 'हाफ गर्लफ्रेंड', 'छिछोरे', 'स्त्री', 'तू झूठी मैं मक्कार' जैसी कई सफल फिल्में शामिल हैं।

पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में श्रद्धा हाल के दिनों में राहुल मोदी के साथ अपने कथित रोमांस के लिए सुर्खियों में रही है। हालांकि, दोनों ने अपने रिश्ते की पुष्टि नहीं की है, लेकिन जब प्रशंसकों ने उनकी छुट्टियों की तस्वीरों में समानताएं देखीं, तो अटकलें तेज हो गई।

लगभग एक महीने पहले, श्रद्धा ने एक इंस्टाग्राम फोटो शेयर की थी, जिसमें वह एक सुरम्य पहाड़ की पृष्ठभूमि के साथ सोफे पर बैठी हुई थी। तेज नजर वाले उसके कुछ फैन्स ने जल्द ही राहुल मोदी की बहन सोनिका द्वारा पोस्ट की गई एक तस्वीर देखी, जिसमें राहुल भी इसी तरह की पृष्ठभूमि में था। इस खोज ने अफवाहों को हवा दी कि दोनों एक साथ छुट्टियां मना रहे थे, जिससे उनके संभावित रोमांस के बारे में अटकलें और तेज हो गई हैं।

राहुल एक पटकथा लेखक है, जो ' प्यार का पंचनामा 2', 'सोनू के टीटू की स्वीटी' और 'तू झूठी मैं मकार' जैसी सुपरहिट फिल्मों में अपने काम के लिए जाना जाता है। श्रद्धा ने रणबीर कपूर के साथ फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' में अभिनय किया था। इस फिल्म के निर्माण के दौरान ही श्रद्धा और राहुल कथित तौर पर करीब आए और उन्हें प्यार हो गया। हालिया रिपोर्टों से यह संकेत भी मिलता है कि श्रद्धा की अगली फिल्म को राहुल मोदी का समर्थन प्राप्त होगा। अभी इस फिल्म के बारे में अधिक विवरण उपलब्ध नहीं है लेकिन एक सूत्र के अनुसार, बातचीत शुरुआती चरण में है, इसलिए अनिश्चित है कि क्या यह श्रद्धा की अगली परियोजना होगी। फिर भी, श्रद्धा इस फिल्म को लेकर उत्सुक है और राहुल की प्रोडक्शन कम्पनी के साथ इसका सह-निर्माण करने की योजना बना रही है।

प्यार पर श्रद्धा की राय गत दिनों एक इंटरव्यू में श्रद्धा से पूछा गया कि प्यार के बारे में वह क्या सोचती है तो उसका कहना था, मैं जन्म-जन्म वाले प्यार में यकीन करती हूं। मुझे परी कथाओं वाला प्यार आकर्षित करता है। मैं 'आइडिया ऑफ लव' में विश्वास करती हूं। इस तरह के प्यार को लोग 'ओल्ड स्कूल' भी मानते हैं।

दिखाए अंग्रेजी बोलने के चार लहजे ब्रिटिश, फ्रेंच, रूसी, अमरीकी

श्रद्धा इन दिनों एक नए विज्ञापन में नजर आ रही है, जिसमें उसने अलग-अलग लहजे में बात करने के साथ अपनी प्रभावशाली बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उसने एक नई लिपस्टिक का प्रचार करते हुए अमरीकी, ब्रिटिश, फ्रेंच और रूसी लहजे में सहजता से बात करते हुए प्रशंसकों को आश्चर्यचकित कर दिया। इससे पहले श्रद्धा ने कपिल शर्मा शो में भी अपने बात करने के अलग-अलग लहजे के कौशल का प्रदर्शन किया था। अब नया विज्ञापन उसकी इस प्रतिभा की एक विस्तृत और आकर्षक झलक पेश करता है।

इस विज्ञापन ने उसके फैन्स को काफी प्रभावित किया है। उसके वीडियो को देख कर सोशल मीडिया पर एक फैन ने लिखा, कोई इन्हें कॉमेडी फिल्म में कास्ट करो तो एक अन्य ने लिखा, आपका बोलने का लहजा बेहतरीन है।

अगली फिल्म

श्रद्धा की अगली फिल्म अमर कौशिक द्वारा निर्देशित बहुप्रतीक्षित हॉरर कॉमेडी 'स्त्री 2' है। यह उसकी सुपरहिट फिल्म 'स्त्री' की सीक्वेल है, जिसमें उसने एक चुड़ैल का रोल किया था।

यूं रहती है फिट

श्रद्धा बॉलीवुड की सबसे फिट अभिनेत्रियों में से एक है और उसका फिगर इतना अच्छा है कि वह फिल्मों में बिकिनी अवतार में भी बहुत सहज और सुंदर नजर आती है।

अपनी फिटनैस का राज पूछे जाने पर वह कहती है, मुझे खाने का बहुत शौक है, मगर मैं जिम में बहुत ज्यादा मेहनत भी करती हूं। मैं रोज 'बर्षी एक्सरसाइज' के सौ काऊंट करती हूं। मुझे नहीं पता कि लोग 'बर्षी एक्सरसाइज' के बारे में कितना जानते हैं, मगर यह खास तरह की एक्सरसाइज होती है, मैं एक बार में सौ लगा लेती हूं। अपनी फिटनैस के लिए अपनी ट्रेनर को भी बहुत क्रैडिट देती हूं तो मैं वड़ा-पाव, मिसल पाव और छोले-भटूरे खूब खाती हूं। मैं बहुत फूडी हूं, मगर किरदार की मांग को देखते हुए मैं जिम में पसीना बहाने से गुरेज नहीं करती।

फिल्में देखने के शौक पर बोली

उसे फिल्में देखना काफी पसंद है। वह बताती है, मैं तो फिल्मों और सिनेमा की पक्की दीवानी हूं। मुझे थिएटर में समोसा और पॉपकॉर्न खाकर फिल्म देखना ही पसंद आता है। मैं अच्छी व दमदार कंटेंट वाली फिल्मों का हिस्सा बनना चाहती हूं और इसके लिए मेहनत करने को कटिबद्ध हूं।

मेरा सपना' सच हुआ : निम्रत कौर अहलूवालिया

थ्रिलर ड्रामा के साथ फिल्मों की दुनिया में कदम रखने के लिए पूरी तरह तैयार निम्रत कौर अहलूवालिया ने बताया कि फिल्म के लिए रोल पाना जबरदस्त अनुभव था। निम्रत ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत टी.वी. शो 'छोटी सरदारनी' से की थी। वह रियलिटी शो 'बिग बॉस' के सीजन 16 में भी नजर आई और फिलहाल वह 'खतरों के खिलाड़ी' के 14वें सीजन के लिए रोमानिया रवाना हो गई है। उसकी फिल्म, जिसका नाम अभी तय नहीं हुआ है, अजय राय के प्रोडक्शन हाऊस, जार पिक्चर्स के बैनर तले बन रही है। निम्रत ने कहा, ₹बिग बॉस में अपनी जर्नी के बाद, मैं अपने एक्टिंग करियर में नए रास्ते तलाशने के लिए काफी एक्साइटेड हूं और यह प्रोजेक्ट सही अवसर पेश करता है।

ऐसी टैलेंटेड टीम और मशहूर डायरैक्टर के साथ काम करना वास्तव में एक सपने के सच होने जैसा है। उसने कहा, मेरे एजेंट ने अजय से मिलवाया और उन्होंने इस रोल के लिए मुझे चुना। कई राऊंड ऑडिशन होने के बाद, उन्हें यकीन हो गया कि मैं उनकी फिल्म से बड़े पर्दे पर डेब्यू के लिए बिल्कुल सही हूं। फिल्म में रोल मिलना मेरे लिए खास एक्सपीरियंस है। यह थ्रिलर ड्रामा है, जिसकी कहानी के बारे में जानकारी अभी गुप्त रखी गई है। इसकी शूटिंग इस साल की तीसरी तिमाही में शुरू होने वाली है।

हमको कभी हार नहीं मानना चाहिए : सरगुन मेहता

सरगुन मेहता अपने प्रोडक्शन में बने नए शो 'बादल पे पांव है' को लेकर उत्साहित है। इसमें पंजाब की एक महत्वाकांक्षी लड़की की कहानी दिखाई गई है, जो अपने परिवार को बेहतर जीवन देने के लिए शेयर बाजार में अपना करियर बनाती है।

सरगुन इस शो की कहानी के बारे में बात करते हुए कहती है, ₹मेरा दृढ़ विश्वास है कि बिना लक्ष्य के जीवन में कुछ भी हासिल करना मुश्किल है। महत्वाकांक्षा का मतलब है लक्ष्य निर्धारित करना और उसे पाने के लिए कोशिश करना। यह एक बार की बात नहीं है; एक लक्ष्य प्राप्त करने का मतलब यह नहीं है कि आपको वहीं रुक जाना चाहिए। यह लगातार नए लक्ष्य निर्धारित करने और जीवन से हार न मानने के बारे में है।

जब आप अपना लक्ष्य बदलते हैं तो कुछ लोग इसे लालच कह सकते हैं, लेकिन यह वास्तव में समझौता न करने और हमेशा अधिक के लिए प्रयास करने के बारे में है। जीवन में आगे बढ़ने का मतलब है लगातार सीखना और यह महसूस करना कि हमेशा हासिल करने के लिए कुछ है, इसलिए अगर परिस्थितियों के अनुसार खुद का मूल्यांकन करना और खुद को नया रूप देना लालच कहलाता है, तो भी पीछे न हटें। पंजाबी फिल्मों और टी.वी. शो जैसे 'काला शाह काला', 'झल्ले', 'उडारियां' और ' जुनूनियत' का निर्माण करने वाली सरगुन ने कहा, मुझे अब एहसास हुआ है कि निर्माण में मेहनत नहीं दिखती। एक कलाकार के तौर पर जब मैं सैट पर आती हूं तो मुझे लगता है, 'मेरे पास करने के लिए बहुत काम है' लेकिन यूनिट, निर्माता और क्रिएटिव टीम जैसे अन्य लोग हैं, जो महीनों या सालों से इस पर काम कर रहे होते हैं।

'श्रीलंका ने ऋण पुनर्गठन के मोर्चे पर मजबूत प्रगति की'

बेलआउट कार्यक्रम की समीक्षा से पहले आईएमएफ

कोलंबो, 8 जून (एजेंसियां)। नकदी संकट से जूझ रही श्रीलंका की अर्थव्यवस्था में हाल ही में पहली बार सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई थी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अब श्रीलंका की तारीफ की है। आईएमएफ का कहना है कि देश में व्यापक आर्थिक नीति में सुधार के परिणाम मिलने शुरू हो गए हैं। साथ ही उम्मीद जताई है कि देश जल्द ही बाहरी वाणिज्यिक ऋणदाताओं के साथ समझौते पर पहुंच जाएगा।

श्रीलंका को कई मोर्चों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ा

बता दें, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने शुक्रवार को श्रीलंका के लिए 2.9 अरब डॉलर के बेलआउट कार्यक्रम की दूसरी समीक्षा से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह बात कही। आईएमएफ के संचार विभाग की निदेशक जूली कोजैक ने कहा कि व्यापक आर्थिक नीति से श्रीलंका की अर्थव्यवस्था में सुधार देखा जा रहा है। पिछले कुछ सालों से श्रीलंका को कई मोर्चों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। देश में आर्थिक संकट गहराया तो भोजन, बिजली, ईंधन और मूलभूत सुविधाओं की कमी हो गई थी। अब श्रीलंका ने ऋण पुनर्गठन के मोर्चे पर पर्याप्त रूप से मजबूत प्रगति की है। दूसरी समीक्षा के लिए देरी होने पर उन्होंने कहा कि द्वीप देश का कार्यक्रम प्रदर्शन मजबूत है। हालांकि, कुछ क्षेत्रों में अभी भी सुधार की जरूरत है और यह किए भी जा रहे हैं।

12 जून को होगी दूसरी समीक्षा

श्रीलंका के 2.9 अरब डॉलर के बेलआउट पैकेज के तहत आईएमएफ की विस्तारित कोष सुविधा की दूसरी समीक्षा 12 जून को होगी। कोजैक ने पुष्टि की कि आईएमएफ का कार्यकारी बोर्ड दूसरी समीक्षा और अनुच्छेद IV परामर्श पर चर्चा करने के लिए बैठक करेगा। बता दें, आईएमएफ के समझौते के अनुच्छेद IV के तहत, वैश्विक ऋणदाता सदस्यों के साथ द्विपक्षीय चर्चा करता है। आमतौर पर हर साल एक कर्मचारियों की टीम देश का दौरा करती है, आर्थिक और वित्तीय जानकारी एकत्र करती है और अधिकारियों के साथ देश के आर्थिक विकास और नीतियों पर चर्चा करती है। कोजैक ने कहा, 'श्रीलंका में हम देखते हैं कि व्यापक आर्थिक नीति में सुधार के परिणाम मिलने शुरू हो गए हैं।' आईएमएफ द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि कार्यकारी बोर्ड द्वारा समीक्षा का काम पूरा होने के बाद श्रीलंका को 33.7 करोड़ डॉलर पहुंचाए जाएंगे।

भारत ने मई में 722 करोड़ रुपए का सोना खरीदा

› पूरी दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा खरीदार, स्विटजरलैंड इसमें टॉप पर

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई ने मई में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सोना खरीदार रहा। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक, बीते माह भारत ने करीब 722 करोड़ रुपए का सोना खरीदा। सिर्फ स्विटजरलैंड और चीन ने भारत से ज्यादा गोल्ड खरीदा। बीते 5 वित्त वर्षों में भारत ने अपने गोल्ड रिजर्व में करीब 204 टन सोने की बढ़ोतरी की। मार्च 2019 में देश का गोल्ड रिजर्व 618.2 टन था, जो 31 मार्च 2024 को 33% बढ़कर 822.1 टन हो गया। हालांकि, इस दौरान सोने की कीमतों में करीब 70% की बढ़ोतरी हुई है।

सोने की बढ़ती कीमतों की वजह से बीते माह ग्लोबल गोल्ड मार्केट में औसत दैनिक ट्रेडिंग वॉल्यूम 18 लाख करोड़ रुपए रहा। यह अप्रैल 2024 की तुलना में 13% कम, लेकिन 2023 के औसत 13.6 लाख करोड़ रुपए रोजाना से 32.51% ज्यादा है।

तीसरे महीने बढ़ी सोने की कीमत, पर शुक्रवार को गिरावट

मई में लगातार तीसरे महीने सोने की कीमतें बढ़ीं। पर शुक्रवार को देश में जेवराती सोना (22 कैरेट) 773 रुपए प्रति 10 ग्राम घटकर 65,872 रुपए पर आ गया। 24 कैरेट सोना का भाव भी गुरुवार के मुकाबले 844 रुपए घटकर 71,913 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया।

सोना आर्थिक स्थिरता रखता है, इसलिए भंडार किया जाता है यदि किसी देश की करेंसी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कमजोर होती है, तो सोने का भंडार उस देश की क्रय शक्ति और उसकी आर्थिक स्थिरता को बनाए रखने में मदद करता है। 1991 में जब भारत की इकोनॉमी डूब रही थी और उसके पास सामान इंपोर्ट करने के लिए डॉलर नहीं थे तो उसने सोने को गिरवी रख पैसे जुटाए थे और इस फाइनेंशियल क्राइसिस से बाहर आया था।

बहुत अधिक भंडार होने का मतलब है कि देश की अर्थव्यवस्था मजबूत है। यह भी पता चलता है कि वह देश अपने धन का अच्छी तरह से प्रबंधन करता है। ऐसे में अन्य देश और ग्लोबल फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन उस देश पर ज्यादा भरोसा करते हैं। गोल्ड रिजर्व किसी भी देश की करेंसी वैल्यू का सपोर्ट करने के लिए एक सॉलिड एसेट प्रदान करता है।

इस साल सोने में अब तक 8 हजार रुपए से ज्यादा की तेजी इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार इस साल अब तक सोने के दाम 8,561 रुपए बढ़ चुके हैं। 1 जनवरी को सोना 63,352 रुपए पर था, जो अब 71,913 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है। वहीं एक किलो चांदी के दाम 73,395 रुपए से बढ़कर 90,535 रुपए पर पहुंच गए हैं।

एलन मस्क ने पीएम मोदी को दी शानदार जीत की बधाई

भारत में काम करने को लेकर दिखे उत्सुक

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के नतीजों में एनडीए को बहुमत मलि गया है. एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों में देश की जिम्मेदारी है. दुनिया के अरबप कारोबारी और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने पीएम मोदी को लोकसभा चुनाव जीतने के बाद फिर से सत्ता में आने पर बधाई दी है. मस्क ने कहा वह उम्मीद करते हैं कि आने वाले समय में उनकी कंपनियां भारत में 'शानदार काम' करेंगी। मस्क ने सोशल नेटवर्कगि वेबसाइट X (पूर्व में ट्वविटर) पर लिखा, 'दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक चुनावों में आपकी जीत पर बधाई! मुझे उम्मीद है कि मेरी कंपनियां भारत में अच्छा काम करेंगी.' आपको बता दें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को नरेंद्र मोदी को मनोनीत प्रधानमंत्री के रूप में नामित किया।

सरकारी कंपनियों ने बांटे 1.5 लाख करोड़ रुपये, भर दी निवेशकों की झोली

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। देश की इकोनॉमी मजबूती से आगे बढ़ रही है. हाल ही में जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार 8.2 फीसदी रही है. रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने भी मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के बाद जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 7 फीसदी से बढ़ाकर 7.2 फीसदी कर दिया है. पिछले वित्त वर्ष में सरकार द्वारा पूंजीगत व्यय बढ़ाने के चलते सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां भी लाभ में रही हैं. इसके चलते उन्होंने लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड डिविडेंड बांटा है. सरकारी कंपनियों की ऑर्डर बुक भी मजबूत है. देश में लिस्टेड सरकारी कंपनियों ने वित्त वर्ष 2022-23 में 1.07 लाख करोड़ रुपये का डिविडेंड बांटा था।

सरकारी कंपनियों का नेट प्रॉफिट 5.3 लाख करोड़ रुपये रहा

सीएनबीसी टीवी 18 की रिपोर्ट के अनुसार, सभी सरकारी कंपनियों का कुल नेट प्रॉफिट वित्त वर्ष 24 में 44.3 फीसदी बढ़कर 5.3 लाख करोड़ रुपये हो गया है. पिछले वित्त वर्ष के दौरान डिविडेंड के आंकड़े में 36.1 फीसदी का उछाल आया है. इस अवधि में डिविडेंड पेआउट रेश्यो 27.6 फीसदी रहा है. डिविडेंड पेआउट रेश्यो में नेट प्रॉफिट के उस हिस्से को मापा जाता है, जो किसी कंपनी ने अपने शेयरधारकों को डिविडेंड के तौर पर बांटा है।

बेहतर डिविडेंड देने के लिए जानी जाती हैं सरकारी कंपनियां

सरकारी कंपनियों को हमेशा से अपने शेयरधारकों को बेहतर डिविडेंड देने के लिए जाना जाता है. सरकार के पास इन कंपनियों में लगभग 61 फीसदी हिस्सेदारी है. इसलिए सरकार को भी ज्यादा डिविडेंड के चलते बहुत फायदा होता है. पिछले ही महीने रिजर्व बैंक ने सरकार को रिकॉर्ड 2.1 लाख करोड़ रुपये डिविडेंड के तौर पर देने का ऐलान किया है. सरकारी कंपनियों और केंद्रीय बैंक से मिलने वाला रिकॉर्ड डिविडेंड सरकार को अपने खजाने पर ज्यादा बोझ डाले बिना पूंजीगत व्यय बढ़ाने की ताकत देगा।

चंद्रबाबू परिवार की संपत्ति 5 दिन में 858 करोड़ बढ़ी

35.71% हिस्सेदारी वाले हेरिटेज फूड्स के शेयर 55% चढ़े; आंध्र-केंद्र में जीत से बढ़ा भरोसा

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। चंद्रबाबू नायडू परिवार की संपत्ति पिछले 5 दिनों में ही 858 करोड़ रुपए बढ़ी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार हेरिटेज फूड्स के शेयरों में इस दौरान 55% का उछाल आने से ऐसा हुआ है। हेरिटेज फूड्स के प्रमोटर पार्टी प्रमुख चंद्र बाबू नायडू के बेटे नारा लोकेश हैं। चंद्रबाबू नायडू 12 जून को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। हेरिटेज ग्रुप की स्थापना 1992 में चंद्रबाबू नायडू ने की थी। यह कंपनी डेयरी, रिटेल और एग्री सेगमेंट में काम करती है। हाल ही में हुए आंध्र प्रदेश विधानसभा और लोकसभा चुनावों में टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू का शानदार प्रदर्शन रहा है। इससे उनकी कंपनी पर निवेशकों का भरोसा बढ़ा है।

कंपनी में चंद्र बाबू नायडू पत्नी की सबसे ज्यादा हिस्सेदारी

चंद्रबाबू नायडू की पत्नी भुवनेश्वरी के पास कंपनी में 24.37% हिस्सेदारी है। जबकि बेटे लोकेश और बहू ब्राह्मणी के पास 10.82% और 0.46% हिस्सेदारी है। नायडू के पोते देवांश के पास इसमें 0.06% हिस्सेदारी है। यानी चंद्रबाबू नायडू के परिवार की कंपनी में कुल हिस्सेदारी 35.71% है।

हेरिटेज फूड्स का शेयर शुक्रवार को 10% चढ़ा

शुक्रवार 7 जून को हेरिटेज फूड्स का शेयर 10% की तेजी के साथ 661.25 रुपए पर बंद हुआ। वहीं बीते 5 दिनों में इसमें 55% की तेजी रही है। 4 जून को हेरिटेज फूड्स का शेयर 455.45 रुपए पर था जो 7 जून को 661.25 रुपर पर पहुंच गया।

हेरिटेज फूड्स का मार्केट कैप 2,400 करोड़ रुपए से ज्यादा बढ़ा

वहीं हेरिटेज फूड्स का मार्केट कैप इस हफ्ते 2,400 करोड़ रुपए से ज्यादा बढ़ा है। कंपनी का मार्केट कैप 7 जून को 6,136 करोड़ रुपए हो गया। यह एक सप्ताह पहले 3,700 करोड़ रुपए था। 2019 में वाईएसआरसीपी अध्यक्ष जगन मोहन रेड्डी ने जीत दर्ज कर उनसे सत्ता छीनी थी। इस बार के लोकसभा चुनाव में भी टीडीपी ने 16 सीटों पर जीत दर्ज की है।

तिरुपुर कपड़ा उद्योग का संकट, नहीं लौट रहे वोट देने गए मजदूर

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। अपने कपड़ा उद्योग के लिए फेमस तमिलनाडु का तिरुपुर इन दिनों संकटों से जूझ रहा है. यह संकट पैदा हुआ है हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव के कारण. खबरों की मानें तो तिरुपुर कपड़ा उद्योग अभी श्रमिकों की कमी की समस्या का सामना कर रहा है।

चुनाव के चलते आया नया संकट

ईटी की एक रिपोर्ट के अनुसार, तिरुपुर के कपड़ा उद्योग में काम करने वाले ज्यादातर कामगार हालिया चुनावों में वोट डालने के लिए अपन गांव गए. उसके बाद समस्या ये आई है कि वोट डालने अपने गांव गए मजदूर अब वापस नहीं लौट रहे हैं. इससे उद्योग जगत की परेशानियां बढ़ गई हैं. सबसे खराब बात ये है कि श्रमिकों की कमी का संकट ऐसे समय सामने आया है, जब डिमांड में सुधार के संकेत दिख रहे थे।

डिमांड सुधरने के मिलने लगे संकेत

तिरुपुर कपड़ा उद्योग से जुड़े लोगों का कहना है कि अमेरिका में डिमांड में सुधार हो रहा है और उसके चलते निर्यात के अच्छे ऑर्डर मिलने की उम्मीद है. हालांकि अब श्रमिकों की कमी से दिक्कतें आ सकती हैं।

लगभग डेढ़ लाख श्रमिक करते हैं काम

ईटी की रिपोर्ट के अनुसार, तिरुपुर के कपड़ा उद्योग में काम करने वाले ज्यादातर मजदूर उत्तर प्रदेश, बिहार, असम और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों के हैं. छोटे-बड़े कपड़ा मिलों में एक लाख से डेढ़ लाख लोग काम करते हैं. वे मजबूर लोकसभा चुनाव के दौरान वोट देने के लिए गए, लेकिन अब लौटकर नहीं आना चाहते हैं. उन्हें लगता है कि उनकी स्थानीय सरकारें विकास कार्य तेज करेंगी, जिससे उन्हें काम के लिए कहीं और जाने की जरूरत नहीं होगी।

अब मिलेंगे पहले से ज्यादा पैसे

कामगारों की इस कमी के चलते तिरुपुर एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन ने नया मुहिम शुरू करने की जानकारी दी है. यह मुहिम मेगा जॉब ड्राइव से संबंधित है. एसोसिएशन ने कामगारो की कमी को दूर करने के लिए मेगा जॉब ड्राइव चलाने के साथ-साथ पहले की तुलना में ज्यादा वेतन देने की भी योजना बनाई है. उसका कहना है कि अगर कामगार लौटते हैं तो उन्हें पहले से ज्यादा पैसे मिलेंगे।

नए रक्षा मंत्री के सामने चुनौतियों का अंबार, चीन और अग्निवीर जैसे मुद्दों से निपटना नहीं होगा आसान

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। नरेंद्र मोदी अपना तीसरा कार्यकाल शुरू करने जा रहे हैं। उनके नेतृत्व में एनडीए सरकार 9 जून को शपथ लेगी। एनडीए 3.0 में इस बार रक्षा मंत्री का पद किसे मिलता है, इस पर डिफेंस सेक्टर से जुड़े लोगों की पैनी निगाहें हैं। नए रक्षा मंत्री 11 जून मंगलवार तक पदभार संभाल लेंगे। लेकिन उनके सामने कई ऐसी चुनौतियां हैं, जिन पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है। इनमें इंटीग्रेटेड थिएटर कमांड, एलएसी पर चीन के साथ तनाव और अग्निवीर जैसे तमाम मुद्दे शामिल होंगे, जिन पर उन्हें बड़े फैसले लेने होंगे।

रक्षा मंत्रालय पर सहयोगी दलों की निगाहें

रक्षा मंत्री के पद पर एनडीए गठबंधन में शामिल बड़े दलों की निगाहें हैं। जेडीयू ने रक्षा मंत्रालय देने की मांग की है। तो भाजपा डिफेंस मिनिस्ट्री को अपने पास रखने के मूड में हैं। जेडीयू का तर्क है कि अटल बिहारी वाजपेयी की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार (1998-2004) में रक्षा मंत्री का पद सहयोगी दल समता पार्टी के पास था, उस समय जॉर्ज फर्नांडिस रक्षा मंत्री बने थे। वहीं अब जब भाजपा एनडीए के सहारे सरकार बना रही है, तो इस बार भी ये पद सहयोगी दल को मिलना चाहिए। लेकिन नए मंत्री के लिए चुनौतियां कम नहीं रहने वाली हैं।

देश में नए सेनाध्यक्ष की नियुक्ति होनी है। सरकार ने 26 मई को मौजूदा चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल मनोज पांडे को एक माह का सेवा विस्तार दे दिया था। उनका कार्यकाल 31 मई को खत्म होने वाला था। लेकिन अब वे 30 जून को रिटायर होंगे। हालांकि नए आर्मी चीफ की नियुक्ति में रक्षा मंत्री का सीधे-सीधे कोई रोल नहीं होता। लेकिन नए चीफ की नियुक्ति प्रक्रिया के तहत आर्मी हेडक्वॉर्टर वरिष्ठ अफसरों के नाम उनके बैकग्राउंड की जानकारी के साथ रक्षा मंत्री को भेजता है। जिसके बाद रक्षा मंत्री उन नामों को अपाइंटमेंट कमेटी ऑफ कैबिनेट (एसीसी) से सिफारिश करते हैं। एसीसी में प्रधानमंत्री और गृह मंत्री शामिल होते हैं। नए सेनाध्यक्ष की नियुक्ति पर आखिरी फैसला प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली कैबिनेट की नियुक्ति कमेटी ही लेती है। पहले ये फैसला कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी करती थी, जिसमें रक्षा मंत्री भी शामिल होते थे।

टेढ़ी खीर साबित होगा सैन्य सुधारों को लागू करना

मिलिट्री रिफॉर्म्स सरकार के एजेंडे में शामिल हैं। अपने संकल्प पत्र में भी भाजपा ने इसे प्रमुखता से शामिल किया था। वहीं, सरकार ने थिएटराइजेशन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसमें नए आर्मी चीफ का रोल बेहद होगा। इन सैन्य सुधारों के तहत सेना के तीनों अंगों- थलसेना, वायुसेना और नौसेना को मिलाकर एकीकृत थिएटर कमांड बनाए जाएंगे। एकीकृत थिएटर कमांड बनाने के साथ ही सरकार वाइस चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और डिप्टी चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ की भी नियुक्ति करेगी। अगले साल जून 2025 तक एकीकृत थिएटर कमांड बनाने का काम खत्म हो जाएगा। सरकार ने एकीकृत थिएटर कमांड बनाने के लिए जनवरी 2020 में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ का पद भी बनाया था। मौजूदा सीडीएस जनरल अनिल चौहान के कंधे पर यह जिम्मेदारी है कि काम समय पर पूरा हो जाए।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृष में	वृष--	04-07 बजे
चंद्र-	मिथुन में	मिथुन..	06-08 बजे
मंगल	मेष में	कर्क....	08-21 बजे
बुध-	वृष में	सिंह....	10-32 बजे
गुरु-	वृष में	कन्या..	12-39 बजे
शुक्र-	वृष में	तुला.....	14-45 बजे
शनि-	कुंभ में	वृश्चिक..	16-54 बजे
राहु-	मीन में	धनु.....	19-08 बजे
केतु-	कन्या में	मकर....	21-14 बजे
		कुंभ....	23-05 बजे
		मीन....	00-43 बजे
		मेष....	02-19 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु -ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2550, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 05-44
सूर्यास्त. -18-46
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125
दिशाशूल -- पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- तृतीया 15-44 तक उपरान्त चतुर्थी
मास - ज्येष्ठ शुक्ल, रविवार 09 June
नक्षत्र - पुनर्वसु 20-20 तक उपरान्त पुष्य
योग - वृद्धि 17-20 तक उप ध्रुव
करण- गर 15-44 तक उप वणिज
विशेष:- रविपुष्य योग रात मे
व्रत -त्योहार - महाराणा प्रताप ज.

विशेष:- राशिफल ग्हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 17:10 से 18:49 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उत्पात	05:44 - 07:21	अशुभ	शुभ.	18:46 - 20:10	शुभ
चंचल	07:21 - 08:59	शुभ	अमृत.	20:10 - 21:32	शुभ
लाभ।	08:59 - 10:37	शुभ	चंचल.	21:32 - 22:54	शुभ
अमृत	10:37 - 12:16	शुभ	रोग .	22:54 - 24:16	अशुभ
काल	12:16 - 13:54	अशुभ	काल.	24:16 - 01:37	अशुभ
शुभ	13:54 - 15:32	शुभ	लाभ.	01:37 - 02:59	शुभ
रोग	15:32 - 17:10	अशुभ	उत्पात	02:59 - 04:21	अशुभ
उत्पात	17:10 - 18:46	अशुभ	शुभ	04:21 - 05:44	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज किसी अनियोजित रोमांचक यात्रा पर जाने की सम्भावना है हो सकता है कि शहर में ही घूमना चाहें,लेकिन आपका विचार खूब मजे करने का है और ऐसा ही होगा भी आप किसी करीबी के साथ हुए गिले-शिकवे दूर कर सकते हैं आपको पहले ही ऐसा करना चाहिए था,परन्तु आज सामने आने पर सब बातें साफ़ हो जायेंगी

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आपको कुछ चौंकाने वाली बातें पता चलेंगी लेकिन चिंता ना करें,सब अच्छी खबरें होंगी जिन कई चीजों के लिए आप लम्बे समय से कोशिश कर रहे थे,वे आज पूरी होने वाली हैं जिन कोशशों को आप अपनी और से व्यर्थ मान चुके थे,वे अंतत आज सफल होंगी इसीलिए आज दोस्तों और परिजनों के साथ खुशियाँ मनाएं ,हो सकता है कि उनके पास भी आपको सुनाने के लिए कोई अच्छी खबर हो।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
इस बात के लिए अधिक सोच विचार ना करें कि अप्रत्याशित घटनाएँ क्यों हो रही हैं या बहुत देर क्यों हो रही है ? ये आपके भले के लिए भी हो सकता है जिसके फायदे अभी आपको दिखाई नही दे रहे हैं अपनी बेहतरीन परफॉरमेंस देने के लिए कुछ नया प्रयोग करें इससे आपको भी अपने रोजमर्रा के नियमित कार्यक्रम से थोड़ी राहत मिलेगी।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आपके पिछले कुछ समय से अपने करियर तथा निजी जीवन सम्बन्धी किये गये प्रयासों का फल मिलने का समय आ गया है ऐसा घटनाक्रम बनेगा कि आपको कोई बड़ी सफलता हाथ लगेगी आपको प्रयासों और परिश्रम को आपके सीनियर ध्यान से देखेंगे और वे आपके जबरदस्त समर्थक भी बन जायेंगे आपके दुश्मन आज असहाय अनुभव करेंगे।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आपका दिमाग आज बहुत सक्रिय है ,आप उर्जा और प्रेरणा से भरे हैं आपके दिमाग में नयी योजनायें आती रहेंगी जिन्हें आप आसानी से कार्यान्वित भी कर पायेंगे आपकी समस्या आज यही रहेगी की आपके दिमाग में आज लगातार नए विचारों की बाढ़ सी आती रहेगी आप

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
आप फिलहाल अपने जीवन की केन्द्रीय समस्या को सुलझाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं ऐसा भी संभव है कि आप इसे सुलझाने के लिए अपनी सामजिक और वित्तीय जिम्मेदारियों से भी छुट्टी ले लें हालाँकि आपको यह भी समझना है कि आपके जल्दी मचने से इस समस्या का स्थायी समाधान नही निकलेगा आपको धीरज से काम लेना होगा।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
लम्बे समय के बाद आज आपको रहत महसूस होगी किसी महत्वपूर्ण खबर से ख़ुशी मिलेगी यदि माता-पिता हैं तो बेटे/बेटी के लिए सुयोग्य वर मिल सकता है किसी लंबित अदालती मामले का फैसला आपके पक्ष में हो सकता है करियर के मामले में छोटे से प्रयास से बड़ी सफलता मिलनी तय है आज से जिन्दगी वापस पटरी पर आती दिख रही है ,प्रियजनों के साथ खुश रहें।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आप एक आशावादी व्यक्ति हैं और आज यह बात सबको जान्ने देने और इससे लाभ उठाने का दिन है इससे आपकी छवि एक प्रेरणात्मक वक्ता की बनेगी,जिसकी कोशिश आप लम्बे समय से करते आ रहे हो समाज में आपके सम्बन्ध जिन लोगों के साथ बहुत अच्छे नही हैं ,उनके साथ भी आपके संबंधों में अब सुधार आना शुरू हो जाएगा।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
किसी पुराने दोस्त या परिवार के साथ बाहर घुमने जाने या बातचीत का आनंद लें आपको अपने काम के लिए उन्ही तरीकों पर भरोसा करना चाहिए जो आपके लिए पिछले समय में लाभकारी रहें हैं आज कोई नया प्रयोग शुरू करना ठीक नही होगा अगर आप कोई नौकरी या कोई परियोजना हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं तपो पारम्परिक तरीकों से ही कोशिश करें।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
गृहों की स्थिति ऐसी है कि आपको अप्रत्याशित बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है ,पिछले कुछ समय से आप बहुत अच्छी स्थिति में हैं और फिलहाल ऐसा कुछ भी नही है जो परेशानी पैदा करने वाला दीखता हो लेकिन आज ऐसी बढ़ाएं और परेशानियां पैदा होने वाली हैं जो आपके काम और मूड दोनों को ही प्रभावित करेंगी अप्रत्याशित समस्याओं से काम कुछ समय के लिए रुक सकता है।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज के दिन आप अपने आसपास सभी को अपनी सोच और किसी भी स्थिति को सही समझने की योग्यता से प्रभावित करेंगे अपने कार्यस्थल की किसी बड़ी समस्या या किसी दोस्त की परेशानी का बहुत रचनात्मक सा हल निकलकर छा जायेंगे आपके लिए रोमांचक समय है आपको किसी का ध्यान अपनी और खीचने की जरुरत नही है,बल्कि लोग खुद आपकी ओर सहायता लेने के लिए आयेंगे।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आपके सामने नए अवसर प्रस्तुत होने वाले हैं आप आज तक अपनी जिस प्रतिभा को केवल हॉबी मानते आये थे,उससे अपनी आजीविका कमा सकते हैं जीवन के हर क्षेत्र में नए बदलाव होंगे जो आपके जीवन को पूरी तरह बदलकर रख देंगे आप अपने जीवन से संतुष्ट अनुभव करेंगे।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

मां बम्लेश्वरी-मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष के घर ईडी का छापा

रायपुर-डोंगरगढ़ में 2 गाड़ियों में पहुंची टीम, कस्टम मिलिंग घोटाले में मनोज अग्रवाल के घर तलाशी

राजनांदगांव, 8 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ में ईडी ने छापेमारी की है। मां बम्लेश्वरी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष और डोंगरगढ़ राइस एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल के घर सुबह 5 बजे से कार्रवाई चल रही है। बताया जा रहा है कि अग्रवाल के घर 2 अलग-अलग गाड़ियों में टीम पहुंची है। घर में दस्तावेज खंगाले जा रहे हैं। प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने ये कार्रवाई कस्टम मिलिंग घोटाले में की है। ये कार्रवाई डोंगरगढ़ के अलावा रायपुर के खम्हारडीह इलाके में भी चल रही है। ईडी का आरोप है कि मार्कफेड के अधिकारी और राज्य चावल मिलर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मिलकर कस्टम मिलिंग घोटाले को अंजाम दिया है। इसके लिए अधिकारी और मिलर्स ने विशेष प्रोत्साहन राशि का दुरुपयोग किया है। करोड़ों की रिश्वत कमाने की साजिश रची है।

कारोबारियों के अनुसार, मार्कफेड के पूर्व एमडी मनोज सोनी और उनके सहयोगियों का खेल दो साल से चल रहा था।

इसके लिए पूरी टीम बनाई गई थी। टीम में मॉर्कफेड के अफसर और छत्तीसगढ़ स्टेट मिलर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी भी शामिल थे। आरोप है कि कस्टम मिलिंग, डीओ काटने, मोटे धान को पतला करने, पतले धान को मोटा करने, एफसीआई को नान में कंवर्ट करने का पैसा लिया जाता था। ईडी की जांच में ये पाया गया कि, तत्कालीन जिला मार्केटिंग ऑफिसर प्रीतिका पूजा केरकेट्टा को मनोज सोनी ने रोशन चंद्राकर के माध्यम से निर्देश दिया था। इसमें कहा गया था कि उन्हीं राइस मिलर्स के बिल का भुगतान किया जाना है, जिन्होंने वसूली की राशि रोशन चंद्राकर को दे दी है। किन राइस मिलर्स को भुगतान किया जाना है, इसकी जानकारी संबंधित जिले के राइस मिलर्स एसोसिएशन के जरिए मिलती थी। रोशन चंद्राकर जिन मिलर्स की जानकारी प्रीतिका को देता थे, उनका भुगतान कर बाकी मिलर्स की राशि रोक दी जाती थी।

कस्टम मिलिंग मामले में हुई भष्टाचार की जांच और मनोज सोनी की गिरफ्तारी के बाद प्रवर्तन निदेशालय ने राइस मिलर्स को समंस जारी किया है। वहीं, एसोसिएशन से जुड़े कई लोगों ने ईडी दफ्तर पहुंच कर अपने बयान दर्ज कराए हैं। पूछताछ में सहयोग नहीं करने और समंस के बाद भी नहीं आने वाले अधिकारियों और एसोसिएशन से जुड़े लोगों को जल्द ही ईडी गिरफ्तार कर सकती है। 20 अक्टूबर 2023 को ईडी ने छापा मारा था। ईडी ने अपने ऑफिशियल X अकाउंट पर लिखा कि, 20-21 अक्टूबर को मार्कफेड के पूर्व एमडी, छत्तीसगढ़ राइस मिलर्स संगठन के कोषाध्यक्ष और कुछ सदस्यों, राइस मिलर्स और कस्टम मिलिंग से जुड़े लोगों के घर पर जांच की गई। चावल घोटाले से जुड़ी इस जांच में कई संदिग्ध दस्तावेज, डिजिटल डिवाइस और 1 करोड़ 6 लाख कैश मिला। ईडी ने इनकम टैक्स की शिकायत के आधार पर जांच शुरू की। इस जांच के बाद ईडी की स्थानीय टीम ने प्रतिवेदन दिया और उसके बाद एफआईआर हुई। 6 मार्च 2023 को विधानसभा में बीजेपी विधायक शिवरतन शर्मा ने कस्टम मिलिंग में प्रति टन 20 रुपए वसूली का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि जो मिलर्स वसूली देते है, उनको ही भुगतान होता है। इसके बाद तत्कालीन मंत्री मोहम्मद अकबर ने सबूत मांगा था और सदन में जमकर हंगामा हुआ था।

राइस मिलर्स ने फोर्टिफाइड राइस का भुगतान करने पर पैसे मांगने का आरोप लगाया था। उनके अनुसार, केंद्र सरकार ने पीडीएस के जरिए गरीबों को दिए जाने वाले अनाज की पौष्टिकता बढ़ाने के लिए फोर्टिफाइड राइस की मात्रा बढ़ाने का आदेश दिया था।

सरकार के आदेश के मुताबिक, एफसीआई और नागरिक आपूर्ति निगम में जमा होने वाले चावल में एक प्रतिशत फोर्टिफाइड राइस कर्नेल होना चाहिए।

जंगल में मिला अज्ञात महिला का कंकाल

ग्रामीणों में दहशत, जांच में जुटी पुलिस

जगदलपुर, 8 जून (एजेंसियां)। बकावंड थाना क्षेत्र के जुनावानी के जंगल में एक ग्रामीणों ने एक महिला का कंकाल देखा। जिसके बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। खबर आग की तरह पूरे गांव में फैल गई। घटना की जानकारी तुरंत पुलिस को दी गई। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने अज्ञात महिला के कंकाल को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस महिला की पहचना करने में जुटी है। मामले की जांच की जा रही है। मामले की जानकारी देते हुए बकावंड थाना प्रभारी छत्रपाल कंवर ने बताया कि बकावंड क्षेत्र के टियूसगुड़ा से जुनावानी जाने वाले कच्चे मार्ग में गांव के कुछ ग्रामीण बोड़ा निकालने के लिए गए हुए थे। जंगल में बोड़ा खोजने के दौरान जंगल झाड़ियों के बीच में एक महिला का कंकाल देखा। ग्रामीण डर गए, जिसके बाद अपने आसपास के लोगों को मामले की जानकारी दी।

महिला के कंकाल मिलने की जानकारी मिलते ही काफी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे।

सीएम साय ने सड़क हादसा और बेमेतरा ब्लास्ट से घायल-मृतकों को स्वेच्छानुदान से राशि मंजूर की

रायपुर, 8 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कबीरधाम जिले के ग्राम बाहपानी सड़क दुर्घटना और बेमेतरा के ग्राम पिरदा में बारूद फैक्ट्री ब्लास्ट में मृतकों और घायलों को स्वेच्छानुदान से राशि मंजूर की है। सीएम साय ने नियमों को शिथिल करते हुए स्वेच्छानुदान से डेढ़ करोड़ रूपए से ज्यादा की सहायता राशि मंजूर की है। इसमें 28 मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए और 23 घायलों को 50-50 हजार रूपए की सहायता राशि दी जाएगी। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कबीरधाम जिले के विकासखंड पंडरिया के ग्राम बाहपानी में 20 मई को हुई दुःखद सड़क दुर्घटना एवं बेमेतरा जिले की भिंभौरी तहसील के ग्राम पिरदा में 25 मई को स्पेशल ब्लास्ट लिमिटेड बारूद फैक्ट्री में हुए ब्लास्ट में मृतकों के परिजनों तथा घायलों सहित 51 अनुदानग्रहिताओं को अपने स्वेच्छानुदान मद से कुल एक करोड़ 51 लाख 50 हजार रूपए की राशि स्वीकृत की है। मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रूपए और घायलों को 50-50 हजार रूपए के मान से सहायता राशि स्वीकृत की गई है। कबीरधाम जिले के ग्राम बाहपानी की सड़क दुर्घटना में 19 मृतकों के परिजनों को 5 लाख रूपए के मान से 95 लाख रूपए और इस घटना में 16 घायलों को 50-50 हजार रूपए के मान से कुल 8 लाख रूपए की राशि मुख्यमंत्री साय ने स्वेच्छानुदान मद से मंजूर की गई है। बेमेतरा जिले के ग्राम पिरदा की स्पेशल ब्लास्ट लिमिटेड बारूद फैक्ट्री में 25 मई को हुए ब्लास्ट में एक मृतक एवं 8 लापता व्यक्तियों के परिजनों को 5 लाख रूपए के मान से कुल 45 लाख रूपए की आर्थिक सहायता तथा इसी घटना में 7 घायलों को 50 हजार रूपए के मान से कुल 3 लाख 50 हजार रूपए की सहायता राशि की मंजूरी मुख्यमंत्री ने दी है।

भूपेश बोले-राहुल गांधी ने मोदी के पजामे का नाड़ा काटा

राजनांदगांव में कहा- तैयार रहें कार्यकर्ता, एनडीए में फूट, हो सकते हैं मध्यावधि चुनाव

रायपुर, 8 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजनांदगांव के मोहला-मानपुर में कहा कि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पजामा का नाड़ा काट दिया है। पार्टी तोड़ने, चुने हुए मुख्यमंत्रियों को जेल में डालने, डराने-धमकाने वालों को जनता ने अच्छा सबका सिखाया है। एनडीए में फूट पड़ गई है। साल भर में मध्यावधि चुनाव हो सकते हैं। देवेंद्र फडणवीस इस्तीफा दे रहे हैं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कुर्सी हिल रही है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की स्थिति भी डगमग है। सभी मुख्यमंत्रियों की कुर्सियां डगमगा रही हैं। बघेल ने कहा कि हम चुनाव जरूर हार गए हैं, लेकिन हमें तैयार रहना है। 6 महीना साल भर में फिर से मध्यावधि चुनाव हो सकता है। हमें तैयार रहना है, गठबंधन के साथ-साथ उनके नेताओं में भी विवाद शुरू हो गया है, कोई कह रहा है, यह विभाग दो कोई कह रहा है वह विभाग दो। बघेल ने कहा कि ये जिन मुद्दों को लेकर चल रहे थे, अब उसी के विरोध में खड़े नजर आ रहे हैं। नीतीश कुमार के प्रवक्ता योजना बंद करने की बात कर रहे हैं। कोई जातिगत जनगणना की बात कर रहा है, कोई यूसीसी लागू करने की बात कर रहा है, जो घर अब तक बसा ही नहीं है, वहां पर झगड़ा शुरू हो गया है। इस घर को उजड़ने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी अटल जी की तरह नहीं हैं, जो सबको साथ में लेकर चले। वो किसी की नहीं सुनते, यहां मेरी मुर्गी की एक टांग वाली बात है। ये सब ज्यादा दिन चलने वाला नहीं है या तो उनके सहयोगी उनके साथ छोड़ देंगे या

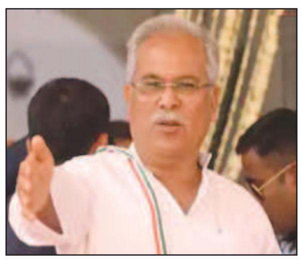

तो वो खुद भंग कर देंगे। भूपेश बघेल ने पीएम नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि अब ऊंट पहाड़ के नीचे आ चुका है। दिन में तीन बार कपड़ा बदलने वाले अब एक ही कपड़े में 3 कार्यक्रम निपटा रहे हैं। इससे यह साफ है कि अपने खाने-पीने पहने होने की कोई सुध नहीं है। आप दाल आटे का भाव पता चलेगा। पहले वो अपने ही लोगों से नहीं मिलते थे, लेकिन अब रोज एक दल उन्हें आंखे दिखाएगा कभी कोई दक्षिण से आंखे दिखाएगा, कभी कोई उत्तर से उन्हें आंखें दिखाएगा।

सड़े-गले शव मिले

मकान से आ रही थी बदबू, अलग-अलग कमरों में मिली दो भाइयों की लाश, मौत पर उठ रहे सवाल

दुर्ग, 8 जून (एजेंसियां)। दुर्ग जिले के कुम्हारी थाना क्षेत्र के खारुन ग्रीन कॉलोनी के एक मकान में दो भाइयों की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। बीते शुक्रवार को बदबू से परेशान पड़ोसियों ने कुम्हारी पुलिस को सूचना दी। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घर का दरवाजा तोड़कर अंदर गई तो दो कमरे में दो भाइयों के शव मिले। पुलिस ने दोनों को शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। कुम्हारी पुलिस को सूचना मिली कि खारुन ग्रीन के एक मकान से बदबू आ रही है। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर मकान का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसी। पुलिस ने देखा कि अलग-अलग कमरों में दो लाशें पड़ी थीं। जो लड़ी-गली हालत में थी और जिसके चलते बदबू पूरी कॉलोनी में बदबू फैल गई थी। छावनी नगर पुलिस अधीक्षक हरीश पाटिल ने बताया कि शव दो सगे भाइयों के हैं। जो मकान के अंदर से अलग-अलग कमरों से मिले हैं। आसपास के लोगों ने बदबू आने पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस दरवाजा तोड़कर मकान के अंदर घुसी। मृतकों की शिनाख्त हिमांशु शर्मा (36) और सुधांशु शर्मा (32) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि दो वे पीलिया बीमारी से ग्रसित थे और उनके कमरे से शराब की बोतल भी बरामद हुई हैं। जिससे आशंका जताई जा रही है कि दोनों की शराब के सेवन से मौत हुई है।

जानकारी के अनुसार, मृतक पहले भिलाई-3 के पास सिरसा कला में रहते थे, सिरसा कला में उनकी किराने की दुकान थी।

युवक की मौत पर हंगामा

बिलासपुर में परिजन ने किया थाने का घेराव पुलिस की पिटाई से जान जाने का आरोप

बिलासपुर, 8 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक युवक की संदिग्ध हालत में लाश मिली है। आरोप है कि युवक की जान पुलिस की पिटाई से गई है। परिजन और दोस्तों ने हत्या की आशंका जताई है। शरीर में कई जगह गंभीर चोट के निशान हैं। शव को देखकर परिजनों ने हंगामा कर दिया है। वारदात कोनी थाना क्षेत्र की है।

युवक के दोस्त विष्णु साहू ने बताया कि वह अपने दोस्त रोशन और अजरंग साहू के साथ घूमने गया था। तीनों रात 10 बजे तक साथ थे। दोनों रोशन को घर छोड़कर चले गए। शनिवार सुबह पुलिस का ड्राइवर आया। उसने बताया कि रोशन की मौत हो गई है। जब सुबह 9 बजे वहां पहुंचे, तो लाश पड़ी थी। शरीर में जगह-जगह चोट के निशान हैं।

पुलिस ने इस पूरे मामले में फिल्मी कहानी बनाई है। पुलिस का कहना है कि 7 जून की रात करीब डेढ़ बजे नेशनल हाईवे लोखंडी ओवर ब्रिज के पास 2 मोटरसाइकिल में सवार चार अज्ञात लोग एक स्वराज माजदा के ड्राइवर और हेल्पर को डरा धमका कर लूट की कोशिश कर रहे थे।

इस दौरान कोनी पुलिस पेट्रोलिंग पर थी। अंधेरे में एक युवक को पकड़ लिया गया। वहीं, उसका दोस्त खेत में उतरकर भाग गया। सुबह पता चला कि उसकी मौत हो गई है। पुलिस का दावा है कि एक आरोपी हिरासत में है। एक शराब के नशे में भाग गया, जिसकी जांच हो रही है। बताया जा रहा है कि जिस गाड़ी में लूटपाट बताई जा रही है, वह गाड़ी तीन दिन से खराब पड़ी है।

परिजनों ने शव को कोनी थाना के बाहर रखकर निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा कर दिया। बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी और कई थानेदार पहुंच गए। सभी ने भरोसा दिलाया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकता है। निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की जाएगी, जिसके बाद भीड़ शांत हुई।

ज्योत्सना बोलीं-मुझे भाभी कहती थीं सरोज पांडेय, अब पता नहीं

कोरबा सांसद ने कहा- उन्होंने मुझ पर सवाल किए, जनता ने करारा जवाब दिया

रायपुर, 8 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की इकलौती कांग्रेस सांसद ज्योत्सना महंत ने अपनी जीत और बीजेपी की सरोज पांडेय की हार को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि सरोज पांडेय ने मेरे बारे में कुछ ऐसी बातें कही थीं, जो वहां के मतदाताओं और हमारे कांग्रेस कार्यकर्ताओं दोनों को बुरी लगीं। पहले मुझे वे भाभी कहती थीं, अब बोलेंगी कि नहीं मुझे नहीं पता। ज्योत्सना महंत ने कोरबा के मतदाताओं का धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने मुझे दूसरी बार सेवा का अवसर दिया है। मैं अपनी जीत का सेहरा कोरबावासियों, हमारे कार्यकर्ताओं और अपने परिवार के सिर बंधना चाहती हूं। इन लोगों ने बहुत मेहनत की। इसी का नतीजा है कि हम कोरबा जीत सके।

कोरबा की जनता ने दिया करारा जवाब

ज्योत्सना ने कहा कि कोरबा की जनता ने बीजेपी और उसकी प्रत्याशी सरोज पांडेय को करारा जवाब दिया है। उन्होंने मुझ पर आरोप लगाया कि मैं निष्क्रिय हूं, लापता हूं। इसका करारा जवाब हमारे कार्यकर्ताओं और हमारे मतदाताओं ने उन्हें दिया है। मैं कोरबा की जनता का आभार व्यक्त करती हूं।

पहले मुझे भाभी कहती थीं, अब क्या बोलेंगी पता नहीं

सरोज पांडेय को लेकर कोरबा सांसद ने कहा कि वह महिला हैं, समझदार हैं, पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रहीं, बड़े स्तर की नेता हैं। उन्होंने जो मेरे लिए बोला वह किसी महिला के लिए उचित नहीं है। दूसरी महिला के लिए इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल करना ठीक नहीं। वह पहले मुझे बड़े प्रेम से भाभी कहा करती थीं। अब बोलेंगी कि नहीं, मुझे नहीं पता, पर मैं उन्हें शुभकामनाएं देती हूं। ज्योत्सना महंत ने कहा कि मैंने बीते 5 सालों में लगातार प्रदेश में रेल सुविधाओं को लेकर सवाल खड़े किए हैं। लेकिन कभी भी केंद्र सरकार ने इसे संज्ञान में नहीं लिया। अभी 15 दिन पहले मुझे रेल मंत्री मिले थे, तो उन्होंने मुझे कहा कि अभी 3 साल और लगेंगे। अब तो डबल इंजन की सरकार है। अब तक 6 महीने से उनकी राज्य में सरकार है, लेकिन उन्होंने इस पर कोई काम नहीं किया।

इससे पहले भी छत्तीसगढ़ से बीजेपी के 9 सांसद रहे, लेकिन उन्होंने कभी भी प्रदेश के मुद्दों पर मेरा साथ नहीं दिया। अब एक बार फिर से मैं पूर्ण रूप से छत्तीसगढ़ के लिए लड़ाई लडूंगी।

कोरबा से राजस्व लेते हैं, पर सुविधाएं नहीं देते

संसद में मैंने यह भी बात उठाई थी कि कोरबा से राजस्व तो लिया जाता है, लेकिन वहां पर सुविधा नहीं दी जातीं। वह मिनी भारत की तरह है। जहां देश के अलग-अलग हिस्सों से लोग आकर रह रहे हैं। जाहिर है कि उन्हें यात्री सुविधाएं रेलवे को देना चाहिए। इस बार मेरी कोशिश रहेगी की केवल कोरबा नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ में भी बंद की गई ट्रेनें शुरू की जाएं।

झारखंड में 11 जून तक हीटवेव का यलो अलर्ट

पलामू, चतरा और लातेहार में गर्मी से अभी राहत नहीं

रांची, 8 जून (एजेंसियां)। झारखंड के कई जिलों में मौसम विभाग ने 11 जून तक हीटवेव का यलो अलर्ट जारी किया है। ये अलर्ट प्रदेश के उत्तर, पश्चिम, मध्य और निकवटर्ती उत्तर- पूर्वी भाग के लिए है। अगले तीन दिन यहां तेज गर्मी पड़ेगी। राज्य के कई हिस्सों में तापमान में बढ़त देखी जा रही है। वहीं, दूसरी तरफ 11 जून तक मध्य और दक्षिणी भाग में गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे के बारिश की संभावना है। राजधानी रांची में भी पारा चढ़ा है। हालांकि, आज रांची सहित राज्य के कई इलाकों में बारिश के आसार हैं। राज्य के कई हिस्सों में आसमान में हल्के बादल नजर आ सकते हैं, लेकिन इससे किसी बड़े राहत की उम्मीद नहीं है। ज्यादातर जगहों में तापमान 40 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है। जबकि न्यूनतम तापमान 28 डिग्री के आसपास होगा।

सीएम ने मंत्री आलमगीर आलम से वापस लिए सारे विभाग

इस्तीफे की भी चर्चा तेज, टेंडर कमीशन घोटाले में जेल में बंद हैं मिनिस्टर

रांची, 8 जून (एजेंसियां)। जेल में बंद मंत्री आलमगीर आलम के सारे विभाग मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने वापस ले लिए हैं। आलमगीर टेंडर कमीशन घोटाला मामले में जेल में बंद हैं। अब सीएम चंपाई सोरेन उनके सारे विभाग से जुड़े सारे काम-काज देखेंगे। इसको लेकर मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। विभागीय सचिव वंदना दादेल के हस्ताक्षर से जारी नोटिफिकेशन के अनुसार सीएम के पास पूर्व से आवंटित विभागों के अतिरिक्त खुद सीएम की सलाह से उसमें आंशिक संशोधन करते हुए संसदीय कार्य विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, ग्रामीण राज्य कार्य विभाग और पंचायती राज विभाग आवंटित किया गया है। पूर्व से आवंटित सभी विभाग सीएम के पास यथावत रहेंगे। दरअसल, जब से कैश कांड मामले में मंत्री आलमगीर आलम को गिरफ्तार किया गया है, तब से विभाग के काम लगभग ठप पड़े हैं। वहीं देश में चल रहे चुनाव की वजह से लागू आचार संहिता के कारण इस पर कोई निर्णय नहीं हो पा रहा था। अब आदर्श चुनाव आचार संहिता हट गया है। सीएम ग्रामीण विकास विभाग में तेजी से काम करना चाहते हैं इसलिए विभागों को अपने पास रख लिया हैं। गिरफ्तार किए जाने से जेल जाने तक के दौरान आलमगीर आलम ने इस्तीफा नहीं दिया है। इसे लेकर चर्चा भी चल रही थी। वहीं अब सूत्रों का कहना है कि अब आलमगीर आलम इस्तीफा दे सकते हैं। बताया जा रहा है कि आचार संहिता की वजह से किसी को मंत्री नहीं बनाया जा सकता था, इसलिए वो मंत्री बने रहे।लेकिन अब वे इस्तीफा दे सकते हैं। चर्चा इस बात की भी है कि कांग्रेस मंत्री का अपना कोटा नहीं छोड़ना चाहता है, ऐसे में कांग्रेस कोटे से ही कोई मंत्री बनाया जा सकता है।

बता दें कि ईडी ने 6 मई को मंत्री आलमगीर आलम के पीएस संजीव लाल और उससे जुड़े लोगों के ठिकानों पर रेड मारी थी। इसमें 32 करोड़ 20 लाख रुपये कैश की बरामदगी हुई थी। पूछताछ के दौरान इस मामले में मंत्री को पीएस संजीव कुमार लाल और उनके नौकर जहांगीर आलम को 6 मई की देर रात ही गिरफ्तार कर लिया गया था।

नक्सलियों ने की ग्रामीण की हत्या

मुखबिरी के शक में घर में घुसकर मार दी गोली, पुलिस बोली- एनकाउंटर से बौखलाए हैं माओवादी

कोंडागांव, 8 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव में नक्सलियों ने एक ग्रामीण की गोली मारकर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि ग्रामीण देर रात शादी से लौटा था और नक्सली घात लगाए बैठे थे। वह जैसे ही घर पहुंचा, नक्सलियों ने उसे गोली मार दी। वारदात धनोरा थाना क्षेत्र के तिमरी गांव की है।

जानकारी के मुताबिक नक्सलियों ने मुखबिरी के शक में ग्रामीण दिनेश कुमार मंडावी (33) की हत्या की है। धनोरा थाना प्रभारी यशवंत श्याम ने घटना की पुष्टि की है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। जानकारी के मुताबिक रात में कुछ लोग आए थे, जो दिनेश कुमार मंडावी

से सवाल जवाब कर रहे थे। इसी बीच अंधेरे में गोली मारकर वारदात को अंजाम दे डाला। हत्या के बाद सभी लोग मौके से भाग गए। वारदात के बाद परिजन ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। धनोरा थाना प्रभारी यशवंत कुमार ने बताया कि तिमड़ी स्कूल पारा में रहने वाला दिनेश मंडावी (33) खेती किसानी का काम करता था। अपने साले के साथ गांव में ही शादी समारोह में शामिल होने गया हुआ था। वहां से देर रात साले के साथ पैदल घर लौट रहा था। इस दौरान पहले से घात लगाए 3 से 4 नक्सली आ पहुंचे। नक्सलियों ने दिनेश की पीठ पर गोली मार दी। पुलिस के मुताबिक छत्तीसगढ़ में लगातार हो रहे एनकाउंटर से नक्सली बैखाला गए हैं और निर्दोष ग्रामीणों को अपना निशाना बना रहे हैं। फिलहाल, पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

बस्तर संभाग के जिलों में वज्रपात का यलो अलर्ट

रायपुर, 8 जून (एजेंसियां)। दक्षिण-पश्चिम मानसून बस्तर की ओर लगातार आगे बढ़ रहा है। अगले 5 दिनों तक प्रदेश के बस्तर संभाग के जिलों पर हल्की से मध्यम बारिश जारी रहेगी। शुक्रवार को प्रदेश में सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 43.6 डिग्री डोंगरगढ़ में रिकॉर्ड किया किया। वहीं, सबसे कम न्यूनतम तापमान 20.3 डिग्री नारायणपुर में दर्ज किया गया। इस साल मानसून अपने तय समय से पहले छत्तीसगढ़ पहुंच रहा है। मौसम विभाग ने आज बस्तर संभाग के जिलों में बिजली गिरने के का यलो अलर्ट जारी किया है। आज रायपुर में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। पिछले 24 घंटे के दौरान बस्तर में कई जगहों पर अच्छी बारिश हुई है।

बृजमोहन देंगे इस्तीफा, साय कैबिनेट में नया मंत्री जल्द

अमर, अजय, मूणत और रेणुका के नाम की चर्चा, चौंका सकती है बीजेपी

रायपुर, 8 जून (एजेंसियां)। रायपुर लोकसभा सीट से भारी मार्जिन से जीत के बाद बृजमोहन अग्रवाल अब मंत्री और विधायक पद से जल्द इस्तीफा देंगे। इसी के साथ कैबिनेट में खाली हो रहे मंत्री पद के लिए दावेदारों के नाम की चर्चा भी शुरू हो गई है। इनमें पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल, अजय चंद्राकर, राजेश मूणत के नाम हैं। वहीं, केंद्रीय मंत्री रह चुकीं रेणुका सिंह का नाम भी चर्चा में है।

दूसरी तरफ, सांसदों की शपथ की तैयारी दिल्ली में की जा रही है। कल (9 जून) प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी तीसरी बार शपथ लेंगे। इसके बाद लोकसभा में नवनिर्वाचित सांसदों को भी शपथ दिलाई जाएगी। माना जा रहा है कि जून के दूसरे हफ्ते में बृजमोहन अग्रवाल मंत्री और विधायकी से इस्तीफा देंगे।

एक ही समय पर सांसद-विधायक के पद पर नहीं रह सकते

रिप्रेजेंटेशन ऑफ पीपुल एक्ट (1951) के मुताबिक, कोई व्यक्ति एक ही समय पर संसद और विधानसभा का सदस्य नहीं रह सकता। अगर कोई व्यक्ति संसद और विधानसभा दोनों के लिए चुना जाता है, तो उसे 14 दिन के अंदर विधानसभा की सीट खाली करनी होगी, नहीं तो उसकी संसद सदस्यता रद्द हो जाएगी।

सीएम के साथ संगठन करेगा रायशुमारी

सूत्रों के मुताबिक 9 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण के बाद छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय दिल्ली से लौटेंगे। इसके बाद संगठन के साथ सीएम साय तय करेंगे कि बृजमोहन की जगह नया मंत्री किसे बनाया जाए। मंत्री बनाए जाने को लेकर कुछ नामों की चर्चा भी है। बृजमोहन अग्रवाल के सांसद बनने के बाद उनकी जगह साय कैबिनेट में अमर अग्रवाल को लाए जाने की चर्चा है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि अग्रवाल समाज को भाजपा साधकर रखना चाहती है। इस समाज का सीधा संबंध प्रदेश के व्यापारी वर्ग से है। दूसरी बड़ी बात अमर अग्रवाल, बृजमोहन की तरह ही अनुभवी हैं। सरकारी खजाने को बढ़ाने का काम इन्होंने मंत्री रहते हुए किया था।

संगठन के नजरिए से लोकसभा चुनाव में भी क्लस्टर प्रभारी रहते इन्होंने काफी अच्छा काम किया। यही वजह रही कि बिलासपुर लोकसभा सीट पर बीजेपी ने एक लाख 64 हजार 558 वोटों से जीत दर्ज की।

राजेश मूणत- कांग्रेस प्रत्याशी को पछाड़कर कमबैक किया

छत्तीसगढ़ का इंफ्रास्ट्रक्चर बदलने का काम राजेश मूणत ने रमन सरकार में मंत्री रहते किया था। पार्टी में भी अभियान और कार्यक्रमों को लेकर मूणत बेहद गंभीर रहते हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में इन्होंने कांग्रेस को पछाड़कर कमबैक किया है। रायपुर लोकसभा सीट पर लगातार सक्रिय रहकर काम किया। यही वजह रही कि अपनी रायपुर पश्चिम विधानसभा सीट पर पार्टी को 80 हजार की लीड दिलाने में कामयाब रहे।

बाइडेन ने पहली बार जेलेंस्की से माफी मांगी

कहा- हमने सैन्य मदद पहुंचाने में देर कर दी, रूस को इसका फायदा मिला

वाशिंगटन, 8 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति ने पहली बार सार्वजनिक रूप से जेलेंस्की से माफी मांगी है। उन्होंने ये माफी सैन्य सहायता में देरी होने की वजह से मांगी। बाइडेन ने कहा कि इस वजह से रूस ने युद्ध के मैदान में यूक्रेन पर बढ़त बना ली। अमेरिका ने यूक्रेन के साथ 61 बिलियन डॉलर के सैन्य पैकेज का एग्रीमेंट किया था। इसे रिपब्लिकन सांसदों के विरोध की वजह से अमेरिकी संसद ने छह महीने से अटका रखा था। इस देरी को लेकर बाइडेन ने जेलेंस्की से कहा- मैं हफ्तों हुई देरी को लेकर माफी मांगता हूं। मुझे अंदाजा नहीं था कि उसकी वजह से आपको क्या नुकसान उठाने पड़े हैं।

बाइडेन ने कहा कि अमेरिकी लोग लंबे समय तक यूक्रेन के साथ खड़े हैं। खुद मैं भी पूरी तरह से यूक्रेन के साथ खड़ा हूं। इसके साथ ही बाइडेन ने अलग से यूक्रेन को 225 मिलियन डॉलर की सहायता पैकेज देने की घोषणा की है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने नॉरमंडी में भाषण दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी सेना का मुकाबला करने वाले अमेरिकी सैनिक भी ये चाहते होंगे कि उनका देश आज रूसी राष्ट्रपति पुतिन की आक्रमकता के खिलाफ खड़ा रहे। ठीक उसी तरह जैसे उन्होंने नाजी नेता हिटलर की आक्रमकता का विरोध किया था।

बाइडेन ने कहा कि उन्होंने 30 और 40 के दशक में एक घृणित विचारधारा को हराने के लिए लड़ाई लड़ी। आज भी वे नफरती विचारधाराओं को हराने के लिए जमीन-आसमान एक कर देते।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि मैं ये मानने से इनकार करता हूं कि अमेरिका की महानता अब अतीत की बात हो गई है। अमेरिका आज भी महान है। जब हम एक साथ काम करते हैं तो ऐसा कुछ भी नहीं है जो हम नहीं कर सकते। बाइडेन का ये बयान पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नारे 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' को लेकर थी जिसमें वो अमेरिका को फिर से महान बनाने की बात करते हैं। इससे पहले फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुवार को रूस के खिलाफ जंग में यूक्रेन को अपने शक्तिशाली लड़ाकू विमान मिराज देने की घोषणा की थी। डी-डे के मौके पर मैक्रों ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से मुलाकात कर यह बात कही। आज शुक्रवार को मैक्रों और जेलेंस्की के बीच ये डील होगी। मैक्रों ने कहा कि यूक्रेन मिराज का इस्तेमाल रूस से अपनी रक्षा करने के लिए करेगा। फ्रांस इसके लिए यूक्रेनी पायलटों को ट्रेनिंग भी देगा। इससे एक दिन पहले रूस ने चेतावनी दी थी कि अगर यूक्रेन में फ्रांसीसी सेना का कोई भी अफसर मौजूद रहेगा तो वह उस पर हमला जरूर करेगा। दरअसल, रूस का आरोप है कि फ्रांस की सेना यूक्रेनी अधिकारियों को ट्रेनिंग दे रही है।

गुरुवार को डी-डे के मौके पर फ्रांस में दुनिया के 5 बड़े नेता एकजुट हुए थे।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन बाइडेन, ब्रिटेन के किंग चार्ल्स और पीएम ऋषि सुनक, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की 6 जून को फ्रांस पहुंचे थे।

इजराइल ने हमास की कैद से 4 बंधक छुड़ाए

इनमें 25 साल की नोआ जिसे बाइक पर उठा ले गए थे हमास लड़ाके, 50 फिलिस्तीनी मारे गए

तेल अवीव, 8 जून (एजेंसियां)। इजराइल ने हमास की कैद से 4 बंधकों को छुड़ा लिया है। इजराइल ने शनिवार को दावा किया है कि उनकी सेना ने गाजा के नुसीरत इलाके में फायरिंग के बीच इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। इजराइलियों को छुड़ाने के लिए चलाए ऑपरेशन में 50 फिलिस्तीनियों की मौत हुई है। इजराइल की डिफेंस फोर्सेस ने इसकी जानकारी दी है। छुड़ाए गए बंधकों में 25 साल की नोआ अर्गमानी नाम की वो लड़की भी है, जिसे हमास लड़ाके जबरन मोटरसाइकिल पर उठा ले गए थे। 7 अक्टूबर को इजराइल पर हुए हमले के बाद नोआ का वीडियो काफी वायरल हुआ था। नोआ के अलावा हमास की कैद से 3 युवकों को छुड़ाया गया है। इजराइल डिफेंस फोर्सेस के प्रवक्ता डेनियल हगारी ने कहा है कि बंधकों को छुड़ाने का ऑपरेशन काफी मुश्किल और जोखिम भरा था।

पहली बार चांद तक पहुंचे एस्ट्रोनॉट का प्लेन क्रैश, मौत

90 की उम्र में अकेले उड़ान भर रहे थे 56 साल पहले चांद के 10 चक्कर लगाए

वाशिंगटन, 8 जून (एजेंसियां)। अमेरिका में अपोलो 8 मिशन के एस्ट्रोनॉट बिल ऐन्डर्स की शुक्रवार देर रात एक प्लेन क्रैश में मौत हो गई। 90 साल के ऐन्डर्स इंसानों को लेकर चांद की कक्षा में जाने वाले पहले मिशन अपोलो 8 का हिस्सा थे। बीबीसी न्यूज के मुताबिक, शुक्रवार को बिल अकेले वॉशिंगटन में एक छोटा प्लेन उड़ा रहे थे। यह प्लेन सिएटल के उत्तरी इलाके में स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 11:40 बजे पानी में क्रैश हो गया। इसके बाद सर्च टीम को प्लेन की क्रैश साइट पर एंडर्स का शव मिला। उनके बेटे ग्रेग ने उनकी मौत की पुष्टि की है। अमेरिका का फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन प्लेन क्रैश की जांच कर रहा है। अमेरिकी एयरफोर्स का हिस्सा रह चुके मेजर एन्डर्स 1968 में कर्नल फ्रैंक बोरमैन और कैप्टन जेम्स लोवेल के साथ अपोलो 8 मिशन के लिए रवाना हुए थे।

अपने मिशन के दौरान उन्होंने चांद और पृथ्वी की कई तस्वीरें ली थीं। इस मिशन का लक्ष्य अपोलो 11 की तैयारी करना था, जिसमें पहली बार इंसान चांद पर कदम रखने वाला था। 24 दिसंबर 1968 को चांद के 10 चक्कर लगाने के दौरान तीनों एस्ट्रोनॉट्स ने चांद के क्षितिज से ऊपर उठती पृथ्वी की कई तस्वीरें लीं। वह काले अंतरिक्ष में एक नीले मार्बल की तरह नजर आ रही थी। मेजर एन्डर्स ने इस नजारे की पहली कलर्ड तस्वीर क्लिक की थी। बाद में यह तस्वीर पूरी दुनिया में वायरल हुई और इसे 'अर्थराइज' नाम दिया गया। 1969 में पोस्टेज स्टैम्प पर भी इस तस्वीर को छापा गया था। अपोलो 8 मिशन के अलावा बिल अपोलो 11 मिशन में भी बैकअप पायलट थे। ये वही मिशन था, जिसके तहत नील आर्मस्ट्रॉन्ग ने 24 जुलाई 1969 को चांद पर पहला कदम रखा था। बिल एन्डर्स का जन्म 17 अक्टूबर 1933 को हॉन्गकॉन्ग में हुआ था। उनके पिता चीन की नेवी में काम करते थे। जुलाई 1937 में चीन पर जापान के हमले के बाद बिल अपनी मां के साथ फिलिपींस चले गए। इसके बाद वे अमेरिका चले गए। उन्होंने नेवल एकेडमी से पढ़ाई की। अपोलो 8 मिशन के बाद एन्डर्स 1969 में नासा और अमेरिकी एयरफोर्स से रिटायर हो गए। इसके बाद उन्होंने अमेरिका के नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस काउंसिल में में एग्जीक्यूटिव सेक्रेटरी का पद संभाला।

1970 के दशक में वे एक साल के लिए नॉर्वे में अमेरिका के राजदूत भी रह चुके हैं।

बूढ़ी हो रही जापान की आबादी

अधिक शादियों और बच्चों के लिए अहम फैसला, अब सरकारी डेटिंग एप से आएगा बदलाव

टोक्यो, 8 जून (एजेंसियां)। पिछले वर्ष के आंकड़ों के अनुसार जापान में जन्मदर काफी कम दर्ज की गई है। जापान की जनता लगातार बूढ़ी होती जा रही है, और जन्म का आंकड़ा कम होता जा रहा है। अब पिछले साल का सरकारी आंकड़ा यह बताता है कि 123.9 मिलियन आबादी वाले देश में सिर्फ 727277 शिशुओं ने जन्म लिया। यह आंकड़ा पिछले वर्षों की तुलना कम है। इसके लिए सरकार ने डेटिंग एप शुरू किया है।

जापान में एक सरकार द्वारा संचालित डेटिंग एप चलाया जा रहा है। हालांकि यह एप का प्रारंभिक परीक्षण हो रहा है, जिसके जरिए शादी की इच्छा रखने वाले व्यक्तियों के बीच कनेक्शन को सुविधाजनक बनाया जाए। शादी के लिए पहला कदम के रूप में वर्णित एक ऐप टोक्यो मेट्रोपॉलिटन सरकार द्वारा प्रदान की गई एआई मैचमेकिंग प्रणाली का उपयोग करता है।

यूएन ने इजराइल को ब्लैकलिस्ट किया

गाजा में बच्चों पर हो रहे जुल्म देख लिया फैसला, नेतन्याहू बोले- ऐसा करके यूएन इतिहास में ब्लैकलिस्ट हुआ

तेल अवीव, 8 जून (एजेंसियां)। गाजा में हमलों के बीच इजराइल पर लग रहे मानवाधिकारों के उल्लंघन के आरोपों को देखते हुए यूएन ने उसे ब्लैकलिस्ट कर दिया है। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक, संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने इजराइल के अलावा हमास और फिलिस्तीनी जिहाद को 'लिस्ट ऑफ शेम' (शर्मनाक सूची) में शामिल किया है। यूएन सेक्रेटरी जनरल एंटोनियो गुटेरेस के ऑफिस ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट के साथ यह लिस्ट फाइनल की। इसके बाद इजराइल के राजूदत गिलाद एर्दन को इसकी जानकारी दी गई। जंग के बीच गाजा में बच्चों पर हो रहे जुल्म को देखते हुए यह फैसला किया गया है। यह पहली बार है, जब इजराइल और हमास को इस लिस्ट में जोड़ा गया है।

नेतन्याहू बोले- ऐसा करके इतिहास में ब्लैकलिस्ट हुआ यूएन

रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा, यूएन ने हमास की बेतुके दावों के आधार पर इस लिस्ट में हमारा नाम जोड़ा है। ऐसा करके सेक्रेटरी जनरल एंटोनियो गुटेरेस ने खुद को इतिहास में ब्लैकलिस्ट करवा लिया है। वे आतंकवाद और इजराइल के खिलाफ नफरत को बढ़ावा देते हैं। नेतन्याहू ने कहा, इजराइली डिफेंस फोर्स आईडीएफ पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा इंसानियत रखने वाली सेना है। यूएन का कोई भी फैसला इस हकीकत को नहीं बदल सकता। दूसरी तरफ यूएन में फिलिस्तीन के प्रतिनिधि रियाद मनसूर ने कहा है कि इजराइल को लिस्ट ऑफ शेम में जोड़ने से उन बच्चों को दूसरा जीवन नहीं मिल सकता, जिनकी इजराइल के हमले में मौत हो गई। फिर भी यह इजराइल के अत्याचार के खिलाफ विरोध दर्ज कराने के लिए एक अहम कदम है। इजराइल और हमास के अलावा अब तक यूएन की लिस्ट में रूस, अफगानिस्तान, इराक, मयांमार, सीरिया, यमन, सोमालिया, आईएसआईएस और अलकायदा का नाम शामिल है। पिछले साल यूक्रेन में जंग के बीच बच्चों पर हुए अत्याचार को देखते हुए रूस को इस सूची में जोड़ा गया था।

इससे पहले इजराइल और फिलिस्तीन में विवाद के बीच यूएन की रिपोर्ट में कई बार इसका जिक्र किया गया है। हालांकि, अब तक कभी भी इन्हें लिस्ट में नहीं जोड़ा गया। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, 7 अक्टूबर को शुरू हुई इजराइल-हमास जंग में अब तक 37 हजार 700 फिलिस्तीनियों की मौत हुई है। इनमें 15 हजार 571 बच्चे शामिल हैं। यूएन एक्सपर्ट्स के मुताबिक, गाजा में खाना, पानी, दवाइयों और दूसरे जरूरी सामानों की सप्लाई पर इजराइल की पाबंदी की वजह से वहां मानवीय संकट बढ़ गया है। गाजा के कई हिस्से में अकाल का खतरा है। इस हफ्ते की शुरुआत में यूएनआईसीईएफ ने बताया था कि जंग के बीच 10 में से 9 फिलिस्तीनी बच्चे गंभीर खाद्य गरीबी में जिंदगी गुजार रहे हैं।

पाकिस्तान बोला- भारत से अच्छे रिश्ते चाहते हैं

उनकी बयानबाजी के बावजूद हमने कुछ नहीं कहा कश्मीर समेत हर मसला बातचीत से सुलझाने को तैयार

इस्लामाबाद, 8 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने कहा है कि वह भारत समेत सभी पड़ोसी देशों के साथ अच्छे रिश्ते चाहता है। वह किसी भी विवाद को बातचीत के जरिए सुलझाने को तैयार है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने शुक्रवार को कहा, भारत की तरफ से हो रही बयानबाजी और तमाम मुश्किलों के बावजूद हमने जिम्मेदाराना रवैया अपनाया है। मुमताज ने आगे कहा, हम भारत के साथ जम्मू-कश्मीर के विवाद समेत सभी मसलों को बातचीत के जरिए हल निकालने को तैयार हैं। हम शांतिपूर्ण तरह से साथ मिलकर आगे बढ़ने में विश्वास रखते हैं। हमें उम्मीद है कि दोनों देशों में शांति बनाए रखने के लिए भारत भी बातचीत से समस्याओं का हल निकालने की कोशिश करेगा। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने पीएम मोदी के तीसरे कार्यकाल को लेकर भी सवाल पूछा गया। इस पर बलोच ने कहा कि भारत में सरकार बनने की प्रक्रिया अभी चल रही है। ऐसे में इस बारे में कोई भी बयान देना सही नहीं होगा। पिछले 4 महीनों में पाकिस्तान के अलग-अलग मंत्री कई बार भारत से रिश्ते सुधारने को लेकर बयान दे चुके हैं। अप्रैल में रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने उम्मीद जताई थी कि भारत में लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद दोनों देशों के रिश्ते सुधरेंगे। उन्होंने कहा था कि भारत-पाक संबंधों का अपना एक खास इतिहास रहा है। ऐसे में चुनाव के बाद हालात बदलने की उम्मीद है। इससे पहले 23 मार्च को पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा था कि पाकिस्तान का व्यापारिक समुदाय भारत के साथ व्यापार बहाल करना चाहता है। सरकार मामले से जुड़े लोगों से सलाह लेकर सभी प्रस्तावों की समीक्षा के बाद निर्णय लेगी। दूसरी तरफ लोकसभा चुनाव के नतीजे आने से कुछ ही दिन पहले पाकिस्तान के पूर्व मंत्री फवाद चौधरी ने कहा था कि वे चाहते हैं नरेंद्र मोदी यह चुनाव हार जाएं। फवाद ने कहा था कि पाकिस्तान में हर कोई यह चाहता है। भारत पाकिस्तान के रिश्ते तभी सुधरेंगे, जब दोनों देशों में अतिवाद कम होगा। फवाद ने आगे कहा था कि भारत में आरएसएस और भाजपा लगातार पाकिस्तान के लिए लोगों के दिलों में नफरत भर रहे हैं। नरेंद्र मोदी की सोच कट्टरपंथी है। उनकी शिकस्त होना बहुत जरूरी है। जो भी उनको हराएगा चाहे वे राहुल हों, केजरीवाल हों या ममता बनर्जी हों, उसके साथ हमारी शुभकामनाएं हैं।

हूती विद्रोहियों ने यूएन के 9 लोगों को किडनैप किया

इनमें स्टाफ की पत्नी भी शामिल, आर्थिक तंगी के चलते उठाया कदम

वाशिंगटन, 8 जून (एजेंसियां)। यमन में हूती विद्रोहियों ने यूएन एजेंसी से जुड़े कम से कम 9 लोगों को बंधक बना लिया है। बंधक बनाए गए लोगों में यूएन ह्यूमन राइट्स एजेंसी, वर्ल्ड फूड प्रोग्राम के स्टाफ और यूएन के स्पेशल एम्बेसडर के कार्यालय में काम करने वाला एक व्यक्ति भी शामिल है। इसके अलावा बंधक बने एक कर्मचारी की पत्नी को भी विद्रोहियों ने पकड़ रखा है। यूएन एजेंसी से जुड़े लोगों ने ये जानकारी दी। यूएन के रिजनल ऑफिसर्स ने नाम न बताने की शर्त पर न्यूज एजेंसी से बंधक बनाए जाने की पुष्टि की है। फिलहाल न तो हूती विद्रोही और न ही यूएन ने आधिकारिक रूप से इस पर कोई जानकारी नहीं दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिकी और अन्य देशों की एयरस्ट्राइक्स की वजह से हूती विद्रोही आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। इससे पहले हूती विद्रोहियों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान आकर्षित करने के लिए यमन में 44 लोगों को मौत की सजा भी दी थी। यमन के ईरान समर्थक हूती विद्रोही लाल सागर और हिंद महासागर में अमेरिकी जहाजों को निशाना बना रहे हैं। ऐसा कर वे इजराइल पर गाजा में जंग रोकने का दबाव बना रहे हैं। इन हमलों से बचने के लिए नवंबर से दुनियाभर के कॉमर्शियल जहाज लाल सागर के बदले अफ्रीका से होते हुए गुजर रहे हैं। पिछले महीने हूती विद्रोहियों ने लाल सागर और उसके आसपास 100 से ज्यादा हमले किए हैं। फरवरी में हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में एक कार्गो शिप गैलेक्सी लीडर को हाईजैक कर लिया था। यह जहाज तुर्किये से भारत आ रहा था। हूती विद्रोहियों ने इसे इजराइली जहाज समझ कर हाईजैक किया था। वारदात से पहले हूती समूह ने इजराइली जहाजों पर हमले की चेतावनी दी थी। हूती विद्रोहियों के एक स्पोक्सपर्सन ने कहा था कि इजराइल की तरफ से चलने वाले सभी जहाजों को निशाना बनाया जाएगा।

साल 2014 में यमन में गृह युद्ध शुरू हुआ। इसकी जड़ शिया-सुन्नी विवाद है। कार्नेजी मिडिल ईस्ट सेंटर की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों समुदायों में हमेशा से विवाद था जो 2011 में अरब क्रांति की शुरुआत से गृह युद्ध में बदल गया। 2014 में शिया विद्रोहियों ने सुन्नी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया।

इस सरकार का नेतृत्व राष्ट्रपति अब्दरब्बू मंसूर हादी कर रहे थे। हादी ने अरब क्रांति के बाद लंबे समय से सत्ता पर काबिज पूर्व राष्ट्रपति अली अब्दुल्ला सालेह से फरवरी 2012 में सत्ता छीनी थी।

डेनमार्क की पीएम मेट फ्रेडरिक्सन पर हमला

आरोपी ने पीछे से धक्का दिया, गिरफ्तार, ईयू चुनाव के लिए प्रचार करके लौट रही थीं

कोपेनहेगन, 8 जून (एजेंसियां)। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेट फ्रेडरिक्सन पर कोपेनहेगन में एक व्यक्ति ने अचानक हमला कर दिया। न्यूज एजेंसी रित्जौ की रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी ने पीछे से आकर फ्रेडरिक्सन को जोर से धक्का मारा। इससे वे लड़खड़ा गईं। हालांकि, कोपेनहेगन पुलिस ने हमलावर को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है।

यह हमला यूरोपियन यूनियन (ईयू) चुनाव से ठीक पहले हुआ है। ईयू के चुनाव 9 जून को होने हैं। डेनिश पीएम फ्रेडरिक्सन सोशल डेमोक्रेट्स यूरोपीय संघ के प्रमुख उम्मीदवार क्रिस्टेल शाल्डेमोस के साथ प्रचार कर रही हैं। घटना के वक्त वे प्रचार से ही लौट रही थीं।

डेनमार्क के स्टेट ब्रॉडकास्टर डीआर ने प्राइम मिनिस्टर ऑफिस के हवाले से लिखा कि फ्रेडरिक्सन इस हमले से सदमे में हैं। घटना के चश्मदीदों ने बताया कि एक आदमी दूसरी तरफ से आया और पीएम मेट के कंधे पर जोर से धक्का मारा। धक्का बहुत जोर से लगा था, लेकिन वह गिरने से बच गईं। इसके बाद वह एक कैफे में बैठ गईं।

ग्रीनलैंड पर ट्रम्प से हुई थी तनातनी

46 साल की फ्रेडरिक्सन 2019 में डेनमार्क की प्रधानमंत्री बनीं थीं। उन्होंने 2015 में अपनी पार्टी सोशल डेमोक्रेट्स की कमान संभाली। इसी के साथ वह डेनमार्क की अब तक की सबसे कम उम्र की पीएम बन गईं। 2019 में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने डेनमार्क की स्टेट विजिट से पहले एक बयान में कहा था कि वे नॉर्थ अमेरिका में डेनमार्क के हिस्से ग्रीनलैंड को खरीदना चाहेंगे।

ट्रम्प के इस बयान को फ्रेडरिक्सन ने बेतुका बताया था। इससे ट्रम्प नाराज हो गए थे। उन्होंने अपनी डेनमार्क की यात्रा रद्द करते हुए कहा था कि उनका यह बयान मेरे लिए नहीं बल्कि अमेरिका के लिए है। कोई भी अमेरिका से इस तरह बात नहीं कर सकता।

यूरोपीय राजनेताओं पर हिंसक हमले बढ़े

हाल के दिनों में यूरोपीय राजनेताओं पर हिंसक हमले बढ़े हैं। 4 जून को मैनहेम में एक संदिग्ध व्यक्ति ने बॉक्स कटर से वार करके फार राइट ऑल्टरनेटिव फॉर जर्मनी पार्टी के एक राजनेता की हत्या कर दी। जर्मनी के सेंटर लेफ्ट सोशल डेमोक्रेट्स के यूरोपीय पार्लियामेंट कैंडिडेट मैथियास एके पर भी हमला हुआ था, जिसमें उनके को भी ड्रेसडेन में हुए हमले में गाल और आंख की हड्डी टूट गई थी।

15 मई को स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको पर भी जानलेवा हमला किया गया था। फिलहाल वे रिकवरी कर रहे हैं। हमलावर ने उन पर पांच गोलियां दागीं, जिसमें से एक गोली उनके पेट में लगी थीं। पीएम को तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां साढ़े तीन घंटे तक उनकी सर्जरी चली थी। ये हमला तब हुआ जब प्रधानमंत्री हैंडलोवा शहर में एक सांस्कृतिक हॉल के बहार भाषण दे रहे थे।

91 साल का कनाडाई अरबपति रेप के आरोप में गिरफ्तार

ओटावा, 8 जून (एजेंसियां)। कनाडा के मशहूर बिजनेसमैन फ्रैंक स्ट्रोनक को शुक्रवार को यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया गया। स्ट्रोनक दुनिया की सबसे बड़ी ऑटो पार्ट्स कंपनी के फाउंडर हैं। पुलिस ने स्ट्रोनक को फिलहाल कुछ शर्तों पर रिहा कर दिया है। उन्हें बाद में ब्रैम्पटन, ओंटारियो की एक अदालत में पेश होना होगा। कनाडा की पील रिजनल पुलिस ने एक बयान में कहा कि 91 साल के स्ट्रोनक पर 80 के दशक से लेकर 2023 तक महिलाओं का यौन उत्पीड़न करने का आरोप है।

राष्ट्रपति जिनपिंग से मिले पाकिस्तानी पीएम शरीफ

दोनों के बीच सीपीईसी के काम को आगे बढ़ाने पर बनी सहमति

बीजिंग, 8 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच बैठक हुई। इस दौरान दोनों नेता ने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) के सुधार और दूसरे चरण में अरबों डॉलर की इस परियोजना के विकास को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई।

शहबाज शरीफ चीन की आधिकारिक यात्रा पर गए हुए हैं। वह यहां चार जून से पांच दिवसीय यात्रा पर हैं। दोनों नेताओं ने शुक्रवार को बीजिंग के ऐतिहासिक ग्रेट हॉल ऑफ पीपुल में गहन चर्चा की। यहां दोनों नेताओं के अलावा मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। बता दें, साल 2024 में पद संभालने के बाद से राष्ट्रपति शी के साथ शरीफ की यह पहली मुलाकात थी। सरकारी मीडिया के अनुसार, दोनों नेताओं ने सीपीईसी के सुधार और इस बड़ी परियोजना को दूसरे चरण में आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। गौरतलब है, पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में ग्वादर बंदरगाह को चीन के शिनजियांग प्रांत से जोड़ने वाला सीपीईसी चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड पहल (बीआरआई) की प्रमुख परियोजना है। बीआरआई को चीन द्वारा दुनिया भर में चीनी निवेश द्वारा वित्तपोषित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के माध्यम से विदेशों में अपना प्रभाव बढ़ाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। बीआरआई पहली बार 2013 में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा 'सिल्क रोड' के रूप में एक भाषण में सामने आया था, जिसे अप्रैल 2015 में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे की घोषणा के साथ हटा दिया गया था। बीआरआई ग्वादर से चीनी शहर झिंजियांग में काशगर तक फैला था। चीन ने 65 अरब डॉलर की सीपीईसी योजना के तहत पाकिस्तान में विभिन्न बिजली परियोजनाओं और सड़क नेटवर्क में अरबों का निवेश किया है, लेकिन हाल के महीनों में विभिन्न परियोजनाओं का काम धीमा हो गया है। एक रिपोर्ट में कहा गया है, प्रधानमंत्री शरीफ ने राष्ट्रपति शी को आर्थिक सुधार और सतत वृद्धि, औद्योगिक विकास, कृषि आधुनिकीकरण और क्षेत्रीय संपर्क के लिए पाकिस्तान की नीतियों और पाकिस्तान के विकास में सीपीईसी द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जानकारी दी।

ट्रम्प ने माना पत्नी मेलानिया के साथ सबकुछ ठीक नहीं

बोले- हमारे बीच कम बात होती है, पोर्नस्टार मामले ने जिंदगी में काफी असर डाला

न्यूयॉर्क, 8 जून (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पहली बार माना है कि उनके और उनकी पत्नी मेलानिया के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। एक कार्यक्रम में ट्रम्प ने कहा कि अब उनकी मेलानिया से 'बहुत कम' बातचीत होती है। दरअसल, लंबे समय से ऐसी अटकलें लगाईं जा रही थीं कि ट्रंप-मेलानिया में तनाव भरा रिश्ता चल रहा है और उनके बीच बातचीत नहीं होती है।

ट्रम्प के हशमनी मामले में मेलानिया चुप रही थीं। मैनहैट्टन में जब उन्हें दोषी ठहराया गया था तो मेलानिया वहां गई तक नहीं। बाद में भी मेलानिया ने कोर्ट के फैसले को लेकर भी कोई टिप्पणी तक नहीं की। इससे अनुमान लगाया जाने लगा कि ट्रम्प परिवार में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है।

हाल ही में डोनाल्ड ट्रम्प एक शो में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने राजनीतिक मुद्दों के अलावा अपने निजी जीवन पर भी बातें की। उन्होंने कहा कि उनके परिवार के लिए ये एक मुश्किल दौर रहा है। ट्रम्प ने कहा कि मेरी फैमिली के साथ काफी अन्याय हुआ है। मेरी पत्नी मेलानिया बहुत अच्छी है। उसे दिन भर ये बकवास चीजें पढ़ने को मिलती हैं।

मेलानिया की हालत पूछे जाने पर ट्रम्प ने कहा- मुझे लगता है वे ठीक ही होंगी। मैं ईमानदारी से कहूं तो मुझे लगता है कि यह सब उनके लिए आसान नहीं है। मुझे लगता है कि अगर वे ठीक नहीं है तो वे मुझे यह सब बताना भी नहीं चाहती। इससे पहले फॉक्स न्यूज से भी बात करते हुए ट्रम्प ने कहा था कि उनकी कानूनी लड़ाई विशेष रूप से उनकी पत्नी के लिए कठिन रही है।

रूठों को मनाने में जुटी राज्य सरकार

पीएम किसान निधि में दो हजार रुपये सालाना देने का ऐलान

जयपुर, 8 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनावों में झटका खाने के बाद अब राजस्थान की भजनलाल सरकार किसान वर्ग को राजी करने में जुट गई है। इसके लिए शनिवार को सीएम भजनलाल शर्मा ने बड़ा ऐलान किया, जिसमें प्रधानमंत्री किसान निधि में राज्य सरकार की तरफ से 2 हजार रुपये सालाना देने का ऐलान किया गया है। इससे राज्य सरकार पर सालाना करीब 1100 करोड़ का वित्तीय भार आएगा।

राज्य में करीब 57 लाख किसानों को सरकार 2 हजार रुपये सालाना वित्तीय सहायता देगी। यह सहायता किसान कल्याण निधि के माध्यम से ही दी जाएगी। केंद्र सरकार किसान कल्याण निधि में राज्य के 57 लाख किसानों को सालाना 6 हजार रुपये की वित्तीय सहायता देती है। इससे राजस्थान में किसानों को सालना मिलने वाली राशि बढ़कर 8 हजार रुपये हो जाएगी।

नई भर्तियों का भी होगा ऐलान

किसान सम्मान निधि के साथ-साथ अब राजस्थान में नई भर्तियों का ऐलान भी सरकार करेगी। इसके लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अब भर्तियों को लेकर सचिवालय में बड़ी बैठक बुलाई है।

केजी से पीजी तक पढ़ाई फ्री! भजनलाल सरकार 1 जुलाई से करने जा रही योजना लागू

जयपुर, 8 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में भजनलाल सरकार बजट सत्र में घोषित मुख्यमंत्री किसान शिक्षा प्रोत्साहन योजना लागू करने जा रही है। जिसके तहत वंचित वर्गो के बच्चों को केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा उपलब्ध करवाई जाएगी। बता दें कि वित्तमंत्री दिया कुमारी ने बजट भाषण के दौरान गरीबों को मुफ्त शिक्षा उपलब्ध कराने का बड़ा ऐलान किया था। भजनलाल सरकार ने इस योजना को 1 जुलाई से लागू करने जा रही है।

इस योजना में सभी वंचित वर्गों तक भी शिक्षा पहुंचाने का उद्देश्य रखा गया है। जिससे शिक्षा को सुलभ किया जा सके। इसमें अल्प आय वर्ग, लघु/ सीमांत / बटाईदार किसानों और खेतिहर श्रमिकों के परिवार के छात्र-छात्राओं को केजी से पीजी तक निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने की घोषणा की गई है। इसे तहत अल्प आय वर्ग (रुपये 2.50 लाख तक वार्षिक आय), लघु/ सीमांत / बटाईदार किसानों और खेतिहर श्रमिकों के बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान की जायेगी। यह योजना नए शैक्षणिक सत्र 2024-25 (दिनांक 01.07.2024) से लागू होगी।

अल्प आय वर्ग (रुपये 2.50 लाख तक वार्षिक आय), लघु/ सीमांत / बटाईदार किसानों और खेतिहर श्रमिकों के परिवारों के राजकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को मुख्यमंत्री किसान शिक्षा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत राजकीय निधि कोष की देय राशि माफ कर दी जायेगी। (राजकीय निधि मद- प्रवेश शुल्क, शिक्षण शुल्क व प्रयोगशाला शुल्क) विद्यार्थियों से छात्र निधि मद से प्रवेश के समय विभिन्न शुल्क यथा महाविद्यालय विकास समिति, कॉशन मनी, सांस्कृतिक गतिविधियां, क्रीडा शुल्क, परिचय पत्र शुल्क इत्यादि लिये जाएंगे।

मुख्यमंत्री किसान शिक्षा प्रोत्साहन योजना बजट सत्र में की थी घोषणा

राजस्थान विधानसभा चुनाव के समय भाजपा ने इस योजना को संकल्प पत्र में जगह दी थी।

जिसके बाद भजनलाल सरकार ने पूरा करते हुए बजट सत्र 2024 में वित्तमंत्री दिया कुमारी ने इसकी घोषणा की। अब इसे 1 जुलाई से लागू कर दिया जाएगा।

हर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को मिलेगा मोबाइल फ़ोन या टेबलेट, मुख्य सचिव ने दिया निर्देश

जयपुर, 8 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में अब हर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को मिलेगा मोबाइल फ़ोन या टेबलेट। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने निर्देश जारी किया है। राजस्थान मुख्य सचिव सुधांश पंत की अध्यक्षता में शासन सचिवालय में महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। मुख्य सचिव ने आंगनबाड़ी केंद्र में कार्यरत महिला कार्यकर्ताओं को स्मार्टफोन या टेबलेट दिया जाए। जिससे ऑनलइन मॉनिटरिंग की जा सके। दैनिक समय सारणी को ऑनलाइन लिया जाए। साथ ही प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र द्वारा एक वाट्सयाप ग्रुप बनाकर बच्चों के अभिभावकों को उसमें जोड़ा जाए। आंगनबाड़ी में आने वाले बच्चों का विस्तृत डाटा तैयार किया जाए जिसमें स्वास्थ्य रिकॉर्ड, अभिभावकों का ब्यौरा शामिल हो।

मुख्य सचिव ने बैठक में निर्देश दिए कि आंगनबाड़ी केंद्रों पर पेयजल एवं शौचालयों के निर्माण तथा बिजली के कनेक्शन किया जाने को प्राथमिकता दी जाए। विभाग द्वारा कॉनफेड से संचालित कार्य को और बेहतर किया जाए एवं इसके विकल्प ढूंढे जाए। उन्होंने विभाग में व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पोषाहार सप्लाई की मात्रा एवं गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। विभागीय योजना के तहत दिए जाने वाले लाभ महिलाओं एवं बच्चों को पूर्ण पारदर्शिता के साथ दिए जाए।

प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना को जन-जन तक पहुंचाएं

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना एक बेहद ही महत्वपूर्ण योजना है इसकी जागरूकता जन-जन तक पहुंचाई जाए। इस योजना का प्रत्येक योग्य लाभार्थी को लाभ मिले। पी एम जनमन योजना पर भी विशेष ध्यान दिया जाए और आंगनबाड़ी केन्द्रों को सक्षम बनाया जाए।

लंबित डीपीसी का निस्तारण करने के निर्देश

मुख्य सचिव ने महिला एवं बाल विकास विभाग में लंबित डीपीसी का निस्तारण करने के साथ ई-फाइलिंग में औसत निस्तारण समय को औऱ कम करने के लिए कार्य करने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने उद्यम प्रोत्साहन योजना में ऋण सीमा को बढ़ाया जाने और इसका प्रचार-प्रसार किया जाने पर बल दिया। इसके लिए सफलता की कहानी की किताब प्रकाशित किए जाने के निर्देश दिए जिससे अधिक से अधिक महिलाएं एवं स्वयं सहायता समूह को प्रेरणा मिले और वह इसका लाभ ले सकें।

प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र में पौधरोपण कराएं

मुख्य सचिव ने बताया कि प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र में पौधरोपण करवाया जाए और जल संरक्षण से सम्बंधित कार्य किए जाएं। आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों को जल संरक्षण, वृक्षारोपण का महत्व के बारे में बताया जाए।

थमता नहीं दिख रहा राजपरिवार का विवाद

विश्वेंद्र सिंह ने लगाया सोना और जवाहरात चुराने का आरोप

भरतपुर, 8 जून (एजेंसियां)। भरतपुर में पूर्व राजपरिवार का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब पूर्व कैबिनेट मंत्री विश्वेंद्रसिंह ने पत्नी और बेटे के खिलाफ भरतपुर रॉयल फैमिली रिलीजियस एवं सेरेमोनियल ट्रस्ट भरतपुर के 10 किलो सोने सहित करोड़ों के हीरे-जवाहारात चोरी करने का आरोप लगाते हुए भरतपुर शहर के मथुरा गेट पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया है।

कुछ दिनों पहले पूर्व कैबिनेट मंत्री विश्वेंद्र की ओर से वरिष्ठ नागरिक होने के चलते भरण-पोषण के लिए पत्नी और बेटे से प्रतिमाह पांच लाख रुपये की मांग को लेकर एसडीएम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी, जिसकी सुनवाई अभी कोर्ट में है।

जानकारी के मुताबिक पूर्व कैबिनेट मंत्री विश्वेन्द्र सिंह ने शहर के मथुरा गेट थाने में पत्नी दिव्या सिंह व पुत्र अनिरुद्ध सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाते हुए एफआईआर में बताया है कि न्यू दिल्ली वॉलेट लिमिटेड, डी 70, डिफेंस कॉलोनी, न्यू दिल्ली के लॉकर संख्या 1402 उनका, पत्नी दिव्या सिंह व पुत्र अनिरुद्ध सिंह तीनो का जॉइंट रूप से लॉकर था। विश्वेंद्र सिंह ने इस लॉकर से पत्नी व बेटे पर भरतपुर रॉयल फैमिली के रिलीजियस एवं सेरेमोनियल ट्रस्ट भरतपुर के 10 किलो सोने समेत करोड़ों के हीरे-जवाहरात चोरी करने का आरोप लगाया है।

उन्होंने बताया कि परिवार में विवाद के बाद 2020 से 2024 के बीच इन लोगों ने 16 बार लॉकर खोलकर सामान निकालकर इसको बंद कर दिया। बैंक से 4 मई 2024 को मिले पत्र से उन्हें इसके बारे में पता चला। लॉकर को खोलने व बंद करने के लिए परिवादी की सहमति नहीं ली गई, जिसके चलते उन्होंने धोखाधड़ी व सोना और आभूषण चोरी करने और मारपीट करके घर से निकालने का आरोप लगाया है।

पुलिस ने धारा 341, 323, 504, 506,420,424,380,34 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। फिलहाल घटना को लेकर पुलिस का कोई भी बड़ा अधिकारी कुछ भी बोलने से इंकार कर रहा है। उनका कहना है एफआईआर दर्ज हो चुकी है और जांच जारी है।

सांसद ने कंगना को थप्पड़ मारने वाली महिला सिपाही को बताया जांबाज

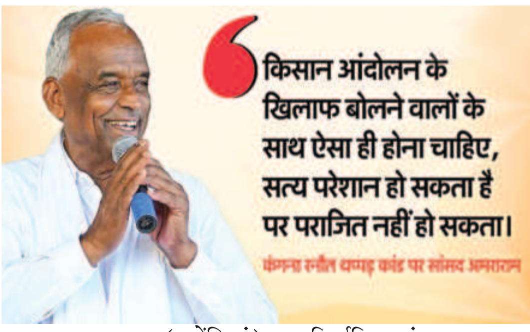

जयपुर, 8 जून (एजेंसियां)। नवनिर्वाचित सांसद अमराराम ने कंगना रनौत को थप्पड़ मारने के मामले में सुरक्षा कर्मी का समर्थन करते हुए विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वह उस सुरक्षा कर्मी को धन्यवाद देना चाहते हैं, जिसने किसान आंदोलन के खिलाफ बोलने वाली कंगना को थप्पड़ मारा।

सीकर से मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नवनिर्वाचित सांसदअमरा राम ने कहा कि मैं उस जांबाज सिपाही का आभारी हूं, जिसने कंगना रनौत को थप्पड़ में जवाब दिया है।

किसान आंदोलन के खिलाफ बोलने वालों के साथ ऐसा ही होना चाहिए। हो सकता है कि वह सिपाही सस्पेंड हो जाए, लेकिन उसने सही किया। शहीद आजम भगत सिंह ने भी अपनी फांसी चुनी थी। सत्य परेशान हो सकता है पर पराजित नहीं हो सकता।

बता दें कि कंगना रनौत, जो अक्सर अपने बयानों के लिए चर्चा में रहती हैं, उन्होंने किसान आंदोलन के खिलाफ कई टिप्पणियां की थी। उनके इन बयानों के कारण वह कई बार विवादों में रही हैं। सुरक्षाकर्मी द्वारा थप्पड़ मारे जाने की घटना ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है।

तेज अंधड़ से निर्माणाधीन मकान की 30 फीट ऊंची दीवार गिरी

सात लोग मलबे में दबे, चार गंभीर घायल

अलवर, 8 जून (एजेंसियां)। निर्माणाधीन मकान में काम करते समय 30 फीट ऊंची दीवार गिरने से 7 लोग दब गए। घटना सुबह करीब सवा 8 बजे की है। रामगढ़ थाने के खेड़ी का बास निवासी अनिल के मकान का काम चल रहा था। उसी दौरान चल रहे अंधड़ में तीस फीट ऊंची दीवार गिरने से यह हादसा हो गया।

अनिल ने आज सुबह परिवार और आसपास के लोगों को पटाव रखवाने के लिए बुलाया था, जिसमें चार लोग एक ही परिवार के थे, बाकी तीन पड़ोसी थे। घायलों में 4 लोगों को गंभीर चोट लगने के कारण अलवर रैफर किया गया है, बाकी तीन को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

ये हैं राजस्थान के सबसे अमीर और गरीब सांसद

जयपुर, 8 जून (एजेंसियां)। राजस्थान की 25 लोकसभा सीटों के नतीजे आने के बाद अब नव निर्वाचित सांसदों को लेकर कई रोचक जानकारी सामने आई है। पाली सांसद पीपी चौधरी राजस्थान के सबसे अमीर सांसद हैं, इनकी कुल संपत्ति 40.71 करोड़ से ज्यादा हैं। वहीं, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के गृह जिले में सेंध लगाने वाली 26 साल की संजना जाटव प्रदेश की सबसे गरीब सांसद हैं। चुनाव से पहले दिए शपथ पत्र में इनकी संपत्ति का खुलासा हुआ है।

सांसदों के शपथ पत्रों की मानें तो राजस्थान की 25 लोकसभा सीटों पर चुने गए सांसदों में से 22 सांसद करोड़पति हैं। वहीं, तीन सांसदों के पास लाखों रुपए की संपत्ति है। लखपतियों की लिस्ट में नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल, सीकर सांसद अमराराम और भरतपुर सांसद संजना जाटव का नाम शामिल है।

कौन है सबसे अमीर सांसद?

पीपी चौधरी जीत की हैट्रिक लगाकर तीसरी बार पाली से सांसद चुने गए हैं। उन्होंने कांग्रेस की संगीता बेनीवाल को 2 लाख 45 हजार 351 वोटों से शिकस्त दी। प्रदेश के सबसे अमीर सांसद के पास कुल 40,71,76,661 रुपए है। जिनमें से उनकी पत्नी की 13.44 करोड़ रुपए है।

जानें प्रदेश की सबसे गरीब सांसद कौन?

राजस्थान के भरतपुर से चुनाव जीतने वाली कांग्रेस की संजना जाटव की उम्र 26 साल हैं। वे सबसे कम उम्र की लोकसभा में पहुंचने वाली सांसद हैं। लेकिन, इनकी संपत्ति सभी सांसदों में सबसे कम है। इनकी कुल संपत्ति 23,10,193 रुपए है। संजना ने करीब 51 हजार वोटों से बीजेपी के रामस्वरूप कोली को शिकस्त दी। इससे पहले संजना ने कठूमर से विधानसभा चुनाव लड़ा था। लेकिन, मात्र 409 वोटों से हार गई थी।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई, बैंक में डकैती की योजना बनाते पांच आरोपियों को दबोचा

दौसा, 8 जून (एजेंसियां)। मेहंदीपुर बालाजी। चौकी पुलिस ने कस्बे की बड़ौदा बैंक में डकैती की योजना को विफल करते हुए पांच आरोपियों को दबोच लिया। इस दौरान आरोपियों के कब्जे से कारतूस सहित 315 बोर का एक देशी कट्टा, मोटर साइकिल की चैन, लोहे का पाइप, बांस का डंडा और एक सब्बल भी जब्त किया है।

मेहंदीपुर बालाजी चौकी प्रभारी सुरेश कुमार ने बताया कि बदमाश सुरेंद्र मीना, सुरेश मीना, निवासी सांकरवाड़ा, साहिल निवासी कोडिया महावीरजी, रवि मीना मीना निवासी कोटवाड़ा का बास बांदीकुई और धर्मी मीना (निवासी लोटवाड़ा मेहंदीपुर बालाजी घाटी के नीचे कस्बे में मौजूद बड़ौदा बैंक में डकैती की योजना बना रहे थे।

इस दौरान डकैती की योजना बनाते आरोपियों की सूचना मुखबिर से पुलिस को मिली। ऐसे में चौकी प्रभारी सब इंस्पेक्टर सुरेश कुमार ने मामले से उच्चाधिकारियों को अवगत कराया। इस दौरान टीम गठित कर आरोपियों को घेरकर दबोच लिया। आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ चोरी, लूट, हत्या का प्रयास सहित कई धाराओं में दर्जनों मामले दर्ज हैं। जिनमें सुरेश उर्फ सैठ्या के खिलाफ 11, सुरेंद्र के खिलाफ 16, साहिल के खिलाफ 2 और रवि और धर्मी के खिलाफ 1-1 मामले दर्ज है। पुलिस टीम में चौकी प्रभारी सब इंस्पेक्टर सुरेश कुमार, कांस्टेबल संदीप, कैलाश शर्मा, शैलेंद्र सिंह, सीताराम और महेश गुर्जर आदि शामिल रहे।

चौपाल लगाकर बैठे ग्रामीणों को बेकाबू ट्रैक्टर ने कुचला, हादसे में दो की मौत; दो का इलाज जारी

बूंदी, 8 जून (एजेंसियां)। बूंदी में एक दर्दनाक सड़क हादसे का मामला सामने आया है। यहां अनियंत्रित ट्रैक्टर ट्रॉली द्वारा ग्रामीणों को कुचल दिया गया है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रैक्टर ट्राली को जब्त कर जांच शुरू कर दी है। वहीं शवों का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। बताया जा रहा है कि तेज गति में मिट्टी से भरी हुई ट्रैक्टर ट्रॉली डाबी कस्बे जा रही थी, तभी सामने से तेज गति में एक बाइक वाला नजर आया, जिसे बचाने के चक्कर में ट्रॉली अनियंत्रित हो गई और पेड़ के नीचे चौपाल लगाकर बैठे ग्रामीणों को कुचल दिया।

डाबी थानाधिकारी अनिल जोशी ने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम से सूचना मिली थी कि लांबाखोह गांव में अनियंत्रित ट्रैक्टर ट्राली होने से दो लोगों की मौत हुई है। इस सूचना पर मौके पर पहुंचे थे, जहां घायलों को डाबी स्वास्थ्य केंद्र से गंभीर हालत होने के चलते कोटा रेफर कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि डाबी निवासी शंभू बैरागी और गोपाल तेली ग्रामीणों के साथ लांबाखोह गांव में पेड़ के नीचे धूप से बचने के लिए बैठे हुए थे। ग्रामीणों का हुजूम लगा हुआ था। इसी बीच लांबा खोह गांव से की तरफ से एक ट्रैक्टर ट्राली तेज गति में आई, जिसमें मिटटी और मिट्टी भरी हुई थी। वह अचानक से पेड़ के नीचे बैठे ग्रामीणों की तरफ बढ़ गई और उन्हें कुचल दिया।

दूसरी ओर बूंदी शहर के छत्रपुरा इलाके में बजरी खालीकर आ रहे हैं डंपर ने दो मंजिला मकान पर रस्सी के सहारे पुताई कर रहे मजदूरों को खींच लिया। रस्सी टूट जाने के चलते मजदूर सर के बाल गिर गए।

बारात में आए वर व वधु पक्ष के बीच विवाद

चाकूबाजी में एक व्यक्ति की मौत; शराब के नशे में हुआ था झगड़ा

सिरोही, 8 जून (एजेंसियां)। पुलिस के अनुसार रोहिड़ा पुलिस थानांतर्गत पानिया गांव में गुजरात के पोसीना से बारात आई थी। इसमें वर पक्ष एवं वधु पक्ष के लोगों के बीच विवाद हो गया। मामूली कहासुनी से शुरू हुए विवाद ने देखते ही देखते हिंसक घटना का रूप ले लिया। एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू के हमले में एक युवक गंभीर घायल हो गया। इलाज के लिए अस्पताल ले जाते समय युवक की रास्ते में मौत हो गई। इस मामले में साड़ी, मांडवा जिला उदयपुर निवासी शंकर पुत्र बाबू गमेती भील ने रोहिड़ा पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका बेटा लक्ष्मण (23) 7 जून को भावा पुत्र समीरा गमेती भील की बेटी की बारात में आया था। बारात में मौजूद भारमा पुत्र सोमा, करण पुत्र सोमा और उनके बहनोई की उसके पुत्र से आपस में शराब के नशे में झगड़ा हो गया। उन लोगों ने मिलकर लक्ष्मण के ऊपर धारदार हथियार से हमला कर दिया। जिसे गंभीर घायल हालत में इलाज के लिए पोसीना गुजरात ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई।

इस पर शव को इसके चलते एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर प्राण घातक हमला कर दिया। हादसे में एक युवक की इलाज के लिए गुजरात ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। इस पर शव को लेकर वापस अस्पताल पहुंचे और मॉर्चुरी में रखवा दिया। घटना की सूचना मिलने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रभुलाल धानिया, माउंटआबू पुलिस उपाधीक्षक पुष्पेंद्रसिंह वर्मा, स्वरूपगंज थाना अधिकारी कमलसिंह राठौड़, रोहिड़ा थाना अधिकारी जितेंद्रसिंह ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया। मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

अवैध मादक पदार्थ का परिवहन करते दो तस्कर गिरफ्तार

कब्जे से भारी मात्रा में अफीम भी बरामद

अजमेर, 8 जून (एजेंसियां)। अजमेर पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार विश्नोई ने खुलासा करते हुए बताया कि अवैध मादक पदार्थ का परिवहन करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ 15 दिवस का विशेष अभियान के तहत क्लॉक टावर थाना पुलिस ने कार्रवाई को अंजाम दिया। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को मुखबिर के जरिए मोबाइल पर सूचना मिली कि दो लड़के हैं, जो माल गोदाम स्टेशन रोड पर खड़े हैं और उनके पास मादक पदार्थ है। मुखबिर की सूचना पर तुरंत प्रभाव से पुलिस ने कार्रवाई कर दोनों युवकों की तलाश की और उन्हें गिरफ्त में ले लिया। गिरफ्तारी के बाद जब पुलिस ने उनकी तलाशी ली तो दोनों युवकों के बैग में से भारी मात्रा में मादक पदार्थ मिला। तस्कर राजेश के बैग में से 635 ग्राम अवैध अफीम मिली और दूसरे युवक मुकेश के बैग में से 620 ग्राम अफीम बरामद की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 5 लख रुपए बताई जा रही है।

राष्ट्रपति मुर्मू, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और अन्य नेताओं ने रामोजी राव के निधन पर शोक व्यक्त किया

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने शनिवार को रामोजी राव के निधन पर शोक व्यक्त किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि उद्योग जगत में रामोजी राव के योगदान को लंबे समय तक याद रखा जाएगा। राष्ट्रपति मुर्मू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, श्री रामोजी राव के निधन से भारत ने मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र का एक दिग्गज खो दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रामोजी राव के निधन पर दुख व्यक्त किया है और उन्हें एक 'दूरदर्शी' व्यक्ति बताया है, जिन्होंने भारतीय मीडिया में क्रांति ला दी। मोदी ने कहा, मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे उनसे बातचीत करने और उनकी बुद्धिमत्ता से लाभ उठाने के कई अवसर मिले। इस कठिन समय में उनके परिवार, दोस्तों और अनगिनत प्रशंसकों के प्रति संवेदना। ओम शांति। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि पत्रकारिता, सिनेमा और मनोरंजन में रामोजी राव के योगदान ने एक स्थायी प्रभाव छोड़ा है और मीडिया परिदृश्य को बदल दिया है।

इस बीच, तेलंगाना के राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन ने रामोजी राव को एक 'सच्चा महापुरुष' कहा, जिन्होंने अपने गहन और व्यापक योगदान से भारतीय मीडिया और सिनेमा में क्रांति ला दी। टीडीपी अध्यक्ष ने कहा कि एक साधारण परिवार में जन्मे और असाधारण उपलब्धियां हासिल करने वाले रामोजी राव के निधन से बहुत दुख हुआ। चंद्रबाबू ने कहा, रामोजी राव ने तेलुगु लोगों के जीवन में सबसे प्रभावशाली छाप छोड़ी। वह लोगों की संपत्ति और प्रकाश हैं। उनका निधन न केवल राज्य के लिए, बल्कि देश के लिए भी एक बड़ी क्षति है। पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायुडू ने रामोजी राव को एक अनुशासित व्यक्ति बताया। वेंकैया नायुडू ने कहा, रामोजी राव ने अनुशासन, समय की पाबंदी और प्रतिबद्धता के साथ हर क्षेत्र में एक नया चलन बनाया। तेलुगु भाषा और संस्कृतियों के लिए उनकी सेवा यादगार है। वह एक व्यक्ति नहीं थे। हर किसी को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए और उनके पदचिन्हों पर चलने की कोशिश करनी चाहिए। इसी तरह, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन, केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और कई अन्य नेताओं ने रामोजी राव के परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

केसीआर ने जताया रामोजी राव के निधन पर शोक

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस प्रमुख के चंद्रशेखर राव ने ईनाडू समूह के चेयरमैन रामोजी राव के निधन पर शोक जताया। उन्होंने उद्योग और मीडिया क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में रामोजी राव द्वारा दी गई सेवाओं को याद किया। बीआरएस प्रमुख ने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

पुलेला गोपीचंद ने रामोजी राव को श्रद्धांजलि दी

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मीडिया दिग्गज रामोजी राव को श्रद्धांजलि देते हुए भारत के बैडमिंटन कोच पुलेला गोपीचंद ने कहा कि यह एक बड़ी क्षति है, "उनके जैसा दूरदर्शी व्यक्ति कभी नहीं देखा"। मुझे लगता है कि यह देश के लोगों के लिए विशेष रूप से तेलुगु लोगों के लिए एक बड़ी क्षति है। जहां तक प्रेरणा का सवाल है, उनके जैसा कोई नहीं है। जब हम समाज में योगदान देने की बात करते हैं, तो कोई भी रामोजी राव से मेल नहीं खाता। व्यक्तिगत रूप से, रामोजी राव ने अकादमी के माध्यम से कई एथलीटों का चुपचाप समर्थन किया। मैंने पिछले 3-4 वर्षों में खेलों में उनके जैसा दूरदर्शी व्यक्ति कभी नहीं देखा।

हैदराबाद सेवा भाव के लिए प्रसिद्ध : बंडारू दत्तात्रय

बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल के सेवा शिविर में देश भर के लोगों ने लिया लाभ

हैदराबाद, 8 जून(स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवादल के नुमाईश मैदान में स्थापित सेवा शिविर का उद्घाटन हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने किया। जिसका लाभ देश भर से मछली प्रसादम लेने के लिए आए लोगों ने लिया। राज्यपाल ने पित्ती ट्रस्ट-सेवा दल के कार्यों की और बत्तिनी गौड परिवार के कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि हैदराबाद सेवा भाव के लिए बहुत ही प्रसिद्ध है जहां कई समाज आगे आकर सेवा करते हैं। इनमें प्रमुख रूप से पित्ती ट्रस्ट है जिनके कारण लोगों को खाने पीने की कोई दिक्कत नहीं होती।

राज्यपाल ने पित्ती ट्रस्ट-सेवा दल द्वारा किये जा रहे सेवा कार्यों की प्रशंसा की और दमा रोग निवारण के लिए बत्तिनी गौड़ परिवार द्वारा एक शताब्दी से अधिक समय से दी जा रही इस दवा के प्रति लोगों का विश्वास है, जिसके चलते हर साल संख्या बढ़ती है। इसमें तेलंगाना सरकार व विभाग का सहयोग रहता है।

अवसर पर पित्ती ट्रस्ट के चेयरमैन शरद बी.पित्ती ने तेलंगाना के विधानसभा अध्यक्ष गद्दम प्रसाद कुमार, परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर सहित विभिन्न अधिकारियों का आभार प्रकट किया। ट्रस्ट हमेशा से ही सेवा कार्यों में आगे रही है और आगे भी रहेगी। पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल ने इस बार पांच दिवसीय शिविर गत 5 जून से आरंभ किया जिसका बडी संख्या में लोगों ने भोजन का लाभ लिया। शिविर में करीब एक लाख लोगों के भोजन की व्यवस्था की गई।

अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजित गुप्ता ने कहा कि इस वर्ष बत्तिनी गौड़ परिवार द्वारा मृगशिरा के दिन दमा रोग निवारण हेतु मछली प्रसाद का वितरण आज किया गया। इस दौरान मछली प्रसाद ग्रहण करने वालों द्वारा अगले 45 दिनों तक किये जाने वाले परहेज की भोजन सामग्री की प्रदर्शनी लगाई गई। साथ ही सभी को सुविधा के लिए दवा के बाद ग्रहण किये जाने वाले भोजन की सूची के कर पत्रों को हिन्दी, अंग्रेजी एवं तेलुगु तीनों भाषा में प्रकाशित कर वितरित किया गया।

शिविर में मेडिकवर अस्पताल के सहयोग से निशुल्क आपातकालीन चिकित्सा तथा एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध करवाई गई। अजित गुप्ता ने सभी का आभार प्रकट किया और दी गई सेवा का उल्लेख किया। शिविर में पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल के सदस्यों सहित पित्ती इंजीनियरिंग लिमिटेड के कर्मचारियों तथा अग्र महिला मंच एवं अग्रणी महिला मंच की सदस्यों ने सेवा प्रदान की।

अवसर पर अग्रवाल सेवा दल के संयोजक विनय सी.अग्रवाल, अजित गुप्ता, कैलाश केडिया, प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, निखिल राणासरिया, उर्मिला अग्रवाल, समाजसेवी गोपाल सिंह शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव, अजय तुलस्यान, दीपक गुप्ता, अरुण डाकोतिया विनोद अग्रवाल, नीना मित्तल, निर्मला केडिया, अनिता अग्रवाल, दिशा अग्रवाल, गोपाल मोर, विजय अग्रवाल, योगेश अग्रवाल ने सेवाएं प्रदान की।

रजनीकांत, चिरंजीवी, अल्लू अर्जुन, राम चरण ने रामोजी राव को दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अभिनेता रजनीकांत, चिरंजीवी, अल्लू अर्जुन, राम चरण और जूनियर एनटीआर के सत्तथ लगभग सभी प्रमुख सिने हस्तियों ने ईनाडु समूह और रामोजी फिल्म सिटी के संस्थापक रामोजी राव के निधन पर दुख व्यक्त किया।

एक्स पर एक पोस्ट में, रजनीकांत ने राव को अपने गुरु और शुभचिंतक के रूप में याद किया और कहा कि वह उनके निधन से बहुत दुखी हैं। वह व्यक्ति जिसने पत्रकारिता, सिनेमा में इतिहास रचा और राजनीति में एक महान किंगमेकर था। वह मेरे जीवन में मेरे मार्गदर्शक और प्रेरणा थे। उनकी आत्मा को शांति मिले।

चिरंजीवी ने एक्स पर एक भावनात्मक संदेश पोस्ट किया, जिसमें कहा गया कि रामोजी राव, जो एक पहाड़ की तरह थे, जो कभी किसी के सामने नहीं झुके, स्वर्ग में पहुँच गए हैं। अल्लू अर्जुन ने कहा कि रामोजी राव एक "अग्रणी और एक प्रेरक दूरदर्शी" थे और मीडिया दिग्गज के प्रति उनके मन में गहरा सम्मान है। "जब भी मैं रामोजी पर शूटिंग करता हूँ, तो मुझे उनकी आभा महसूस होती है। मीडिया, सिनेमा और कई अन्य उद्योगों में उनके अद्वितीय योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकेगा। उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति हार्दिक संवेदना। उनकी महान आत्मा को शांति मिले," उन्होंने एक्स पर लिखा।

'आरआरआर' के सितारे राम चरण ने कहा, "दुनिया के सबसे बड़े फिल्म स्टूडियो, रामोजी फिल्म सिटी की स्थापना दुनिया भर के फिल्म निर्माताओं के लिए एक ऐतिहासिक स्थल बन गई है। रामोजी राव को उनके गर्मजोशी भरे व्यक्तित्व और तेलुगु लोगों के लिए उल्लेखनीय योगदान के लिए हमेशा याद किया जाएगा। उनके परिवार और उनके प्रशंसकों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है।" जूनियर एनटीआर ने कहा कि रामोजी राव जैसे दूरदर्शी "लाखों में एक" होते हैं। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे और उनके परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं, उन्होंने एक्स पर लिखा।

फिल्म निर्माता एसएस राजामौली ने कहा कि, एक व्यक्ति ने अपने 50 वर्षों के लचीलेपन, कड़ी मेहनत और नवाचार के साथ लाखों लोगों को रोजगार, आजीविका और उम्मीद प्रदान की। रामोजी राव को श्रद्धांजलि देने का एकमात्र तरीका उन्हें "भारत रत्न' प्रदान करना है।

वेंकटेश दग्गुबाती ने कहा कि रामोजी राव एक सच्चे दूरदर्शी थे जिनके भारतीय मीडिया में क्रांतिकारी काम ने एक अविस्मरणीय विरासत छोड़ी है। पत्रकारिता और सिनेमा में उनके योगदान ने बहुतों को प्रेरित किया है। उनके प्रियजनों के प्रति हार्दिक संवेदना। उनकी आत्मा को शांति मिले, उन्होंने कहा।

अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने कहा कि "इस कठिन समय में उनके परिवार के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। उनकी विरासत कई लोगों को प्रेरित करती रहेगी। उनकी आत्मा को शांति मिले। ओम शांति," संगीतकार थमन एस ने सिनेमा में उनकी यात्रा के दौरान रामोजी राव द्वारा दिए गए समर्थन को याद किया। "मैं श्री रामोजी राव गारू के नुकसान से बहुत दुखी हूं हमारी संगीत यात्रा के प्रति उनका समर्थन हमेशा अविस्मरणीय रहेगा, उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया।

निजामाबाद में धान खरीद की गति धीमी

निजामाबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। यासांगी सीजन के लिए जिले में धान खरीद लक्ष्य से पीछे रह गई है। जिला प्रशासन ने यासांगी सीजन के दौरान छह लाख मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य रखा था, लेकिन वह केवल 4.28 लाख मीट्रिक टन ही खरीद पाया।

कृषि विभाग के अधिकारी धान खरीद में कमी के लिए मौसम को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। उनका दावा है कि बेमौसम बारिश के कारण धान की फसल का बड़ा हिस्सा बर्बाद हो गया, जिससे पैदावार कम हुई। इसके अलावा, मंडी में लाया गया धान बारिश के कारण भीग गया, जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ। अधिकारियों ने बताया कि इसके बाद धान की खरीद में भारी कमी आई।

जिले में कुल 462 खरीद केंद्र बनाए गए थे, जिनमें से 417 केंद्र सहकारी समितियों के तहत, 39 आईकेपी (इंदिरा क्रांति पथम) के तहत और छह केंद्र मिशन फॉर एलिमिनेशन ऑफ पॉवर्टी इन म्युनिसिपल एरिया (एमईपीएमए) के तहत काम करते थे। सरकार ने धान 'ए' ग्रेड के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2203 रुपये प्रति क्विंटल और सामान्य गुणवत्ता के लिए 2183 रुपये प्रति क्विंटल तय किया था। कृषि विभाग के अधिकारियों के अनुसार, यासांगी सीजन के दौरान जिले में धान की खेती का सामान्य क्षेत्र 3.21 लाख एकड़ था, लेकिन इस बार किसानों ने 3.17 लाख एकड़ में धान की खेती की, जो सामान्य से 4,000 एकड़ कम है। हालांकि, अधिकारियों के मुताबिक यह पिछले सीजन की तुलना में 17,000 एकड़ अधिक है। जिला प्रशासन ने जिले के 73,284 किसानों से 4.28 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की। अधिकारियों ने कहा कि यासांगी किसानों के दौरान खरीदे गए धान का मूल्य लगभग 938 करोड़ रुपये है और यह राशि जल्द ही किसानों के खातों में जमा कर दी जाएगी। अधिकारियों ने कहा, "एक बार कंप्यूटर सिस्टम में विवरण दर्ज होने के बाद, पैसा किसानों के खातों में जमा हो जाएगा।"

अग्रवाल समाज राणी सती दादी महिला शाखा की साधारण सभा

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज राणी सती दादी घांसी बाजार महिला शाखा की एक साधारण सभा संपन्न हुई। इस दौरान मंत्री मोनिका अग्रवाल द्वारा पूरे साल भर के कार्यकाल में जो भी खर्चा हुआ उसके बारे में बताया गया और आने वाले समय में क्या-क्या प्रोग्राम किए जाएंगे उसके बारे में भी विस्तार से चर्चा की गई। शाखा के भूतपूर्व अध्यक्ष और वर्तमान केंद्रीय समिति सदस्य श्रीमती अर्चना संघी के निधन पर श्रद्धांजलि दी गई। सभा में अध्यक्ष रिंकू गर्ग, उपाध्यक्ष हेमा अग्रवाल, मंत्री मोनिका अग्रवाल, सह मंत्री ममता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सविता अग्रवाल, सुशीला केड़िया, पूनम तुलसियान, सीमा अग्रवाल, रजनी बंसल आदि उपस्थित थे।

कोत्तागुडेम में पकडा गया वाहन चोर गिरोह

कोत्तागुडेम, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। वन-टाउन पुलिस ने एक वाहन चोर गिरोह को पकड़ा है और उनके पास से एक कार, तीन ऑटो रिक्शा और एक बाइक जब्त की है। वन-टाउन सीआई करुणाकर ने बताया कि शनिवार को कोत्तागुडेम बस स्टैंड सेंटर पर वाहनों की जांच के दौरान गिरोह को पकड़ा गया।

वीएम बंजारा और पेनुबल्ली के आरोपी गोपी, श्रीनू, मुथा राव, शिवराम, कोटैया, जी शिवा और लक्ष्मण राव ने एक गिरोह बनाया और भद्राचलम, पलोंचा और कोठागुडेम में वाहनों की चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे थे। वे वाहन चुराने और बेचने से मिलने वाले पैसे आपस में बांट लेते थे। गिरोह को तब पकड़ा गया जब वे चोरी की गई ऑटो रिक्शा को बेचने के लिए कोत्तागुडेम आए थे। आरोपी वाहन चोरी करने के लिए कारों में घूमते थे। सीआई ने बताया कि आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा मत्स्य प्रसादम् ग्रहण करने के लिए आए लोगों के सहायता के लिए भोजन एवं आवास की व्यवस्था की गई। साथही सुबह 7 बजे से शहर के विविध इलाकों में सूचना एवं सहायता केंद्र स्थापित कर लोगों ही सहायता की गई। शिविर का उद्घाटन विधानसभा के अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर एडीजी विजय कुमार विशेष अतिथि थे। कार्यक्रम में समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, उपाध्यक्ष पुरूषोत्तम अग्रवाल, कपूरचन्द गुप्ता, कंचन अग्रवाल, नवीन कुमार अग्रवाल, अंजनी कुमार अग्रवाल, बद्रीविशाल बंसल, डॉ मोहन गुप्ता, अनिल कुमार अग्रवाल, अनिरुद्ध गुप्ता, महेश नरेठा, राकेशकुमार जालान, सतीश कुमार अग्रवाल, आशीष दोचानिया, अंकित गुप्ता, संजय गुप्ता, आंचल गुप्ता, विपिन सिंघानिया, अजय तुलस्यान, शेष गोयल, पंकज मित्तल, उमेश अग्रवाल, प्रेम अग्रवाल, लोकेश संघी, पवन डोकानिया, पंकज गोयनका, धीरज गुप्ता, उमेश अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

हिमायत नगर में दिखा बड़ा सांप, हड़कंप

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हिमायत नगर लिबर्टी जंक्शन पर उस समय हंगामा मच गया जब लोगों ने सड़क पर एक बड़ा सांप देखा। सांप को सबसे पहले जीएचएमसी के सफाई कर्मचारियों ने एक पेड़ पर देखा, जिन्होंने यातायात पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने पशु अधिकार कार्यकर्ताओं को सूचित किया और जब तक वे पहुंचे, सांप इंटरनेट केबल के ज़रिए रेंगकर ट्रैफ़िक पुलिस सिग्नल पोस्ट तक पहुँच चुका था। वह सड़क पर उतर आया और व्यस्त सड़क को पार करके जीएचएमसी कार्यालय के पास एक खाली कमरे में छिप गया। सांप की एक झलक पाने के लिए सड़क पर भारी भीड़ जमा हो गई। बाद में सांप को पकड़ लिया गया।

गुरुद्वारा साहिब में अस्थमा दवाई का वितरण

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। श्री गुरु सिंघ सभा अशोक बाजार गुरु नानक मार्ग अफजलगंज में गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के तत्वावधान में हजारों की संख्या में अस्थमा के मरीजों को बात्तिनी गौड परिवार की ओर से निःशुल्क दवाईयां दी गई।

श्री गुरु सिंघ सभा अशोक बाजार गुरुद्वारा साहिब में पंजाब, हरियाणा उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, बिहार व हिन्दुस्तान के विभिन्न राज्यों से आये मरीजों को ठहरने उनके भोजन की व्यवस्था श्री सिंघ सभा गुरुद्वारा साहिब में की गई।

हजारों की संख्या में मरीजों के लिए लंगर की व्यवस्था गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के तत्वावधान में की गई गुरु घर के सिख युवकों ने लंगर बनाने एवं वितरण की सेवा की। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार सतविन्दर सिंह बग्गा, महासचिव जोगेन्दर सिंह मुजराल, अशोक कुमार अरोडा, सेवा सिंह सलुजा, रनजीत सिंह मदान, जसपाल सिंह टूटेजा, मनजीत सिंह पाला, बलवीर सिंह बग्गा, रविजीत सिंह बग्गा, दलवीर सिंह चावला, महेन्दर सिंह गाधी, मनप्रीत सिंह छावडा, चरनजीत सिंह ठकराल, निर्मल सिंह गुरदिन्ता, सतपाल सिंह, चावला, चरनजीत सिंह चावला, मनमोहन सिंह अरोडा, अमृत सिंह ओबराय, गुरभेज सिंह चावला, सोनु छावडा, सुरेन्दर सिंह मखीजा ने सभी सेवादारों का आभार व्यक्त किया दूर-दूर से आये मेहमानों ने गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा की जा रही सेवाओं की प्रशंसा की। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की सलाहकार समिति की महिलाओं द्वारा सेवाओं के प्रति गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष बग्गा ने सरहाना की।

सिद्दीपेट में तालाब में डूबा व्यक्ति

सिद्दीपेट, 8 जून(स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को दुब्बाक मंडल के पेड्डा गुंडेवेली गांव में एक बकरी चराने वाला व्यक्ति तालाब में डूब गया। उसी गांव का निवासी पेड्डा मल्लैया (50) बकरियों को नहलाने के लिए साकी चेरुवु में गया था, तभी वह तालाब में फिसल गया।

भाजपा नगरसेवक राकेश जयसवाल ने शनिवार को प्रदर्शनी मैदान नामपल्ली में श्वसन समस्याओं से पीड़ित लोगों को मछली प्रसादम दिया। इस अवसर पर नवीन भंडारी, प्रकाश रेड्डी, अजय आदि उपस्थित थे।

सांसद असदुद्दीन ओवैसी से मिलकर वाल्मीकि समाज के दीलिप, प्रितम सिंह, तारझन, आशिष और वाजिद अली ने उन्हें समस्याओं से अवगत कराया। सांसद ने सभी समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया है।

सिंगुर नहरों की सी.सी. लाइनिंग के लिए 168.30 करोड़ मंजूर

संगारेड्डी, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई विभाग ने संगारेड्डी जिले में सिंगुर नहरों की सी.सी. लाइनिंग के लिए 168.30 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। पुलकल मंडल के सिंगुर गांव में मंजीरा नदी के पार बनी बहुउद्देशीय परियोजना में पुलकल, अंडोले, मुनिपल्ली, चौटाकुर और सदाशिवपेट मंडलों में 40,000 एकड़ का अयाकट शामिल है। इस परियोजना को संगारेड्डी जिले की जीवनरेखा माना जाता है। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा के प्रयासों से सिंचाई विभाग के सचिव राहुल बोज्जा ने अनुदान जारी किया है। लाइनिंग के काम से पानी का मुक्त प्रवाह सुनिश्चित होगा और पानी की बर्बादी पर रोक लगेगी।

तेलंगाना पहुंचा पिठापुरम का चलन

करीमनगर, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के पिठापुरम से शुरू हुआ चलन अब करीमनगर तक पहुंच गया है। हाल ही में हुए चुनावों में पिठापुरम विधानसभा क्षेत्र से जन सेना नेता पवन कल्याण की जीत के बाद उनके प्रशंसकों ने अपने वाहनों और नंबर प्लेट पर "पिठापुरम विधायक थालुका" (पिथापुरम विधायक से संबंधित) लिखना शुरू कर दिया। सोशल मीडिया पर लिखे गए वीडियो और फोटो वायरल होने के बाद यह और भी लोकप्रिय हो गया।

तेलंगाना के चोप्पाडांडी विधानसभा क्षेत्र में भी इसी तरह का चलन शुरू हो गया है। चोप्पाडांडी विधायक मेदिपल्ली सत्यम के अनुयायी ने भी अपने दोपहिया वाहन पर इसी तरह के शब्द लिख दिए हैं।

जगतियाल जिले के मल्लियाल मंडल के बलवंतपुर के नक्का अनिल ने अपने वाहन की नंबर प्लेट पर "मेदिपल्ली सत्यम चोप्पाडांडी विधायक थालुकु" लिख दिया। जिले के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखे गए इस लेख की तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रहें हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

अफगानिस्तान ने पहली बार न्यूजीलैंड को हराया

गुरबाज के 80 रन, फारूकी ने पहली गेंद पर विकेट लिया, फिर राशिद का मैजिक

गुयाना, 8 जून (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी। इनिंग्स की पहली गेंद और स्टंप्स जमीन पर। अफगान पेसर फजल हक फारूकी ने न्यूजीलैंड बल्लेबाज का फिन एलन का विकेट लेकर टी- 20 वर्ल्ड कप 2024 के एक और बड़े उलटफेर की शुरुआत कर दी थी।

ये मैच वेस्टइंडीज के गयाना में प्रोविडेंस स्टेडियम में शनिवार को खेला गया। फारूकी ने पहले ओवर के बाद कीवी बल्लेबाजों को संभलने का मौका नहीं दिया। पावरप्ले में ही 3 विकेट लेकर न्यूजीलैंड के लिए जीत मुश्किल कर दी।

न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर फील्डिंग चुनी। अफगानिस्तान के ओपनर्स रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान ने 100 रन की साझेदारी कर स्कोर 159 तक पहुंचाया।

अब बारी गेंदबाजों की थी। फजल हक फारूकी ने पावर प्ले और फिर राशिद खान ने मिडिल ओवर्स में 4-4 विकेट लेकर जीत पक्की कर दी। न्यूजीलैंड 75 रन पर ऑलआउट हो गई।

अफगानिस्तान ने पहली बार इंटरनेशनल क्रिकेट में न्यूजीलैंड को हराया है। इस वर्ल्ड कप में लगातार दूसरी जीत के साथ अफगानिस्तान ग्रुप C के टॉप पर है। मैच का एनालिसिस...

रहमानुल्लाह गुरबाज ने 56 बॉल में 80 रन की पारी खेली। टीम को शानदार शुरुआत देने के साथ ही इब्राहिम जादरान के साथ 103 रन की साझेदारी की।

फजल हक फारूकी-पावरप्ले

फजल हक फारूकी ने पारी की पहली ही बॉल पर फिन एलन का विकेट दिला दिया। अपने स्पेल में उन्होंने हर ओवर में एक-एक विकेट लिया। फारूकी ने 4 विकेट लिए। फिन एलन, डेवोन कॉन्वे, डेरिल मिचेल और मैट हेनरी। इनमें से 3 विकेट पावरप्ले में लिए थे। फारूकी के बाद मिडिल ओवर्स में राशिद खान ने स्पिन का जादू दिखाया। राशिद ने पावरप्ले के तुरंत बाद विकेट न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन का विकेट लिया। 9वें ओवर में माइकल ब्रेसवेल और मार्क चैपमेन के विकेट लेकर राशिद ने न्यूजीलैंड का मिडिल ऑर्डर ध्वस्त कर दिया। 13वें ओवर में उनका चौथा शिकार बने लॉकी फर्ग्यूसन।

गुरबाज-जादरान की पार्टनरशिप- रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान के बीच हुई 103 रन की पार्टनरशिप ने अफगानिस्तान को मजबूती दे दी। बाद में आने वाले खिलाड़ियों को डेथ ओवर्स में खुलकर खेलने की आजादी मिली। पार्टनरशिप मजबूत थी इसीलिए अजमतुल्लाह ओमरजई तीसरे नंबर पर आने का मौका मिला। उन्होंने 13 बॉल में 22 रन की पारी खेली। 169 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए।

केन विलियम्सन का विकेट- न्यूजीलैंड संकट में थी, लेकिन उनका मिडिल ऑर्डर 160 का टारगेट चेज करने की काबिलियत रखता था। खासतौर से कप्तान केन विलियम्सन जो स्पिन को बाकी बल्लेबाजों से बेहतर खेलते हैं। राशिद ने पावर प्ले खत्म होने के बाद पहली गेंद पर ही विलियम्सन को पवेलियन भेज दिया। विलियम्सन सिर्फ 9 रन बना पाए। इस विकेट के बाद न्यूजीलैंड की टीम मैच में वापसी नहीं कर पाई।

सुमित नागल का शानदार प्रदर्शन

एटीपी 100 चैलेंजर्स के सेमीफाइनल में पहुंचे

चेन्नई

भारत के शीर्ष रैंकिंग के सिंगल्स खिलाड़ी सुमित नागल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एटीपी 100 चैलेंजर टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। नागल ने विश्व रैंकिंग में 95वें स्थान पर काबिज नागल ने रूस के इवान गखोव को सीधे सेटों में शिकस्त दी। नागल ने रूसी खिलाड़ी को 82 मिनट तक चले मुकाबले में 6-1, 7-6 से हराकर सेमीफाइनल का टिकट कटाया।

नागल ने मैच के बाद कहा, मैं पिछले साल के आखिरी महीनों से अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस खेल रहा हूं। इससे पहले मैं कूल्हे की सर्जरी के कारण लगभग डेढ़ साल तक खेल से दूर था। साल 2022 के आखिर से मैं बिना परेशानी या दर्द के खेल रहा हूं।

नागल पेरिस ओलंपिक में सिंगल्स स्पर्धा के लिए क्वालीफाई करने के लिए अपनी रैंकिंग को बेहतर करने की कोशिश कर रहे है। ओलंपिक में पुरुषों का ड्रा 64 खिलाड़ियों का होगा। नागल ने फ्रेंच ओपन के पहले दौर में कारेन खाचानोव के हाथों मिली से उबरते हुए 120,000 यूरो (लगभग एक करोड़ आठ लाख रुपये) पुरस्कार राशि वाले टूर्नामेंट में अब तब शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने गखोव के खिलाफ पहले सेट में दमदार प्रदर्शन किया। रूस के खिलाड़ी ने दूसरे सेट में वापसी करते हुए नागल को कड़ी टक्कर दी, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने अहम मौकों पर धैर्य और अनुभव का अच्छा इस्तेमाल कर दबाव को हावी नहीं होने दिया।

टी-20 वर्ल्डकप में बांग्लादेश ने श्रीलंका को पहली बार हराया

दो विकेट से मुकाबला जीता; श्रीलंका की लगातार दूसरी हार

डलास, 8 जून (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के 15वें मैच में बांग्लादेश ने 2014 की चैंपियन श्रीलंका को दो विकेट से हरा दिया। टी-20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश की श्रीलंका के खिलाफ यह पहली जीत है। इससे पहले दो मुकाबले खेले गए थे, दोनों श्रीलंका ने जीते थे। डलास के ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम में शनिवार को बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला लिया।

श्रीलंका ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 124 रन बनाए और बांग्लादेश को 125 रन का टारगेट दिया। जवाब में बांग्लादेश ने 19 ओवर में 8 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। बांग्लादेश के स्पिनर रिशाद हुसैन ने तीन विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

यह श्रीलंका की इस वर्ल्ड कप में लगातार दूसरी हार है। इससे पहले, श्रीलंका को साउथ अफ्रीका ने हराया था। वहीं बांग्लादेश का पहला मैच था। टीम ग्रुप डी में तीसरे नंबर पर है।

मुस्तफिजुर रहमान : रिशाद हुसैन के अलावा मुस्तफिजुर रहमान ने भी मैच में तीन विकेट झटके। रहमान ने कमिंडु मेंडिस, पथुम निसांका और महीश तीक्षणा के विकट लिए। उन्होंने श्रीलंका के टॉप स्कोरर निसांका (47) को आउट कर टीम को मुश्किल में डाल दिया।

तौहीद हृदोय : बांग्लादेश की जीत में हृदोय का अहम योगदान रहा। वे टीम के टॉप स्कोरर रहे। हृदोय ने लिटन दास के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप की। जो इस मैच की इकलौती फिफ्टी पार्टनरशिप रही।

मैच का टर्निंग पॉइंट श्रीलंका की पारी का 15वां ओवर रहा। जब रिशाद हुसैन ने इस ओवर में लगातार दो विकेट लिए।

उन्होंने ओवर की पहली बॉल पर चरिथ असलंका और दूसरी पर श्रीलंकाई कप्तान वानिंदु हसरंगा को आउट किया। इसके बाद उन्होंने 17वें ओवर की पहली बॉल पर धनंजय डी सिल्वा को पवेलियन भेजा। नुवान थुषारा फाइटर ऑफ द मैच रहे। नुवान थुषारा ने अपने स्पेल में 4 विकेट झटके, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। उन्होंने तंजीद हसन, नजमुल हुसैन शांतो, रिशाद हुसैन और तस्कीन अहमद का विकेट लिया।

अफगानिस्तान की फॉर्म ने बढ़ाई भारत की टेंशन

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। अफगानिस्तान की टीम ने इतिहास रच दिया है। अफगानिस्तान ने आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 के 14वें मुकाबले में न्यूजीलैंड को करारी मात दी है। अफगानिस्तान ने इस मैच में एकतरफा जीत हासिल की है। कीवी टीम की बल्लेबाजी अफगानिस्तान के खिलाफ पूरी तरह धाराशायी हो गई। कीवी टीम ने इस मैच को 84 रनों से गंवा दिया है। अफगानिस्तान की इस फॉर्म को देखकर टीम इंडिया की भी टेंशन बढ़ गई है। क्योंकि भारत का सामना सुपर-8 में अफगानिस्तान से होता दिख रहा है। इस विश्व कप में एक ऐसा समीकरण बनता दिख रहा है, जो भारत और अफगानिस्तान के बीच मैच की ओर इशारा कर रहा है। चलिए बताते हैं क्या है यह अनोखा समीकरण।

भारतीय टीम को ग्रुप ए में रखा गया है। अगर टीम इंडिया दूसरे स्थान पर भी रहकर सुपर-8 के लिए

क्वालीफाई करती है, तो भी टीम इंडिया को वरीयता मिलने के कारण ए1 ही माना जाएगा। भारत का सुपर-8 के लिए क्वालीफाई करना तो तय है। अगर भारत क्वालीफाई करता है, तो यह भी तय है उसे ए1 का पोजीशन दिया जाएगा। दूसरी ओर अफगानिस्तान ग्रुप सी में शामिल है। अफगानिस्तान ने इस विश्व कप में अभी तक 2 मुकाबले खेले हैं और दोनों मैचों को अपने नाम कर लिया है। अफगानिस्तान ग्रुप सी में 2 मैचों में 2 जीत के साथ टॉप पर विराजमान है। अफगानिस्तान जैसे ही एक और मैच जीत लेगा, वह सुपर-8 के लिए क्वालीफाई कर जाएगा।

अफगानिस्तान का समीकरण

ग्रुप सी में वरीयता के हिसाब से पहले स्थान पर पहले स्थान पर वेस्टइंडीज को रखा गया है, दूसरे स्थान पर न्यूजीलैंड को रखा गया है। ऐसे में भारत और अफगानिस्तान के बीच उस स्थिति में सुपर-8 का मुकाबला खेला जाएगा, जब अफगानिस्तान पहले स्थान के लिए क्वालीफाई करेगा। इसके लिए अफगानिस्तान के क्वालीफाई करने के साथ-साथ यह भी जरूरी है कि वेस्टइंडीज सुपर-8 के लिए क्वालीफाई नहीं कर सके। अगर अफगानिस्तान के साथ वेस्टइंडीज सुपर-8 के लिए क्वालीफाई करती है, तो अफगानिस्तान टॉप पर रहकर भी सी1 की पोजीशन नहीं ले पाएगा, क्योंकि वेस्टइंडीज को यह पोजीशन मिली है।

दूसरी ओर अगर अफगानिस्तान दूसरे स्थान के लिए क्वालीफाई करता है और वेस्टइंडीज सुपर-8 से बाहर हो जाता है, तो भी अफगानिस्तान को सी1 ही माना जाएगा, क्योंकि न्यूजीलैंड को सी2 पोजीशन मिला है। अब मान लेते हैं कि अफगानिस्तान ने सी1 के लिए क्वालीफाई किया और भारत भी ए1 के लिए क्वालीफाई किया।

लक्ष्य सेन को क्वार्टर फाइनल में मिली हार

इंडोनेशिया ओपन में भारतीय चुनौती समाप्त

जकार्ता, 8 जून (एजेंसियां)। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन का शानदार अभियान इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट में क्वार्टर फाइनल में हार के साथ समाप्त हो गया। पुरुष सिंगल्स वर्ग में दुनिया में 14वें नंबर के खिलाड़ी सेन एक घंटे और एक मिनट तक चले मैच में दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन को कड़ी टक्कर देने के बावजूद 22-24, 18-21 से हार गए। सेमीफाइनल में एंटोनसेन का मुकाबला आठवीं वरीयता प्राप्त थाईलैंड के कुनलावुत विटिडसार्न से होगा। इसी के साथ इस टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती का भी अंत हो गया। दोनों खिलाड़ियों के बीच पांच मैचों में यह एंटोनसेन की तीसरी जीत है। सेन और एंटोनसेन के बीच पहले गेम में काफी करीबी मुकाबला देखने को मिला। डेनमार्क के खिलाड़ी ने 4-0 की बढ़त के साथ शुरुआत की, लेकिन सेन ने वापसी करते हुए स्कोर 5-5 से बराबर किया और फिर 15-11 की बढ़त बना ली। अब वापसी करने की बारी एंटोनसेन की थी। उन्होंने लगातार अंक जीतते हुए स्कोर को 16-16 से बराबर किया। दोनों खिलाड़ी 22 अंक तक लगभग बराबरी पर रहे लेकिन एंटोनसेन ने लगातार दो अंक बनाकर पहले गेम को 32 मिनट में जीत लिया। दूसरे गेम में भी कड़ा संघर्ष जारी रहा और दोनों खिलाड़ी एक समय 18-18 की बराबरी पर थे। सेन की गलतियों का फायदा उठाकर डेनमार्क के खिलाड़ी ने लगातार तीन अंक बनाए और मैच जीत लिया।

क्या टीम इंडिया से हुई भूल ?

जिस विस्फोटक को स्क्वाड में नहीं मिली जगह अभिषेक ने 26 गेंदों में शतक लगाया

खेल डेस्क, 8 जून (एजेंसियां)। आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 का रोमांचक दौर जारी है। भारतीय टीम इस विश्व कप के अपने पहले मुकाबले में आयरलैंड के खिलाफ जीत हासिल कर चुकी है। भारत और आयरलैंड के बीच यह मुकाबला अमेरिका के नासाऊ काउंटी क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया था, जिसमें टीम इंडिया की शानदार जीत हुई थी। अब भारत को दूसरा मुकाबला पाकिस्तान के खिलाफ 9 जून को खेलना है। टी20 विश्व कप के लिए टीम इंडिया के स्क्वाड को लेकर खूब चर्चा हुई थी। अब टीम इंडिया एक खिलाड़ी को स्क्वाड में शामिल नहीं करने पर पछता रही होगी। टीम सेलेक्टर ने जिस खिलाड़ी को स्क्वाड से बाहर किया, उस खिलाड़ी ने सिर्फ 26

गेंदों में शतक जड़ दिया है।

आईसीसी टी20 विश्व कप के लिए टीम इंडिया में कई ऐसे खिलाड़ियों को शामिल नहीं किया गया, जिन्होंने आईपीएल 2024 में तूफान ला दिया था। इस लिस्ट में, रियान पराग, शशांक सिंह और आशुतोष शर्मा जैसे नामों के साथ एक और नाम शामिल है, जिसके लिए आईपीएल 2024 ऐतिहासिक रहा है, लेकिन फिर भी उन्हें स्क्वाड का हिस्सा नहीं बनाया गया। यह खिलाड़ी सनराइजर्स हैदराबाद के ओपनर बल्लेबाज अभिषेक शर्मा हैं। अभिषेक के लिए यह आईपीएल सीजन बेहद शानदार रहा। खिलाड़ी ने इस आईपीएल सीजन कुल 16 मैच खेले, जिनमें 204 की शानदार स्ट्राइक रेट से 484 रन बनाए। खास बात है कि अभिषेक शर्मा ने इस आईपीएल सीजन सबसे अधिक छक्के भी लगाए थे।

खिलाड़ी ने किया गजब का कारनामा

अभिषेक ने कुल 16 मैचों में 42 सिक्स लगाए थे। अब अभिषेक शर्मा ने क्लब मैच में तूफान ला दिया है। एक तरफ आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 खेला जा रहा है, दूसरी ओर अभिषेक शर्मा क्लब मैच खेल रहे हैं। इस बीच फ्रेंडशिप सीरीज में अभिषेक ने पंटर्स 11 के लिए खेलते हुए मारियो क्रिकेट क्लब के खिलाफ सिर्फ 26 गेंदों में 103 रनों की पारी खेली है। इस दौरान उन्होंने 4 चौके और 14 छक्के लगाए हैं। मारियो क्रिकेट क्लब

कार्लोस अल्काराज ने सेमीफाइनल में जानिक सिनर को दी मात

पहली बार खिताबी मुकाबले में किया प्रवेश

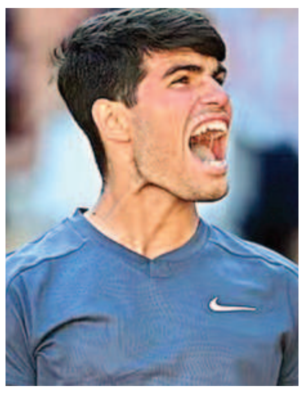

पेरिस, 8 जून (एजेंसियां)। स्पेन के युवा खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सेमीफाइनल में जानिक सिनर को हराकर पहली बार वर्ष के दूसरे ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन के फाइनल में प्रवेश किया। अल्काराज इसके साथ ही तीन सतह पर ग्रैंडस्लैम के फाइनल में पहुंचने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। अल्काराज ने 2022 में हार्ड कोर्ट पर यूएस ओपन, 2023 में घासियाले कोर्ट पर विंबलडन जीता था और अब रोलां गैरो में लाल बजरी पर चैंपियनशिप के लिए खेलेंगे।

विश्व के तीसरे नंबर के खिलाड़ी अल्काराज ने सिनर को 2-6, 6-3, 3-6, 6-4, 6-3 से मात दी। रविवार के खेले जाने वाले पुरुष सिंगल्स वर्ग के फाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त अल्काराज का सामने चौथी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव और सातवीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड में से किसी एक की चुनौती होगी।

अल्काराज ने सेमीफाइनल मुकाबले में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। उन्होंनें मैच के दौरान जकड़न और दर्द से निपटने के लिए ब्रेक लेकर अपने ट्रेनर की मदद ली। सिनर ने पहला सेट जीतने के बाद दूसरे सेट में 2-0 की बढ़त के साथ अच्छी स्थिति में थे, लेकिन अल्काराज ने इसके बाद शानदार वापसी की। उनके ड्रॉप शॉट और कर्लिंग लॉब्स का सिनर के पास कोई जवाब नहीं था।

बाबर आजम का दिमाग सही नहीं है!

यूएसए से हार के बाद पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक ने की भारी बेइज्जती

इस्लामाबाद, 8 जून (एजेंसियां)। अमेरिका के डलास स्टेडियम में 6 जून को टी20 वर्ल्ड कप का सबसे बड़ा उलटफेर देखने को मिला. अमेरिका ने एक रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान को हरा दिया. इसके बाद से ही बाबर आजम और पाकिस्तान क्रिकेट टीम सुर्खियों में छाए हुए हैं. दोनों की जमकर बेइज्जती हो रही है. आईसीसी टूर्नामेंट में बाबर आजम की कप्तानी में पाकिस्तान टीम की नाक कटने के बाद से ही देश के दूसरे क्रिकेटर्स गुस्से से लाल हैं. वो लगातार बाबर आजम की कप्तानी पर सवाल उठा रहे हैं लेकिन शोएब मलिक ने तो उनकी भारी बेइज्जती कर दी है और बाबर के दिमाग पर ही सवाल उठा दिया.

यूएसए से हार के बाद नाराज शोएब मलिक ने बाबर आजम पर जमकर हमला बोला. उन्होंने पा कि स्त ा नी चैनल जियो सुपर पर मैच की एनालिसिस के दौरान बाबर की कप्तानी पर सवाल उठाया. शोएब मलिक ने कहा कि पिछले चार साल में बाबर की कप्तानी में जरा सा भी सुधार नहीं हुआ है. उन्होंने आगे कहा कि किसी को भी तभी मौका दिया जाना चाहिए जब वो खुद में सुधार लाए ताकि रिजल्ट मिल सके. मलिक के अनुसार, 4 साल पुराने और अब के बाबर में कोई अंतर नहीं दिखता है और अब इस समस्या को ठीक करने जरूरत है.

शोएब मलिक ने पाकिस्तानी टीम के कप्तान के दिमाग पर भी सवाल उठा दिया. उन्होंने कहा कि बाबर का दिमाग बंद हो चुका है. मलिक के मुताबिक, वो कहीं भी अपना दिमाग नहीं लगाते हैं. उन्होंने कहा कि बाबर ने टीम को लेकर फिक्स कर लिया है कौन कहां पर खेलेगा और मैच के दौरान वो इसमें जरा सा भी बदलाव नहीं करते हैं. इससे साफ पता चलता कि उनका दिमाग काम नहीं करता है.

यूएसए से हारने के बाद केवल शोएब मलिक ही नहीं बल्कि वसीम अकरम और शोएब अख्तर समेत कई पाकिस्तान के दिग्गज क्रिकेटर्स ने निराशा जताई है. हार के बाद अब बुरी तरह से टूट चुका पाकिस्तान 9 जून को न्यूयॉर्क में टीम इंडिया का सामना करेगा. इससे पहले कई पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर्स ने आईसीसी पर पक्षपात का आरोप लगाया है. इसके अलावा नैसो काउंटी स्टेडियम की पिच भी सवालों के घेरे में थी, जिसे आईसीसी ने भी स्वीकार किया है. इन सब के बीच देखना होगा कि टी20 वर्ल्ड कप में आठवीं बार भिड़ने जा रही ये टीम हार सिलसिला कायम रखती है या भारत को मात देती है.

भारत के खिलाफ मैच से पहले पाकिस्तान की टीम में खलबली

टी20 वर्ल्ड कप के बीच पीसीबी ने लिया बड़ा फैसला

न्यूयॉर्क, 8 जून (एजेंसियां)। दुनिया भर की निगाहें T20 वर्ल्ड कप 2024 में 9 जून को खेले जाने वाले भारत बनाम पाकिस्तान के मुकाबले पर टिक गई हैं. ये मुकाबला दो चिर-प्रतिद्वन्दी देशों के बीच की क्रिकेट जंग है, इसलिए इसका रोमांच तो पहले से ही बना था. लेकिन, अमेरिका से मिली हार के बाद पाकिस्तान के लिए इस मैच की अहमियत और भी बढ़ गई है. पाकिस्तानियों के लिए अब ये महज एक मुकाबला नहीं रहा, आर या पार की लड़ाई भी बन चुका है. इसी दबाव के चलते पाकिस्तानी टीम में खलबली मची है. और, उस खलबली का नतीजा है कि PCB को एक बड़ा फैसला लेने पर मजबूर होना पड़ा है.

अब सवाल है कि भारत के खिलाफ मैच से पहले पाकिस्तानी टीम को लेकर PCB ने क्या फैसला किया? ये फैसला टीम और उसके कॉम्बिनेशन से जुड़ा है. पाकिस्तानी मीडिया के हवाले से खबर है कि PCB आजम खान के परफॉर्मेन्स से नाराज है. और, ऐसे में उन्हें टीम से बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है. इसके अलावा टीम में फिर से सैयम अय्यूब के वापसी की भी खबर है.

भारत के खिलाफ मैच से पहले पाकिस्तानी टीम में बदलाव!

मतलब, ये कि जो गाज भारत के खिलाफ मैच से पहले पाकिस्तानी टीम में आजम खान पर गिरने वाली है, उसका फायदा सैयम अय्यूब को पहुंचने वाला है. अब सवाल ये है कि पीसीबी मैनेजमेंट के इस फैसले का टीम पर असर क्या होगा? सैयम अय्यूब सलामी बल्लेबाज हैं. मतलब वो ओपनिंग करते हैं. ऐसे में अगर वो टीम के प्लेइंग इलेवन का हिस्सा बनते हैं तो काफी कुछ बदलाव खिलाड़ियों की पोजिशन में भी देखने मिल सकता है.

सीधे शब्दों में कहें तो सैयम अय्यूब के पाकिस्तान की प्लेइंग इलेवन में शामिल होने से बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान की ओपनिंग जोड़ी भारत के खिलाफ टूटती दिख सकती है. ऐसे में बाबर आजम फर्स्ट डाउन बल्लेबाजी के लिए आ सकते हैं. हालांकि, एक सवाल ये भी है कि क्या भारत जैसे विरोधी के खिलाफ और वो भी इतने अहम मैच में पाकिस्तान अपनी ओपनिंग जोड़ी को छेड़ने की कोशिश करेगा?

'मछली प्रसादम' लोगों की आस्था से जुड़ा : पोन्नम प्रभाकर

'मछली प्रसादम' का वितरण शुरू * 178 सालों से मुफ्त में बांटी जा रही मछली की दवा

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नामपल्ली के प्रदर्शनी मैदान में बत्तिनी गौड़ परिवार द्वारा 'मछली प्रसादम' वितरण का वार्षिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन तेलंगाना के परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर और विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार ने किया। तेलंगाना और अन्य राज्यों के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में मरीज मानसून के आगमन की पूर्व सूचना देने वाले 'मृगशिरा कार्ति' के अवसर पर बत्तिनी परिवार के सदस्यों से 'मछली प्रसादम' लेने के लिए कतार में खड़े हुए। बत्तिनी मृगसिरा ट्रस्ट के अध्यक्ष बत्तिनी विश्वनाथ गौड़ ने कहा कि वितरण के सुचारू संचालन के लिए सभी व्यवस्थाएं की गई हैं, जो 24 घंटे जारी रहेगी।

बत्तिनी गौड़ परिवार का दावा है कि वे पिछले 178 सालों से मछली की दवा मुफ्त में बांट रहे हैं। हर्बल दवा का गुप्त फार्मूला उनके पूर्वज को 1845 में एक संत ने दिया था, जिन्होंने उनसे शपथ ली थी कि यह दवा मुफ्त में दी जाएगी। परिवार द्वारा तैयार किया गया एक पीले रंग का हर्बल पेस्ट एक जीवित 'मुरेल' फिंगरलिंग के मुंह में रखा जाता है, जिसे फिर रोगी के गले में डाला जाता है। ऐसा माना जाता है कि अगर इसे लगातार तीन साल तक लिया जाए तो यह राहत देता है। शाकाहारियों के लिए, परिवार गुड़ के साथ दवा देता है।

पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि 'मछली प्रसादम' लोगों की आस्था से जुड़ा हुआ है और हर साल भारत के विभिन्न हिस्सों और यहां तक कि विदेशों से भी बड़ी संख्या में लोग इसे खाने आते हैं। उन्होंने कहा कि बत्तिनी परिवार 150 साल से भी अधिक समय से इस कार्यक्रम का आयोजन करता आ रहा है। सरकार सभी व्यवस्थाएं करती है ताकि लोगों को किसी तरह की असुविधा न हो।

यह परिवार के मुखिया बत्तिनी हरिनाथ गौड़ के निधन के बाद पहला आयोजन होगा। पिछले साल जून में लंबी बीमारी के बाद 84 साल की उम्र में उनका निधन हो गया था। वह देश भर के अस्थमा रोगियों को निःशुल्क मछली की दवा वितरित करने वाले चौथी पीढ़ी के अंतिम व्यक्ति थे। देश के विभिन्न भागों से अस्थमा के मरीज हर साल मछली से बनी दवा लेने के लिए हैदराबाद आते हैं। हालांकि, हर्बल पेस्ट की सामग्री को लेकर विवादों के कारण पिछले 15 वर्षों में इस दवा की लोकप्रियता कम हो गई है।

'मछली की दवा' वितरण के दौरान एक व्यक्ति की मौत

नामपल्ली में हुई दुखद घटना

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को नामपल्ली में मछली प्रसादम के लिए कतार में इंतजार करते समय एक व्यक्ति की मौत हो गई। यह दुखद घटना तब घटी जब लोगों की भारी भीड़ के बीच एक व्यक्ति अचानक बेहोश हो गया। अस्थमा और अन्य श्वास संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोग मछली का प्रसाद लेने के लिए इकट्ठा होते हैं, ऐसा माना जाता है कि इससे ऐसी बीमारियों से राहत मिलती है। बेहोश व्यक्ति की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है, उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हालांकि, पुलिस ने खुलासा किया है कि मृतक निजामाबाद जिले का रहने वाला था।

कार्ड स्वीकृत, ऋण जमा के नाम पर धोखाधड़ी

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नमस्ते (आपका फोन नंबर), आपका आईसीआईसीआई क्रेडिट कार्ड 3,45,000 रुपये की सीमा वाला क्रेडिट कार्ड स्वीकृत हो गया है। यदि आप अपनी जानकारी देते हैं, तो आपका बैंक खाता खाली हो जाएगा। सावधान रहें, बिना सोचे ऐसे संदेशों को डिलीट कर दें और बच जाएं। एक अन्य धोखाधड़ी संदेश कहता है: सर, 918265xxxx, एमएसएमई ऋण -2024 - 08 जून को आपके खाते में 22,82,550 रुपये जमा किए गए हैं। अभी निकालें: IQ1.in/d2c58hl8/cnb। यह आपको बड़ी रकम का लालच देकर धोखा देने का एक और तरीका है। ऐसे धोखेबाजों से सावधान रहें। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की रिपोर्ट कहती है कि क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी और ऑनलाइन धोखाधड़ी 2024 के दौरान 425 प्रतिशत बढ़कर 1,457 करोड़ रुपये हो गई है, जबकि पिछले साल यह 277 करोड़ रुपये थी। लोगों को ठगने के लिए चोर अलग-अलग तरीके अपना रहे हैं। पुरानी कहावत से सावधान रहें, लालच दुख को जन्म देता है।

रामोजी ग्रुप के चेयरमैन रामोजी राव का निधन

मोदी बोले : उन्होंने पत्रकारिता-फिल्म की दुनिया पर अमिट छाप छोड़ी

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मीडिया पर्सनैलिटी और रामोजी ग्रुप के चेयरमैन रामोजी राव का शनिवार सुबह 4:50 बजे निधन हो गया। उन्होंने हैदराबाद के स्टार हॉस्पिटल में 87 साल की उम्र में अंतिम सांस ली। रामोजी 5 जून से आईसीयू में भर्ती थे। वे हार्ट से जुड़ी दिक्कतों से जूझ रहे थे। रामोजी राव का पार्थिव शरीर रामोजी फिल्म सिटी में उनके आवास पर रखा गया है। यहां उनके परिवार, दोस्त और प्रशंसक उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि देंगे। तेलंगाना सरकार ने राजकीय सम्मान के साथ रामोजी राव का अंतिम संस्कार करने की घोषणा की है। रामोजी राव मीडिया के क्षेत्र में बड़ा नाम थे। उन्होंने 1962 में रामोजी ग्रुप की नींव रखी थी, जिसमें हैदराबाद स्थित दुनिया का सबसे बड़ा फिल्म स्टूडियो रामोजी फिल्म सिटी, उषा किरण मूवीज, मयूरी फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, मार्गदर्शी चिट फंड और डॉल्फिन ग्रुप ऑफ होटल्स शामिल हैं। रामोजी ईटीवी नेटवर्क के टेलीविजन चैनलों और तेलुगु न्यूजपेपर ईनाडु के भी प्रमुख थे।

रामोजी को पत्रकारिता, साहित्य और शिक्षा में उनके योगदान के लिए 2016 में देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था।

मोदी बोले-रामोजी ने भारतीय मीडिया में क्रांति ला दी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रामोजी राव के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने X पर उनके साथ अपनी एक तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा- रामोजी राव का निधन बेहद दुखद है। वह एक दूरदर्शी व्यक्ति थे, जिन्होंने भारतीय मीडिया में क्रांति ला दी। उन्होंने पत्रकारिता और फिल्म की दुनिया पर एक अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने मीडिया और एंटरटेनमेंट जगत में इनोवेशन और एक्सीलेंस के लिए नए मानक स्थापित किए।

रामोजी राव भारत के विकास को लेकर भावुक थे।

सीएम का रामोजी राव का राजकीय सम्मान से अंतिम संस्कार करने का निर्देश

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने मीडिया दिग्गज और ईनाडु समूह के चेयरमैन सीएच रामोजी राव के पार्थिव शरीर का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी सीडब्ल्यूसी की बैठक में भाग लेने के लिए नई दिल्ली गए हैं। सीएम ने राज्य के मुख्य सचिव को निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव के माध्यम से रंगारेड्डी कलेक्टर और राचकोंडा कमिश्नर को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार के आयोजन की व्यवस्था की निगरानी करने के आदेश जारी किए हैं।

नीट 2024 के नतीजों की जांच की मांग

कई विसंगतियों को किया गया उजागर

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। 4 जून 2024 को घोषित किए गए NEET 2024 के परिणामों ने एक बड़े विवाद को जन्म दे दिया है, जिसमें कांग्रेस और भारत राष्ट्र समिति दोनों दलों ने कथित अनियमितताओं की उच्च-स्तरीय जांच की मांग की है, जिसमें कांग्रेस विशेष रूप से केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच की मांग कर रही है। पार्टियों ने राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा प्रबंधित परीक्षा प्रक्रिया की अखंडता के बारे में गंभीर चिंताएं जताई हैं। कांग्रेस ने एक औपचारिक बयान में कई विसंगतियों को उजागर किया, जिनमें विभिन्न स्थानों पर परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने की रिपोर्ट भी शामिल थी।

पार्टी ने कहा कि इन रिपोर्टों के बावजूद एनटीए ने परीक्षा में संभावित गड़बड़ी की जांच किए बिना ही नतीजे घोषित कर दिए। सबसे चिंताजनक अनियमितता 6% छात्रों द्वारा अभूतपूर्व रूप से परफेक्ट स्कोर हासिल करना है, जिनमें से प्रत्येक ने 720 में से 720 अंक हासिल किए हैं। परफेक्ट स्कोर की इतनी बड़ी संख्या एनईईटी के इतिहास में पहले कभी नहीं देखी गई और इससे संभावित कदाचार का संदेह पैदा होता है। हरियाणा के एक परीक्षा केंद्र पर प्रदर्शन ने इन संदेहों को और बढ़ा दिया है, जहां आठ छात्रों ने 718 से अधिक अंक हासिल किए, जिनमें से छह ने परफेक्ट स्कोर हासिल किए। एक ही केंद्र पर इतने अधिक अंक मिलना बेहद असंभव है और इससे संभावित धोखाधड़ी का संकेत मिलता है।

टीपीसीसी नेता और कानूनी सेल के सदस्य उदय कंठ ने कई छात्रों द्वारा प्राप्त किए गए सांख्यिकीय रूप से असंभावित 718 और 719 अंकों के बारे में चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि एनटीए द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण असंतोषजनक और पारदर्शिता की कमी वाले पाए गए हैं। इसके अलावा, आरोप सामने आए हैं कि परीक्षा के दौरान समय की बर्बादी के कारण ग्रेस मार्क्स दिए गए, एक ऐसा प्रावधान जिसका सूचना विवरणिका में खुलासा नहीं किया गया था, जिससे कई छात्रों को नुकसान हुआ। परिणाम की घोषणा के समय पर भी सवाल उठाए गए हैं। राजनीतिक दलों और कई छात्रों ने आरोप लगाया कि यह संयोग एनटीए द्वारा जांच से बचने का संभावित प्रयास है।

इन चिंताओं के मद्देनजर कांग्रेस ने सीबीआई से नीट 2024 परीक्षा और उसके नतीजों की जांच करने का आग्रह किया है। उन्होंने गहन जांच होने तक काउंसलिंग स्थगित करने, ग्रेस मार्क्स पाने वाले छात्रों की जांच करने और कदाचार के दोषी पाए जाने वालों को कड़ी सजा देने की मांग की है।

अखंड अयोध्याकांड पारायणम का 11वां संस्करण 11 जून को

तिरुपति, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मानवता की भलाई के लिए टीटीडी 11 जून को तिरुमाला के नाडा निरंजनम मंच पर अयोध्या कांड अखंड पारायणम के 11वें संस्करण का आयोजन कर रहा है और एसवीबीसी सुबह 7 बजे से इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण करेगा। प्रातः 9.00 बजे तक परायणम में अयोध्याकांड के 40-45 सर्गों के 162 श्लोक, योगवशिष्ठम के 35 श्लोक और धन्वंतरि महामंत्र के कुल 187 श्लोक शामिल होंगे। एसवी वेद विज्ञान पीठम, एसवी वेद विश्वविद्यालय और टीटीडी वेद पंडितों के प्रमुख वैदिक व्याख्याता, अन्नमाचार्य परियोजना और राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के टीटीडी संभावना पंडित भाग लेंगे। टीटीडी ने दुनिया भर के श्रीवारी भक्तों से अपील की है कि वे अपने लाभ के लिए लाइव टेलीकास्ट किए जा रहे पारायणम में भाग लें।

केबीआर पार्क के पास बनेगी मल्टीलेवल पार्किंग

ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम की योजना * 3 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत

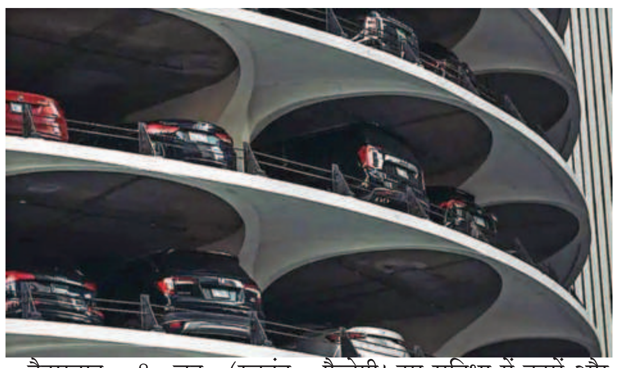

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने उच्च मांग के बीच क्षेत्र में पार्किंग स्थान की कमी का प्रबंधन करने के लिए केबीआर पार्क में एक स्मार्ट कार और मोटरसाइकिल पार्किंग सुविधा स्थापित करने का निर्णय लिया है। रिपोर्ट के अनुसार जीएचएमसी केबीआर पार्क, कड़क चाय, जुबली हिल्स, जीएचएमसी सर्कल के पास एक मशीनीकृत बहु-स्तरीय सुविधा स्थापित करेगा। केबीआर पार्क के पास मल्टी-लेवल पार्किंग सुविधा को 3 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से विकसित किया जाएगा और यह 405 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैलेगी। इस सुविधा में कारों और दोपहिया वाहनों दोनों के लिए पार्किंग स्थान निर्धारित किए जाएंगे। विशेष रूप से, कुल स्थान का 20 प्रतिशत, जिसमें कम से कम 72 समतुल्य कार स्पेस (ईसीएस) की क्षमता है, दोपहिया वाहनों के लिए आवंटित किया जाएगा। यह सुविधा जनता की सुविधा के लिए सुबह 5 बजे से रात 11 बजे तक खुली रहेगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जीएचएमसी ने केबीआर के पास बहुस्तरीय पार्किंग सुविधा के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं, जिसे सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत बनाया जाएगा और निर्माण अवधि सहित 10 वर्षों के लिए सौंप दिया जाएगा। केबीआर पार्क बहुस्तरीय पार्किंग सुविधा के अलावा, जीएचएमसी द्वारा शहर भर में कम से कम 50 और ऐसी परियोजनाएं विकसित करने की संभावना है, जो कि भारतीय प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज (एएससीआई) में ऊर्जा, पर्यावरण, शहरी शासन और बुनियादी ढांचा विकास केंद्र के निदेशक द्वारा किए गए आकलन पर आधारित है।

सुरक्षा की दृष्टि से, डेवलपर को केबीआर स्थित बहुस्तरीय पार्किंग स्थल पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था के साथ सीसीटीवी कैमरे लगाने होंगे। केबीआर पार्क के पास पार्किंग सुविधा से मानवीय पहलू सीमित हो जाएगा। टिकटिंग मशीनों के माध्यम से की जाएगी और स्मार्ट कार्ड-आधारित लेनदेन स्वचालित होंगे। पार्किंग स्थलों, अग्रिम में पार्किंग बुक करने और अन्य सेवाओं के लिए सुविधा को नेविगेट करने के लिए एक मोबाइल ऐप भी विकसित किया जाएगा। सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल सेवाओं में बग की नियमित निगरानी भी की जाएगी।

कूलर छूने से लगा करंट बच्ची की मौत

निजामाबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के अलुरु मंडल मुख्यालय में शुक्रवार शाम कूलर के संपर्क में आने से 6 साल की बच्ची की करंट लगने से मौत हो गई। मृतक बच्ची की पहचान सिंधुरा के रूप में हुई है। रिपोर्टों के अनुसार, लड़की के माता-पिता उसे निजामाबाद जिले के अलुरु में उसकी दादी के घर पर छोड़कर काम के लिए दूसरे शहर चले गए थे। शाम को खेलते समय बच्ची कूलर को छू गई और उसे करंट लग गया। स्थानीय लोगों ने उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

बर्ड फ्लूः तेलंगाना ने जारी की एडवाइजरी

मेक्सिको में एक व्यक्ति की हुई थी मौत

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दुनिया में एवियन इन्फ्लूएंजा (एच5एन1) के कारण मौत का पहला मामला सामने आने और पड़ोसी राज्यों आंध्र प्रदेश, केरल, महाराष्ट्र और झारखंड में बढ़ते मामलों के बाद, तेलंगाना में स्वास्थ्य विभाग ने एक एडवाइजरी जारी की। दुनिया में बर्ड फ्लू से पहली मौत मैक्सिको में हुई थी। डब्ल्यूएचओ के अनुसार 59 वर्षीय व्यक्ति को बुखार, सांस लेने में तकलीफ, दस्त, मतली और सामान्य बेचैनी की शिकायत थी। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को एहतियाती कदम उठाने की सलाह दी है, जिसमें स्वास्थ्य विभाग ने सावधानी बरतने के लिए एडवाइजरी जारी की है। हालांकि, अभी तक राज्य में कोई मामला सामने नहीं आया है।

पक्षियों में होने वाली बीमारियों के लिए उच्च जोखिम वाली आबादी में व्यावसायिक पक्षी शामिल हैं, जिनमें मुर्गियां और बत्तखें शामिल हैं, जिन्हें आम तौर पर बड़ी संख्या में रखा जाता है और वे बीमारी फैलने के लिए अधिक संवेदनशील होते हैं। जंगली या प्रवासी पक्षी पक्षियों की बीमारियों के प्राकृतिक वाहक होते हैं और घरेलू पक्षियों की आबादी के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं। फार्मों पर मुर्गीपालन करने वाले व्यक्तियों तथा मुर्गीपालकों को भी पक्षियों और उनके वातावरण के लगातार संपर्क में रहने के कारण उच्च जोखिम वाली आबादी माना जाता है।

वारंगल-खम्मम-नलगोंडा उपचुनाव तेलंगाना कांग्रेस ने जीता

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी ने विधान परिषद वारंगल-खम्मम-नलगोंडा स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के उपचुनाव में जीत हासिल की। चिंतापांडु नवीन उर्फ तीनमार मल्लन्ना ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के राकेश रेड्डी को हराया। मल्लन्ना को शुक्रवार देर रात निर्वाचित घोषित किया गया, जब वह राकेश रेड्डी से 14,000 से अधिक द्वितीय वरीयता मतों से आगे थे। रिटर्निंग ऑफिसर दासारी हरिचंदना ने आधी रात के बाद मल्लन्ना को प्रमाण पत्र सौंपा। उम्मीदवारों को मिले वोटों का ब्यौरा बाद में घोषित किया जाएगा। 5 जून को सुबह 8 बजे शुरू हुई मतगणना 7 जून को रात

तीनमार मल्लन्ना

10.30 बजे समाप्त हुई। तीनमार मल्लन्ना और उनके समर्थकों ने जीत का जश्न मनाया जब उन्होंने भाजपा उम्मीदवार जी. प्रेमेंद्र रेड्डी को हराकर राकेश रेड्डी पर अजेय बढ़त हासिल कर ली।

राकेश रेड्डी ने कहा कि भले ही वह तकनीकी रूप से हार गए हों, लेकिन यह उनकी और उनकी पार्टी की नैतिक जीत है। गुरुवार रात से शुरू हुई द्वितीय वरीयता के मतों की गिनती की प्रक्रिया शुक्रवार को भी जारी रही। नलगोंडा स्थित मतगणना केंद्र पर 3,36,013 मतों की गिनती के लिए लगभग 2,800 चुनाव कर्मचारियों ने 62 घंटे तक मेहनत की। 27 मई को हुए उपचुनाव में 72.44 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले थे। मतदान के लिए मतपत्रों का इस्तेमाल किया गया था। नवंबर 2023 में हुए विधानसभा चुनावों में जनगांव निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा के लिए चुने जाने के बाद बीआरएस के पल्ला राजेश्वर रेड्डी के इस्तीफा देने के बाद यह पद रिक्त हुआ था। वे 2021 में हुए चुनाव में एमएलसी चुने गए थे।

होटल के अतिथियों का डेटा लीक?

अमेरिका की ब्लॉकचेन फर्म को बेचा गया डेटा?

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य पुलिस की वेबसाइट की कथित हैकिंग के बाद राज्य में नागरिकों की डेटा गोपनीयता से समझौता होने की बढ़ती चिंताओं के बीच, नागरिक डेटा को लेकर एक और चिंताजनक खबर सामने आई है। यह तब हुआ जब एक साइबर सुरक्षा उत्साही ने खुलासा किया कि हैदराबाद के होटलों में मेहमानों का विवरण, साथ ही वे किसके साथ रुके थे, कथित तौर पर राज्य पुलिस द्वारा एक अमेरिकी क्रिप्टो फर्म को भेजा गया था, जिसने इसके लिए कभी भी कोई सूचित सहमति नहीं ली थी।

साइबर सुरक्षा कार्यकर्ता श्रीनिवास कोडाली ने चौंकाने वाली बात का खुलासा किया है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में पूछा तेलंगाना पुलिस हैदराबाद के होटल में चेक-इन करने वाले प्रत्येक व्यक्ति का विवरण क्यों एकत्र कर रहे हैं और उन्हें ब्लॉकचेन कंपनी - ज़ेबिचेन को क्यों भेज रहे हैं? अगर आरोप सच है तो वास्तव में क्या हुआ या ऐसा क्यों किया गया, यह अभी तक स्पष्ट नहीं है। एक अन्य एक्स यूजर महेश मूर्ति ने कोडाली की पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी और अपने स्तर पर कुछ जानकारी जुटाई।

कुत्तों और चूहों ने नोच खाया व्यक्ति का शव

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मंचेरियल के पास दोरागरीपल्ले गांव में एक घर से आ रही दुर्गंध के कारण गुरुवार, 8 जून को तेलंगाना के एक 80 वर्षीय व्यक्ति का सड़ा-गला शव बरामद हुआ, जिसके सीने में एक छेद था। स्थानीय लोगों ने बताया कि तेलंगाना के मनचेरियल के पास जब उन्होंने घर के बाहर एक व्यक्ति के शव को देखा तो उन्हें कुत्ते उसके पास मंडराते हुए दिखाई दिए। रिपोर्ट के अनुसार पुलिस को संदेह है कि उसकी मौत करीब 3-4 दिन पहले हुई होगी। बी गंगैया नामक इस व्यक्ति को आखिरी बार 2 जून को एक दुकान पर देखा गया था, जब वह दही खरीदने गया था। गंगैया के परिवार ने तेलंगाना सरकार से मदद की गुहार लगाई थी, क्योंकि व्यक्ति का शव सड़ चुका था और कुत्तों तथा चूहों ने उसे आंशिक रूप से खा लिया था।

गंगैया का अंतिम संस्कार उनके गांव के बाहर किया गया। यह व्यक्ति अकेले रहता था, क्योंकि उसका बेटा, जो दिहाड़ी मजदूर था, लगभग 20 दिन पहले तेलंगाना में 15 किलोमीटर दूर एक किराए के अपार्टमेंट में रहने चला गया था, क्योंकि यह उसके काम के करीब था। गंगैया की पत्नी का 2014 में निधन हो गया था, जिसके बाद उनके एक बेटा और 4 बेटियां रह गईं, जिनमें से दो उसी गाँव में रहते थे।

भारत गौरव पुण्य क्षेत्र यात्रा ट्रेन सिकंदराबाद से रवाना

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारत गौरव पुण्य क्षेत्र यात्रा ट्रेन सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से यात्रा शुरू हुई भारत गौरव, एक थीम आधारित पर्यटक सर्किट ट्रेन है, जिसे भारतीय रेलवे द्वारा भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और शानदार ऐतिहासिक स्थलों को प्रदर्शित करने के लिए शुरू किया गया था, जो रेल यात्रियों के बीच काफी सफल रही है। भारत गौरव की एक और यात्रा, अयोध्या - काशी: पुण्य क्षेत्र यात्रा ने आज यानी 8 जून को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से अपनी यात्रा शुरू की। 19 वीं भारत गौरव ट्रेन की यात्रा की शुरुआत ट्रेन में यात्रा करने वाले वरिष्ठ नागरिकों में से एक, दिनेश चटकी, उम्र 75 वर्ष और साधना चटकी, उम्र 63 वर्ष ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से की। अयोध्या-काशी: पुण्य क्षेत्र यात्रा, भारत गौरव ट्रेन, जिसने आज अपनी यात्रा शुरू की, 100% पूरी तरह से भरी हुई है। यह ट्रेन तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्य के सभी रेल यात्रियों को आध्यात्मिक ज्ञान के लिए नवनिर्मित राम जन्मभूमि (अयोध्या) और ज्योतिर्लिंग (काशी विश्वनाथ मंदिर) के दर्शन करने या गया में पिंडदान अनुष्ठान (अपने पूर्वजों को श्रद्धांजलि अर्पित करने) का अवसर प्रदान करती है। सिकंदराबाद के अलावा, ट्रेन दो तेलुगु राज्यों में 8 स्थानों - जैसे काजीपेट (वारंगल), खम्मम, विजयवाड़ा, एलुरु, राजमंड्री, समालकोट, विजाग (पेंडुर्ती) और विजयनगरम में बोर्डिंग / डी-बोर्डिंग की सुविधा प्रदान करती है। उन्हें 10 दिनों की अवधि में पुरी, गया, वाराणसी, अयोध्या और प्रयागराज जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर ले जाया जाएगा। ट्रेन एसी और नॉन-एसी दोनों यात्रियों को मिश्रित संरचना - 2 एसी, 3 एसी और स्लीपर कोच के साथ सुविधा प्रदान करती है। सभी वर्गों के संरक्षण को दर्शाते हुए, सिकंदराबाद स्टेशन के साथ-साथ मार्ग के स्टेशनों से रेल यात्रियों ने एसी और नॉन-एसी दोनों प्रकार की ट्रेन सेवाओं का लाभ उठाया है। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, एससीआर ने एससीआर से भारत गौरव पर्यटक ट्रेन के लिए यात्रियों से प्राप्त अच्छी प्रतिक्रिया पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि भारत गौरव ट्रेनें देश में आध्यात्मिक पर्यटन के विकास को बढ़ावा दे रही हैं। उन्होंने रेल उपयोगकर्ताओं से व्यक्तिगत यात्रा कार्यक्रम की योजना बनाने की परेशानी के बिना सांस्कृतिक रूप से प्रमुख और ऐतिहासिक स्थानों पर जाने के अवसर का उपयोग करने की अपील की।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.